page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 12/6/2025 1:21 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 पुलिस स्टेशन ने चोरी के दो मामले सुलझाए, सोने के आभूषण बरामद

5 एशियन कप आर्म रेसलिंग के लिए टीम इंडिया की कप्तान बनीं ओनम गाम्नो

8 काली सरसों के बीज की खेती

न्यूनतम 9

मौसम जम्मू

अधिकतम 17

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-299 | जम्मू तवी, शनिवार 06 दिसम्बर, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

भारत-रूस के बीच 7 क्षेत्रों में कई समझौते, टूरिस्ट सुविधाओं और सहयोग के रोडमैप पर बनी सहमति

नई दिल्ली, 05 दिसंबर । भारत और रूस के बीच शुक्रवार को सात क्षेत्रों में 16 समझौतों और करार पर हस्ताक्षर हुए और 5 घोषणाएं की गईं। दोनों देशों में प्रवासन और गतिशीलता, स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा, समुद्री सहयोग और ध्रुवीय जल, उर्वरक, सीमा शुल्क और वाणिज्य, शिक्षा तथा मीडिया क्षेत्र में सहयोग पर सहमित बनी। भारत-रूस आर्थिक सहयोग के रणनीतिक क्षेत्र के विकास के लिए 2030 तक के कार्यक्रम पर सहमत हुए हैं। भारत रूसी नागरिकों को आपसी आधार पर 30 दिनों का ई-टूरिस्ट वीज़ा मुफ्त और रूसी नागरिकों को ग्रुप टूरिस्ट वीज़ा मुफ्त में देगा। वहीं, रूसी पक्ष ने इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस में शामिल होने के लिए फ्रेमवर्क एग्रीमेंट अपनाने का फैसला किया है। इसके अलावा दोनों देशों ने 'इंडिया. फैब्रिक ऑफ़ टाइम' प्रदर्शनी के लिए समझौते पर भी सहमति की घोषणा की। ये समझौते भारत-रूस सहयोग को व्यापक, आधुनिक और व्यावहारिक स्वरूप देने के लिए महत्वपूर्ण आधार प्रदान करते हैं। कुशल भारतीय कार्यबल के रूस में सुरक्षित और सुव्यवस्थित आवागमन के लिए बनाए गए ढांचे से दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं को लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य,

> "भारत और रूस के व्यापारिक संबंधों को कमजोर करने के पश्चिमी देशों के प्रयासों का मुकाबला करने के लिए दोनों देश भुगतान की वैकल्पिक प्रणाली सुनिश्चित करने पर सहमति व्यक्त की

चिकित्सा शिक्षा और विज्ञान में जानकारी व विशेषज्ञों का आदान-प्रदान शोध और नवाचार को नई गति देगा। खाद्य सुरक्षा समझौता स्वच्छता और गुणवत्ता मानकों के अनुपालन को सुनिश्चित करेगा। भारतीय सेफ़रार्स के लिए पोलर वॉटर प्रशिक्षण, समुद्री क्षेत्र में संयुक्त अन्वेषण, अनुसंधान और बंदरगाह सहयोग क्षमता निर्माण को मजबूत करेंगे। यूरिया संयंत्र की संयुक्त पहल कृषि क्षेत्र की जरूरतों को पूरा करेगी। कस्टम्स जानकारी के आदान-प्रदान से व्यापार प्रक्रिया सरल होगी, जबकि डाक एवं ई-कॉमर्स सहयोग छोटे उद्योगों को नई संभावनाएँ मिलेंगी। शिक्षा, कौशल विकास, छात्र आदान-प्रदान और मीडिया सहयोग दोनों देशों के लोगों एवं संस्थागत संबंधों को और सुदृढ़ करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए 4-5 दिसंबर को भारत की राजकीय यात्रा की। इस दौरान शिखरवार्ता में दोनों नेताओं ने भारत और रूस के बीच विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए अपने समर्थन की पुष्टि की। इस वर्ष भारत और रूस के बीच रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की 25वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है। साझेदारी की स्थापना अक्टूबर 2000 में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत की पहली राजकीय यात्रा के दौरान की गई थी शिखरवार्ता के बाद जारी रूस से कच्चा तेल खरीदने को लेकर अमेरिकी सरकार की ओर से लगाए गए प्रतिबंधों का सीधा उल्लेख नहीं करते हुए संयुक्त वक्तव्य में कहा गया कि ऊर्जा क्षेत्र, भारत और रूस की रणनीतिक साझेदारी का प्रमुख स्तंभ है। दोनों देशों ने तेल, तेल उत्पाद, तेल शोधन क्षमता, प्रौद्योगिकी और क्षेत्रों के विकास में आपसी सहयोग को और बढ़ाने का फैसला किया। संयुक्त वक्तव्य में कहा गया कि ऊर्जा, द्विपक्षीय व्यापार का प्रमुख हिस्सा तथा संप्रभु देश के रूप में रूस और भारत अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा और जनकल्याण सुनिश्चित करेंगे।

भारत और रूस के व्यापारिक संबंधों को कमजोर करने के पश्चिमी देशों के प्रयासों का मुकाबला करने के लिए दोनों देश भुगतान की वैकल्पिक प्रणाली सुनिश्चित करने पर सहमति व्यक्त की। इसके तहत द्विपक्षीय व्यापार को बाधा रहित रूप से संचालित करने के लिए अपने - अपने देशों की राष्ट्रीय मुद्रा का उपयोग जारी रखने का फैसला किया गया। दोनों देश अपनी भुगतान प्रणालियों के बीच तालमेल भी कायम करेंगे। संयुक्त वक्तव्य के अनुसार दोनों पक्षों ने प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण और भारतीय सशस्त्र बलों की जरूरतों को पूरा करने के लिए संयुक्त उद्यमों की स्थापना के साथ-साथ पारस्परिक रूप से मित्र तीसरे देशों को निर्यात के माध्यम से मेक-इन-इंडिया कार्यक्रम के तहत रूसी मूल के हथियारों और रक्षा उपकरणों के रखरखाव के लिए स्पेयर पार्ट्स, घटकों, एग्रीगेट्स और अन्य उत्पादों के भारत में संयुक्त विनिर्माण को प्रोत्साहित करने पर सहमति व्यक्त की। रूस के राष्ट्रपति पुतिन की यात्रा के दौरान 2022 में यूक्रेन में युद्ध शुरू होने के बाद पश्चिम के कई देशों में प्रतिबंधित आरटी, रूस टीवी ने अपने सबसे बड़े विदेशी कार्यालयों को खोला।

शिखरवार्ता को लेकर विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने पत्रकार वार्ता की। रूस ऊर्जा के आयात पर विदेश सचिव ने स्पष्ट किया कि ऊर्जा के एक महत्वपूर्ण आयातक के रूप में भारत की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि भारत में 1.4 अरब लोगों की ऊर्जा जरूरतें सुरक्षित हों और हमारी ऊर्जा स्रोत नीतियां पूरी तरह से इस अनिवार्यता द्वारा निर्देशित हों। स्थिर ऊर्जा मूल्यों और सुरक्षित आपूर्ति सुनिश्चित करना हमारी सोर्सिंग नीति का दोहरा लक्ष्य है।

भारत-रूस उत्पादन, अन्वेषण और निर्माण में सहयोग की नई यात्रा पर : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, 5 दिसंबर । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रूस के उद्यमियों और व्यापारियों को भारत आने और यहां सह-उत्पादन, सह-अन्वेषण एवं सह-निर्माण के अवसरों का लाभ उठाने का न्यौता दिया तथा कहा कि हमारा लक्ष्य केवल आपसी व्यापार को बढ़ाना ही नहीं बल्कि पूरी मानवता का कल्याण सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों को वैश्विक चुनौतियों का स्थायी समाधान करने के लिए मिलकर प्रयास करना होगा। राष्ट्रपति पुतिन के साथ शुक्रवार को भारत-रूस व्यापार मंच को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि रूस में काम करने के लिए भारतीय श्रम शक्ति को सक्षम बनाने के लिए दोनों देशों को मिलकर प्रशिक्षित करना चाहिए।

खबर संक्षेप

जम्मू-कश्मीर में चुनी हुई सरकार रेजर की धार पर काम कर रही है : फारूक अब्दुल्ला

श्रीनगर, 5 दिसंबर। पूर्व मुख्यमंत्री और सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने शुक्रवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर में चुनी हुई सरकार रेजर की धार पर काम कर रही है क्योंकि उनके अनुसार सभी शक्तियां उपराज्यपाल में निहित हैं।

नेशनल कॉन्फ्रेंस के संस्थापक दिवंगत शेख मोहम्मद अब्दुल्ला की 120वीं जयंती पर श्रीनगर शहर के हजरतबल इलाके में उनकी समाधि पर मीडिया को संबोधित करते हुए डॉ. अब्दुल्ला ने कहा कि हमारी सरकार के सत्ता में आने के बाद पिछले वर्ष के दौरान जो कुछ भी किया जा सकता था वह हमारे सिर पर लटकी तलवार के बावजूद किया गया है।

सभी शक्तियां उपराज्यपाल के पास हैं और हमें इन परिस्थितियों में उस्तरे की धार पर चलना होगा। जब हम राज्य का दर्जा मांगते हैं तो हम इसे अपने लिए नहीं करते हैं। हम चाहते हैं कि इसे बहाल किया जाए ताकि राज्य का दर्जा बहाल किया जा सके। यहां लोगों को फायदा होता है।

हमारे पास चार साल और हैं। बस धैर्य रखें और देखें कि आपके जीवन में कितना बदलाव आएगा। सभी विधायक नियमित रूप से अपने क्षेत्रों में जा रहे हैं और लोगों की समस्याओं पर ध्यान दे रहे हैं। लोगों को भी अपने व्यवहार में ईमानदार होना होगा। सरकारी निर्माण कार्य में लगे स्थानीय ठेकेदारों को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनका काम ईमानदार हो। अब ठेके पाने के लिए आपको ई-टेंडरिंग के माध्यम से प्रतिस्पर्धा करनी होगी।

ठेकेदारों को इंजीनियरों की पसंद पर काम मिलने के दिन अब ख़त्म हो गए हैं।

राजनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण बयान में उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन में बूढ़ों के दिन खत्म हो गए हैं। युवाओं को आगे आकर सार्वजनिक जीवन में अपना योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। महिलाओं को समाज के विकास में सार्थक योगदान देने के लिए आगे आना होगा।

2 शिक्षक निलंबित; एमडीएम में खामियों और खराब प्रदर्शन के लिए राजौरी में 34 स्कूलों के खिलाफ कार्रवाई शुरू

राजौरी, 5 दिसंबर। मुख्य शिक्षा अधिकारी (सीईओ) राजौरी ने 200 स्कूलों के निरीक्षण के बाद मध्याह्न भोजन योजना में गंभीर खामियां और खराब शैक्षणिक प्रदर्शन पाए जाने के बाद अनुशासनात्मक कार्रवाई का आदेश दिया है। अधिकारियों ने कहा कि 34 स्कूल स्वीकृत मेनू के अनुसार भोजन परोसने में विफल रहे जबकि 11 स्कूलों ने खराब शैक्षणिक परिणाम दिखाए जिनमें 7 स्कूलों ने एमडीएम मानदंडों का भी उल्लंघन किया और 2 स्कूलों में भोजन बिल्कुल नहीं पकाया गया। उन्होंने कहा कि दो शिक्षकों पीएस धारा पथाना के फरनाज़ कौसर और पीएस नंबले कल्याण के मोहम्मद अल्ताफ को अधिकारियों को सूचित किए बिना उपस्थिति दर्ज करने के बाद अपने स्कूल छोड़ने के लिए निलंबित कर दिया गया था। खराब प्रदर्शन करने वाले 11 स्कूलों के शिक्षकों का वेतन भी दिसंबर तक सुधार होने तक रोक दिया गया है जबकि 34 स्कूलों के कर्मचारियों को दो दिनों के भीतर लिखित स्पष्टीकरण देने के लिए कहा गया है अन्यथा अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

अगर उम्मीद पोर्टल पर पंजीकरण कराने की कोशिश की और नाकाम रहे तो तीन महीने का और मिलेगा समय : रिजिजू

नई दिल्ली, 05 दिसंबर । केंद्रीय अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री किरेन रिजिजू ने शुक्रवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि उम्मीद पोर्टल पर वक्फ संपत्तियों के पंजीकरण की अंतिम तारीख समाप्त होने पर आज तक जिन मुतवाल्लियों ने वक्फ संपत्ति के रजिस्ट्रेशन के लिए पोर्टल पर प्रयास किए हैं और किसी कारण से उनके रजिस्ट्रेशन नहीं हो पाए हैं तो ऐसे मुतवाल्लियों को 3 महीने का समय देने का आश्वासन दिया जा रहा है। उन्होंने साफ किया है कि आज अंतिम तारीख तक प्रयास करने वाले सभी मुतवल्लियों को जिनके कागज इत्यादि अपलोड नहीं हो पाए हैं और अन्य तरह की परेशानियां आई है, उन्हें 3 महीने का समय दिया जाएगा। इस समय के भीतर उन्हें अपने सारे कागजात पोर्टल पर अपलोड करने पड़ेंगे। उन्होंने आगे कहा कि इनके खिलाफ कोई कठोर कार्रवाई और जुर्माना नहीं लगाया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसे मुतवल्लियों को जिन्होंने अपनी संपत्ति को रजिस्ट्रेशन करने के लिए किसी भी तरह का प्रयास नहीं किया है, उन्हें वक्फ ट्रिब्यूनल में जाने की सलाह दी जाएगी क्योंकि समय बढ़ाने का अधिकार ट्रिब्यूनल के पास है। अगर सही कारण बताया जाए तो ट्रिब्यूनल 6 महीने का समय बढ़ा सकता है।

उन्होंने कहा कि वक्फ कानून 2025 संसद से बनाया गया है और इसमें जो भी प्रावधान है, उसका पालन करना हम सबकी जिम्मेदारी है। हम वक्फ कानून में संशोधन नहीं कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि उनके पास समय सीमा बढ़ाने के लिए सांसदों, समाजिक संगठनों, समाजसेवियों आदि की तरफ से बार-बार निवेदन आ रहा था, जिस पर आज हमने यह फैसला लिया है।

भारत-रूस के कृषि मंत्रियों की बैठक में कृषि व्यापार को बढ़ावा देने पर रहा जोर

नई दिल्ली, 5 दिसंबर (हि.स.)। भारत और रूस के कृषि मंत्रियों की आज यहां हुई बैठक में कृषि व्यापार को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। दोनों पक्षों ने मौजूदा सहयोग पर चर्चा की और भविष्य के सहयोग के क्षेत्रों की रूपरेखा भी तैयार की। मंत्रालय के मुताबिक कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने यहां कृषि भवन में रूस की कृषि मंत्री ओक्साना लुट के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इसमें दोनों पक्षों ने मौजूदा सहयोग पर चर्चा की और भविष्य के सहयोग के क्षेत्रों की रूपरेखा तैयार की। शिवराज सिंह ने बढ़ते द्विपक्षीय कृषि व्यापार पर प्रकाश डाला, जो वर्तमान में लगभग 3.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर है। उन्होंने और अधिक संतुलित व्यापार की आवश्यकता पर बल दिया और भारतीय आलू, अनार और बीजों के निर्यात से संबंधित लंबे समय से लंबित मुद्दों के समाधान के लिए रूस का धन्यवाद किया। कृषि वस्तुओं का व्यापार बढ़ाने के लिए दोनों पक्षों ने भारत से खाद्यान्न और बागवानी उत्पादों के निर्यात की संभावनाओं पर भी चर्चा की। बैठक के दौरान, कृषि अनुसंधान, नवाचार और क्षमता निर्माण में सहयोग को मजबूत करने के लिए आईसीएआर और फेडरल सेंटर फॉर एनिमल हेल्थ, रूस के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। शिवराज सिंहने रूसी पक्ष को अगले वर्ष भारत द्वारा आयोजित ब्रिक्स देशों के कृषि मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए भी आमंत्रित किया। दोनों देशों ने कृषि व्यापार, उर्वरकों, बीजों, बाज़ार पहुंच और संयुक्त अनुसंधान में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई और नवाचार को बढ़ावा देने तथा दोनों देशों के किसानों को लाभ पहुंचाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। रूसी कृषि मंत्री ओक्साना लुट ने कृषि क्षेत्र में व्यापार बढ़ाने और सहयोग मजबूत करने में गहरी रुचि दिखाई। कृषि मंत्री के अलावा, रूसी प्रतिनिधिमंडल में डिप्टी मिनिस्टर मैक्सिम मार्कोविच, डिप्टी मिनिस्टर मरीना अफोनिना, एफएसवीपीएस के प्रमुख सर्गेई डंकवर्ट और एशिया प्रभाग की निदेशक डारिया कोरोलेवा शामिल थे। बैठक में भारतीय पक्ष की ओर से कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के सचिव देवेश चतुर्वेदी, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग के सचिव एमएल जाट और उर्वरक विभाग के सचिव रजत कुमार मिश्र, विदेश मंत्रालय के प्रतिनिधि, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त सचिव तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

जम्मू-कश्मीर सरकार ने छह जेकेएस अधिकारियों को किया पदोन्नत

जम्मू, 5 दिसंबर.। जम्मू और कश्मीर सरकार ने छह जेकेएस अधिकारियों को प्रशासनिक सेवाओं के अगले ग्रेड और स्केल में पदोन्नत करने का आदेश दिया है। जनरल एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट के एक आदेश के अनुसार शुभ्रा शर्मा को सुपर टाइम स्केल (लेवल 14) में प्रमोट किया गया है।

एक अलग आदेश में शब्बीर अहमद रैना, जहांगीर हाशमी और वैभव कोहली को स्पेशल स्केल (लेवल 13) में प्रमोट किया गया है जिसमें वैभव कोहली को लेफ्टिनेंट गवर्नर के सेक्रेटेरिएट में स्पेशल सेक्रेटरी के रूप में नियुक्त किया गया है जबकि अन्य अपनी वर्तमान पोस्टिंग पर बने रहेंगे।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने स्कीम्स के 43वें स्थापना दिवस समारोह की अध्यक्षता की

श्रीनगर, 5 दिसंबर । मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आज शेर-ए-कश्मीर अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर (एसकेआईसीसी) में शेर-ए-कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एसकेआईएमएस) के 43वें स्थापना दिवस समारोह की अध्यक्षता की और जम्मू-कश्मीर में स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढांचे के विस्तार और तृतीयक देखभाल को मजबूत करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। अपने भाषण में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि उनकी सरकार ने हमेशा स्कीम्स को पूरी फाइनेंशियल मदद दी है और आगे भी और ज़ोर-शोर से ऐसा करती रहेगी। उन्होंने घोषणा की कि नई एसएएससीआई फंडिंग विंडो जो पहले सिर्फ़ राज्यों के लिए उपलब्ध थी अब उनके दखल के बाद केंद्र शासित प्रदेशों के लिए भी बढ़ा दी गई है। उन्होंने कहा कि इससे जम्मू-कश्मीर के लिए लंबे समय के ज़ीरो-इंटरेस्ट कैपिटल खर्च वाले लोन पाने का एक ऐसा मौका मिला है जो पहले कभी नहीं मिला। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस साल हमें आखिरकार एसएएससीआई मिल गया। इस सिस्टम के तहत अब हम कैपिटल इन्वेस्टमेंट के लिए फंड ले सकते हैं। यह हमारे लिए एक अनोखा मौका है और मैं चाहता हूं कि स्कीम्स इसका पूरा फ़ायदा उठाए। उन्होंने स्कीम्स प्रशासन से एक बड़े प्रोजेक्ट के बारे में सोचने की अपील की जिसे 2-3 साल के अंदर पूरा किया जा सके।

स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक 2025 लोकसभा से पारित

नई दिल्ली, 5 दिसंबर । लोकसभा ने शुक्रवार को स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक, 2025 को मंजूरी दे दी। यह विधेयक पान मसाला और गुटखा जैसी वस्तुओं के उत्पादन पर एक नया उत्पादन-आधारित उपकर लगाने का प्रावधान करता है। सरकार ने कहा कि इसका उद्देश्य स्वास्थ्य सुरक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अतिरिक्त फंड जुटाना है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज सदन में विधेयक के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए कहा कि स्वास्थ्य और राष्ट्रीय सुरक्षा सेस लगाने का प्रस्ताव है, ताकि सार्वजनिक स्वास्थ्य और राष्ट्रीय सुरक्षा- दोनों महत्वपूर्ण उद्देश्यों के लिए लक्षित उपयोग सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि यह उपकर उन वस्तुओं पर लगाया जाएगा जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं और जिनकी खपत को हतोत्साहित करना आवश्यक है।

विधेयक के अनुसार उपकर उन व्यक्तियों या इकाइयों पर लगेगा जो पान मसाला, गुटखा और अन्य निर्दिष्ट उत्पादों के उत्पादन में मशीनें या मैनुअल यूनिट्स संचालित करते हैं। करदाताओं को अपने उत्पादन क्षमता के आधार पर मासिक रूप से उपकर की स्वतः गणना करनी होगी और मासिक रिटर्न दाखिल करना होगा।

मशीन की उत्पादन क्षमता के आधार पर उपकर दरें तय होंगी। उदाहरण के लिए एक मशीन जो प्रति मिनट 500 तक पाउच (प्रति पाउच 2.5 ग्राम तक) बनाती है, उसे 1.01 करोड़ रुपये प्रति माह उपकर देना होगा। 1,001-1,500 पाउच प्रति मिनट उत्पादन क्षमता वाली मशीनें (पाउच वजन 10 ग्राम से अधिक) 25.47 करोड़ रुपये प्रति माह उपकर भरेंगी।

मैनुअल उत्पादन इकाइयों के लिए 11 लाख रुपये प्रति माह की निश्चित उपकर दर होगी। सरकार को सार्वजनिक हित में इन दरों को दोगुना तक बढ़ाने का अधिकार होगा। विधेयक में प्रवर्तन सुनिश्चित करने के लिए उच्च स्तर के निरीक्षण प्रावधान किए गए हैं। आयुक्त स्तर के अधिकारी उत्पादन इकाइयों का ऑडिट और अवैतनिक या कम भुगतान किए गए उपकर की वसूली करेंगे। संयुक्त आयुक्त या उससे ऊपर के अधिकारी निरीक्षण, तलाशी और जब्ती की कार्रवाई कर सकेंगे।

इंडिगो उड़ान सेवाओं में बाधा के बीच यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे की विशेष व्यवस्था, 37 ट्रेनों में 116 अतिरिक्त कोच जोड़े

नई दिल्ली, 05 दिसंबर । इंडिगो की उड़ान सेवाओं में आए व्यवधान के बाद बढ़ी हुई यात्री मांग को पूरा करने के लिए भारतीय रेलवे ने बड़ा कदम उठाया है। रेलवे ने अब तक कुल 37 ट्रेनों में 116 अतिरिक्त कोच लगाए हैं, जिससे 114 फेरे में यात्रियों को अतिरिक्त सुविधा उपलब्ध होगी। इसके साथ ही कुछ नई स्पेशल ट्रेनें भी चलाई गई हैं ताकि यात्रियों को वैकल्पिक और सुगम यात्रा विकल्प मिल सकें। यह समूची व्यवस्था शुक्रवार की शाम सात बजे तक की स्थिति के अनुसार तैयार की गई है।

उत्तर रेलवे ने भीड़ को नियंत्रित करने और वैकल्पिक यात्रा विकल्प उपलब्ध कराने के लिए राजधानी, शताब्दी और मेल-एक्सप्रेस ट्रेनों में कोच बढ़ाए हैं। नई दिल्ली-जम्मू तवी राजधानी (12425/26) में थर्ड एसी कोच लगाया गया है, जिससे 5 से 12 दिसंबर के बीच 14 फेरों में अतिरिक्त बर्थ उपलब्ध होंगी। इसी प्रकार नई दिल्ली-डिब्रूगढ़ राजधानी (12423/24), जो जम्मू राजधानी का लिंक रेक है, में भी एक थर्ड एसी कोच जोड़ा गया है, जिससे 6 से 11 दिसंबर तक 6 फेरों में सुविधा बढ़ेगी। इसके अलावा, नई दिल्ली-चंडीगढ़ शताब्दी (12045/46) तथा नई दिल्ली-अमृतसर शताब्दी (12029/30) में एक-एक अतिरिक्त चेयर कार कोच जोड़े गए हैं, जिससे दोनों रूटों पर यात्रियों को अधिक सीटें मिल सकें।

धर्म के आधार पर सीटों के बंटवारे की मांग करना गलत है और इससे पूरे देश के सामाजिक ताने-बाने को नुकसान होगा: महबूबा

कटरा, 05 दिसंबर । पीपल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने शुक्रवार को कहा कि मेरिट को नज़रअंदाज़ करना और धर्म के आधार पर सीटों के बंटवारे की मांग करना गलत है और इससे जम्मू-कश्मीर और पूरे देश के सामाजिक ताने-बाने को नुकसान होगा।

यह राजनीतिक विवाद तब शुरू हुआ जब श्री माता वैष्णोदेवी मेडिकल कॉलेज ने इस महीने की शुरुआत में नीट मेरिट लिस्ट के ज़रिए एडमिशन पूरे कर लिए जिसमें कॉलेज ने 42 मुस्लिम छात्र-छात्राओं को एडमिशन दिया जिनमें से ज़्यादातर कश्मीर से थे। इसके अलावा जम्मू से सात हिंदू छात्र-छात्राओं और एक सिख को 50 के पहले एमबीबीएस बैच के लिए चुना गया।

जम्मू और कश्मीर बोर्ड ऑफ़ प्रोफ़ेशनल एंट्रेंस एग्ज़ामिनेशन ने इन छात्र-छात्राओं को जम्मू के कटरा इलाके में श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड द्वारा चलाए जा रहे मेडिकल कॉलेज में एडमिशन देने का फ़ैसला किया। महबूबा ने कटरा में मीडिया से कहा कि मेरिट को नज़रअंदाज़ करना और धर्म के आधार पर सीटों के बंटवारे की मांग करना बहुत गलत है। ऐसी चीजें नहीं होनी चाहिए। इससे न सिर्फ़ जम्मू-कश्मीर का माहौल खराब होगा बल्कि पूरे देश पर भी असर पड़ेगा।

एसएमवीडीआईएमई प्रवेश विवाद- हिंदू समूहों ने छात्रों को स्थानांतरित करने की मांग की, मार्च निकाला

जम्मू, 5 दिसंबर। कई हिंदू समूहों ने श्री माता वैष्णो देवी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एक्सीलेंस (एसएमवीडीआईएमई) से मुस्लिम छात्रों को स्थानांतरित करने और वहां हिंदू छात्रों के लिए सीटें आरक्षित करने की मांग को लेकर शुक्रवार को जम्मू शहर में मार्च निकाला।

श्री माता वैष्णो देवी संघर्ष समिति के बैनर तले समूह मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के खिलाफ नारे लगाते हुए सड़कों पर उतर आए। प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री का पुतला भी फूंका।

बाद में वे तवी पुल के पास महाराजा हरि सिंह स्मारक पर धरने पर बैठ गए जिससे कुछ देर के लिए यातायात अवरुद्ध हो गया।

पत्रकारों से बात करते हुए समिति के संयोजक कर्नल सुखवीर मनकोटिया ने कहा कि इस मुद्दे को संबोधित करने में सरकार और श्राइन बोर्ड की विफलता के कारण

आंदोलन को मजबूर होना पड़ा।

उन्होंने कहा कि उन्हें एक सौहार्दपूर्ण समाधान खोजने के लिए हमें बुलाना चाहिए था। अगर मामला तुरंत हल नहीं हुआ तो हम समुदाय के लिए न्याय सुनिश्चित करने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं।

ऐसे करें नन्हे की देखभाल

नाजुक से हाथ-पांव, मासूम-सा चेहरा और कोमल सी काया..., ऐसे में नन्हे को गोद में उठाते हुए भी डर लगता है परंतु मां ही ऐसी है, जो बेझिझक बच्चे को अपनी गोद में उठा कर उसे दुलारती और उसकी देखभाल करती है। नाजुक-सी जान के आते ही मां के इतने काम बढ़ जाते हैं कि कई बार तो उसे समझ ही नहीं आता कि वास्तव में वह अपने बच्चे की देखभाल कैसे करे कि उसकी सेहत हर मौसम के हिसाब से सही रहे।

हैल्दी मसाज

किसी भी नवजात शिशु को मसाज की बहुत आवश्यकता होती है जिससे कि उसकी बॉडी मजबूत तो बनेगी ही, साथ ही प्रॉपर शेप में भी आएगी। छोटे बच्चों की मसाज चेहरे से शुरू कर पांवों तक पहुंचनी चाहिए। बेहतर है कि उसकी मसाज देसी घी से की जाए। यदि अन्य तेल इस्तेमाल करना चाहती हैं तो वह तेज खुशबू वाला नहीं होना चाहिए।

नहलाना है जरूरी

यूं तो छोटे बच्चे को रोज गुनगुने पानी से नहलाया जाए तो वह काफी एक्टिव फील करता है। इसके लिए पहले उसे गुनगुने दूध से नहलाएं और बाद में उसे बेबी शैंपू से नहला दें। बहुत छोटे बेबी के नहाने के पानी में बेबी लोशन या ऑयल की कुछ बूंदें डाल दें। जब मौसम अनुकूल न हो तो उसे हर रोज नहलाना भी जरूरी नहीं, गुनगुने पानी में टॉवल भिगो कर उसे स्पंज कर उसके कपड़े बदल दें। बच्चे की स्कैल्प पर जन्म के बाद एम्नियोटिक फ्लूइड के अंश लगे रह जाते हैं। इन्हें एक दिन में हटाने की कोशिश न करें। हर रोज बच्चे के सिर पर बेबी कोम को हल्के हाथों से फिराते हुए निकालें।

नैपी नॉट

बच्चों के लिए डायपर खरीदते समय उसके वजन का ख्याल अवश्य रखें। ये उम्र की अपेक्षा उनके वजन को ध्यान में रख कर बनाए जाते हैं। डायपर को इस ढंग से बांधें कि उसकी स्किन पर रैशेज न पड़ें। इन्हें चेंज करते समय बच्चे के जननांग की विशेष रूप से सफाई करें।

सॉफ्ट हों परिधान

नन्हे- मुन्नों को हर मौसम में सॉफ्ट परिधान ही चाहिएं। उनके कपड़ों की डिजाइनिंग ऐसी होनी चाहिए जिसमें नैपी चेंज करना आसान हो। लेस वाले परिधानों में जहां उसकी उंगलियां फंसने का डर रहता है, वहीं बटन या फूलों वाली ड्रैस उसे चुभ सकती है। ठंडे मौसम में उसे फुल बॉडी सूट तथा गर्मियों में उसे सूती कपड़े के झबले पहनाएं।

जब रो उठे बच्चा

यूं तो बच्चों के रोने के कई कारण होते हैं। कई बार वह भूख लगने से रो सकता है, तो कभी उसे नींद आई होती है। कई बार उसकी नैपी गीली या गंदी हो जाने पर वह रोता है तो कभी थकान या दर्द की वजह से भी रो उठता है। इसके अलावा बच्चा अकेला होने पर डर कर भी रो उठता है। ऐसे में बच्चे को अपनी गोद में लेकर प्यार करें। आपके प्यार भरे स्पर्श से ही वह आश्वस्त हो जाता है कि कोई उसके पास है। यदि फिर भी बच्चे का रोना बंद न हो तो समझ जाएं कि उसे कोई तकलीफ है तथा उसे तुरंत डॉक्टर के पास ले जाएं।

सोने की रूटीन

यूं तो नवजात शिशु का दिन सोते हुए तथा रात जागते हुए बीतती है, जिससे परिवार के किसी एक सदस्य को भी उसके साथ जागना पड़ता है। लगभग 3-4 माह बाद बच्चे की यह आदत ठीक होने लगती है। अक्सर बच्चे दूध पीते-पीते गहरी नींद सो जाते हैं। बच्चे का बिस्तर गुदगुदा और मुलायम होना चाहिए तथा उसके कमरे में शोर नहीं होना चाहिए।

हैल्थ केयरिंग

बच्चे की हैल्थ से जुड़े हर प्रस्क्रिप्शन की फाइल बनाएं तथा उसका बर्थ सर्टीफिकेट भी उसमें रखें। पीडियाट्रीशियन के यहां से मिले वैक्सीन के कार्ड को भी इसी फाइल में संभाल कर रख दें। जन्म के बाद के उसके हर ट्रीटमैंट के पेपर इसी में होने चाहिएं और जब भी उसे हॉस्पिटल या नर्सिंग होम लेकर जाएं तो इस फाइल को भी साथ में ले जाएं।

सॉलिड फूड

छ- माह तक बच्चे को मां का दूध ही दें तथा उसके बाद डॉक्टर की सलाह पर उसे सॉलिड फूड देना आरंभ करें।

स्टाइलिश बनाएं अपने बाथरूम को

बाथरूम घर के महत्वपूर्ण स्थानों में से एक है, क्योंकि सुबह उठते ही सबसे पहले हम सब सीधे वहीं तो जाते हैं ताकि फ्रैश हो कर दिन भर के लिए तैयार हो सकें। बाथरूम में यदि करीने से सारी एक्सैसरीज रखी जाएं तो उसे खूबसूरत लुक दिया जा सकता है। आजकल बाजार में उपलब्ध विस्तृत रेंज आपके लिए बहुत सारे विकल्प प्रदान करती है, परंतु इस बात का ध्यान रखें कि ये सारी वस्तुएं बाकी सजावट से मेल खाती हों।

दर्पण

दर्पण के बिना बाथरूम अधूरा-सा लगता है, क्योंकि दर्पण किसी भी बाथरूम का एक अभिन्न अंग है और किसी छोटे से बाथरूम को भी यह बढ़ा कर दिखा सकता है। एक स्टाइलिश दर्पण किसी भी जगह को एक शानदार लुक और फील भी प्रदान करेगा। आप अपनी पसंद से डिजाइन और साइज चुन सकती हैं, हालांकि आजकल बड़े आकार के दर्पण लगाने का ट्रैंड है।

नल

बाथरूम को स्टाइलिश लुक देते है खूबसूरत डिजाइन और रंगों वाले नल। इसलिए टाइल्स के रंग से मैच करते नल एवं शॉवर इसे खूबसूरती प्रदान करते हैं। खरीददारी करते समय इस बात का ध्यान रखें कि यदि आप के घर में बच्चे हैं तो ज्यादा कांप्लीकेटेड नल न लेकर साधारण नल ही लें।

वाशबेसिन

किसी भी बाथरूम का एक अभिन्न हिस्सा उसका वाशबेसिन होता है। इसका रंग बाकी एक्सैसरीज से मेल खाता हो तथा यह सही आकार में होना चाहिए अर्थात यह न ज्यादा छोटा हो और न ही ज्यादा बड़ा, क्योंकि दोनों से ही परेशानी हो सकती है। आप दीवार पर टंगने वाला वाशबेसिन भी चुन सकती हैं या फिर यह स्वतंत्र रूप से खड़ा होने वाला हो।

टायलैटरी होल्डर

साबुन ट्रे और टूथब्रश होल्डर बाथरूम में रखी जाने वाली महत्वपूर्ण और उपयोगी चीजें हैं। हालांकि ये चीजें बहुत छोटी और महत्वहीन लगती हैं, लेकिन इनके बिना निश्चित रूप से आपका बाथरूम अधूरा लगेगा। इसके अलावा आज रंगों और पैटर्न की बड़ी रेंज उपलब्ध होने से ये अद्भुत रूप से बाथरूम का केंद्र बिंदु बन सकते हैं। केवल यह सुनिश्चित करें कि ये बाकी की सजावट और रंगों से मेल खाते हों।

छिपाएं सौंदर्य की अनचाही कमियों को...

अवसर चाहे पार्टी का हो या अपनी सगाई और शादी का, सबसे सुंदर दिखना हर लड़की का सपना होता है और आज के माहौल में जहां हर किसी के पास समय का अभाव रहता है वहीं लेजर के माध्यम से कम समय में खूबसूरती पाने का प्रचलन काफी बढ़ गया है। लेजर के द्वारा आप अपने सौंदर्य की अनचाही कमियों को आसानी से छुपा सकती हैं।

ब्राइडल किट में आने वाली सुविधाएं

यह स्किन में बदलाव लाने वाली लेजर उपचार प्रणाली है जिसमें फेस में मौजूद दाग-धब्बों तथा चेहरे पर आई चोट के निशानों को हटाया जाता है। हेयर रिएक्शन बॉडी से अनचाहे बालों को हटाता है।

माइक्रोडर्मा ब्रेसन

यह एक नई तकनीक है जिसे लेजर फेशियल कहा जाता है जो त्वचा को आंतरिक चमक देती है। लेजर पद्धति की इन प्रक्रियाओं में सबसे ज्यादा लेजर फेशियल को पसंद किया जा रहा है।

टूथ व्हाइटनिंग

इस प्रक्रिया द्वारा दांतों की चमक को बढ़ा कर आपकी मुस्कान को सुंदर बनाया जाता है।

डर्मा सिल्क फेशियल

डर्मा सिल्क फेशियल के अंतर्गत डायमंड मोनो आक्साइड क्रिस्टल का प्रयोग किया जाता है जो त्वचा को गोरा तथा चमक प्रदान करता है। साथ ही त्वचा पर उम्र के पडने वाले प्रभावों को रोकता है। एक लेजर फेशियल आपको दस साधारण फेशियलों के बराबर लाभ देता है।

क्रोमोलाइट फेशियल

इस फेशियल के तहत डैड स्किन को हटाया जाता है और नई त्वचा के ऊपर पीली रंग की क्रोमोलाइट के द्वारा स्किन के भीतरी तत्वों का उपचार किया जाता है जो त्वचा को पोषण प्रदान करने वाले भागों को सक्रिय करता है। यह साधारण तौर पर लिए जाने वाले फेशियल से पांच गुणा अधिक लाभ पहुंचाता है।

टायलैट रोल स्टैंड

यह आपको किसी महत्वहीन एक्सैसरी की तरह लग सकता है, लेकिन यकीनन यह सबसे अधिक इस्तेमाल होने वाली चीज है। गीली टॉयलैट सीट या फिर धोने के बाद हाथ पोंछने के लिए टिशू का अभाव किसी को भी पसंद नहीं होता। टॉयलैट रोल होल्डर खरीदते समय ध्यान रखें कि वह कवर वाला हो। ऐसा करने से शॉवर का इस्तेमाल करने पर टिशू रोल गीला नहीं होगा।

डस्टबिन

बेशक यह बाथरूम की सबसे अधिक महत्वपूर्ण चीजों में से एक है। आखिर आप रैपर, बेकार टिशू पेपर, टायलैटरीज जैसे साबुन, टूथपेस्ट आदि के बचे हुए टुकड़े अपने बाथरूम के फर्श पर तो गिराना नहीं चाहेंगे। कूड़े पर मक्खियों और कीड़ों को बैठने से बचाने के लिए कवर वाला कचरे का डिब्बा एक बेहतर विकल्प है। विशेष रूप से पैडल टाइप कवर वाले डिब्बे को खोलने और बंद करने के लिए आपको झुकना नहीं पड़ेगा।

लांड्री बास्केट

यह आवश्यक नहीं है, परंतु बाथरूम में एक अच्छी चीज है। लांड्री बास्केट होने से परिवार के सभी लोग धोने वाले कपड़ों को एक ही जगह रख पाएंगे और इससे हर कमरे में जाकर कपड़े ढूंढने की आपकी परेशानी समाप्त हो जाएगी।

बाथरूम में स्टाइलिश कैबिनेट

आपके बाथरूम में उपलब्ध जगह के अनुसार आप एक दर्पणयुक्त पैनल का विकल्प चुन सकती हैं, ताकि एक अतिरिक्त दर्पण की आवश्यकता समाप्त हो जाए।

ग्लास डोर कैबिनेट

इस कैबिनेट के डोर ग्लास के बने होते हैं जो देखने में शानदार लगता है। आप इसके अंदर सामान रख सकते हैं तथा इसे वाश बेसिन के ऊपर भी इंस्टॉल कर सकते हैं।

वैनिटी कैबिनेट

बाथरूम वैनिटी कैबिनेट कई स्टाइल में बाजार में उपलब्ध हैं। ढेरों ऑप्शन्स में से पसंदीदा डिजाइन चुन कर आप इन्हें बाथरूम के साइज के अनुसार सैट कर सकती हैं। यह आपको सिंगल वाश बेसिन या डबल वाश बेसिन दोनों ही तरह से मिल जाएगा। इसे सीधे फ्लोर पर भी रख सकते हैं। इसमें आपको मिरर लगा मिलेगा और वाश बेसिन भी साथ होगा। नीचे की तरफ काऊंटर बने होंगे जिनमें आप सामान रख सकते हैं, इस तरह हुआ न यह थ्री इन वन।

अल्मीरा कैबिनेट

ये कैबिनेट अलमारीनुमा है जिसे आप ज्यादा स्पेस वाले वाशरूम में रख सकते हैं। इसमें आपको सामान रखने की भरपूर स्पेस मिलेगी।

मिरर कैबिनेट

यदि बाथरूम छोटा हो तो आप मिरर कैबिनेट का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसमें कैबिनेट के दरवाजे में मिरर लगा होता है। यह कैबिनेट कम स्पेस को ध्यान में रखकर इस्तेमाल की जा सकती है।

वाल माऊंटेड कैबिनेट

इसे आप बाथरूम की दीवारों पर सैट कर सकती हैं, जिसमें सामान रखने के लिए कबर्ड तो होता ही है, टॉवल टांगने के लिए भी जगह होती है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

श्राइन बोर्ड जब तक अपना निर्णय नहीं पलटता समिति का आंदोलन निरंतर आगे बढ़ता जाएगा

जम्मू, 5 दिसंबर (हि.स.)। श्राइन बोर्ड अथवा मेडिकल कॉलेज प्रबंधन अपना निर्णय नहीं पलटता समिति का यह आंदोलन निरंतर आगे बढ़ता जाएगा। संघर्ष समिति की कोर कमेटी के सदस्य और श्री सनातन धर्म सभा जम्मू कश्मीर के अध्यक्ष पुरुषोत्तम दधीचि ने अपने संबोधन में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को भी चेतावनी दी कि वह श्री माता वैष्णो देवी श्राइन को दान में जमीन देने जैसी बातें कर अपने को कट्टरपंथी साबित करने की कोशिश न करे।

उन्होंने कहा कि सब को मालूम है कि श्री माता वैष्णो देवी श्राइन का विकास करने में राज्य की सरकारों का कितना योगदान रहा है। दधीचि ने कहा कि समाज अपनी आस्था से खिलबाड किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेगा।

उन्होंने कहा कि समाज संघर्ष के लिए तैयार है और जब तक श्री माता वैष्णो देवी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एक्सिलेंस में एक ही समुदाय के छात्रों को प्रवेश दिए जाने के मसले का समाधान नहीं होता संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि श्राइन बोर्ड द्वारा उसके संस्थानों में गैर हिंदुओं की नियुक्तियों के लिए कौन जिम्मेदार है इसका जवाब भी श्राइन बोर्ड को देना चाहिए।

जानीपुर पुलिस स्टेशन ने चोरी के दो मामले सुलझाए, सोने के आभूषण बरामद

जम्मू, 5 दिसंबर (हि.स.)। जानीपुर पुलिस ने एफआईआर संख्या 172/2025 और एफआईआर संख्या 182/2025 के तहत दर्ज दो चोरी के मामलों को सुलझाते हुए बड़ी मात्रा में चोरी हुए सोने के आभूषण बरामद किए हैं। मानवीय और तकनीकी बुद्धिमत्ता का उपयोग करते हुए पुलिस टीमों ने कड़ी मेहनत के बाद दो मामलों में 16 तोला सोने की चोरी का खुलासा किया। एसडीपीओ सिटी वेस्ट डॉ. सतीश भारद्वाज और एसपी सिटी नॉर्थ विवेक शर्मा की देखरेख में एसएचओ इंस्पेक्टर विक्रम शर्मा के नेतृत्व में जानीपुर पुलिस स्टेशन के सक्रिय दृष्टिकोण के परिणामस्वरूप यह सफलता मिली। पीएसआई रोहित मन्हास, पीएसआई संदीप चरक, एसपीओ अंश और अन्य ने इस उपलब्धि में योगदान दिया। जांच टीमों ने आरोपियों का पता लगाने और चोरी हुए सोने के आभूषणों को बरामद करने के लिए अथक प्रयास किया। पुलिस टीमों के प्रयास रंग लाए और चोरी हुआ सोना बरामद कर लिया गया जिससे पीड़ितों को राहत मिली। जानीपुर पुलिस की समय पर की गई कार्रवाई से प्रभावी पुलिसिंग में जनता का विश्वास बढ़ा है। अपराधों को सुलझाने और अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए पुलिस विभाग की प्रतिबद्धता इस सफलता से स्पष्ट होती है। एसएसपी जम्मू श्री जोगिंदर सिंह जेकेपीएस ने जानीपुर पुलिस टीम के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा, यह सफलता हमारे अधिकारियों और जवानों की कड़ी मेहनत और समर्पण का प्रमाण है।

मुख्य सचिव ने कला केंद्र में शारदा पेंटिंग्स पर 3 दिन की प्रदर्शनी का उद्घाटन किया

जम्मू, 5 दिसंबर (हि.स.)। चीफ सेक्रेटरी अटल डुल्लू ने आज जम्मू के कला केंद्र में जीआर संतोष गैलरी में मशहूर आर्टिस्ट सुभाष सी राजदान की शारदा कैलिग्राफी पेंटिंग्स की तीन दिन की एग्ज़िबिशन का उद्घाटन किया।

उद्घाटन समारोह में प्रिंसिपल सेक्रेटरी कल्चर बृज मोहन शर्मा, पद्मश्री राजिंदर टिक्कू डायरेक्टर आर्काइव्ज़, आर्कियोलॉजी और म्यूज़ियम्स के के सिद्ध, सेक्रेटरी कला केंद्र डॉ. जावेद राही, जाने-माने आर्ट हिस्टोरियन डॉ. ललित गुप्ता, मशहूर आर्टिस्ट गोकल डांबी और मशहूर राइटर पी एन कौल शामिल हुए। यह इवेंट कला केंद्र जम्मू ने आयोजित किया था।

इस मौके पर बोलते हुए चीफ सेक्रेटरी ने कहा कि यह एग्ज़िबिशन यूनिक है क्योंकि यह हज़ार साल पुराने इतिहास वाली पुरानी कश्मीरी स्क्रिप्ट शारदा को हाईलाइट करती है। उन्होंने इस स्क्रिप्ट को फिर से ज़िंदा करने और बचाने की ज़रूरत पर ज़ोर दिया जो कश्मीर की जड़ों और पहचान से एक ज़रूरी कल्चरल लिंक बनाती है। उन्होंने इस बात की तारीफ़ की कि जम्मू और कश्मीर में कला के एक बड़े सेंटर के तौर पर कला केंद्र, विज़ुअल और परफ़ॉर्मिंग आर्ट्स के फ़ील्ड में लोकल कलाकारों को ज़रूरी मदद और सुविधाएँ देता रहता है अटल डुल्लू ने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री द्वारा शुरू की गई गायन भारतम स्कीम, कल्चरल विरासत के बचाव, कंज़र्वेशन और डॉक्यूमेंटेशन में अहम योगदान देगी जिससे आने वाली पीढ़ियों के लिए ज्ञान की कंटिन्यूटी पक्की होगी। चीफ़ सेक्रेटरी ने सुभाष सी राज़दान के काम की तारीफ़ की और लोगों से इस दुर्लभ कला को देखने के लिए एग्ज़िबिशन देखने की अपील की।

पद्धार नागसेनी के लिए प्रतिष्ठित संपर्क परियोजना की आधारशिला रखी

किश्तवाड़, 5 दिसंबर (हि.स.। विपक्ष के नेता सुनील शर्मा ने आज लोअर और अपर ब्रोनान होते हुए केपी गलहार-चिंगनाना सड़क की आधारशिला रखी और इसे पद्धार और नागसेनी के लोगों की लंबे समय से लंबित मांग को पूरा करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया। इस अवसर पर सुनील शर्मा ने कहा कि बेहतर सड़क संपर्क क्षेत्रीय विकास की रीढ़ है और 17 करोड़ रुपये की यह प्रतिष्ठित परियोजना पूरे क्षेत्र में यात्रा को आसान बनाएगी, सुगमता बढ़ाएगी और सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देगी। उन्होंने आगे कहा कि यह परियोजना उन लोगों की सामूहिक इच्छाशक्ति को दर्शाती है जिन्होंने लगातार इस मांग को उठाया है और अंततः इसे मूर्त रूप देते हुए देखा है।

विपक्ष के नेता ने कहा कि केपी गलहार-चिंगनाना सड़क हजारों लोगों के लिए आवागमन में बदलाव लाएगी, दूरदराज के इलाकों को जोड़ेगी और आवश्यक सेवाओं तक तेज़ पहुँच सुनिश्चित करेगी। यह इस बात का एक सशक्त उदाहरण है कि कैसे लोगों की वास्तविक ज़रूरतों को विकास प्राथमिकताओं का मार्गदर्शन करना चाहिए। सुनील शर्मा ने यह सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई कि विकास हर गाँव तक पहुँचे, खासकर उन गाँवों तक जो लंबे समय से उपेक्षित रहे हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सड़क का काम समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पूरा होगा, जिससे क्षेत्र को दीर्घकालिक लाभ होगा।

उपायुक्त ने पीएम सूर्य घर मुफ़्त बिजली योजना के काम की समीक्षा की

कुपवाड़ा,5 दिसंबर (हि.स.)। डिप्टी कमिश्नर कुपवाड़ा श्रीकांत सुसे ने आज पीएम सूर्य घर मुफ़्त बिजली योजना के तहत हुई प्रोग्रेस का रिव्यू करने के लिए संबंधित अधिकारियों की एक मीटिंग बुलाई। मीटिंग के दौरान केपीडीसीएल हंदवाड़ा और कुपवाड़ा के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर्स को रूफटॉप सोलर पैनल लगाने की रफ़्तार बढ़ाने पर खास ध्यान देने का निर्देश दिया गया ताकि ज़्यादा से ज़्यादा घरों को इस स्कीम का फ़ायदा मिल सके जिसका मकसद कंज़्यूमर्स का बिजली बिल कम करना है। इस मौके पर अलग-अलग वेंडर्स ने लोन एप्लीकेशन के डिस्बर्सल में अलग-अलग बैंक ब्रांचों से पेंडेंसी के बारे में चेयर के सामने अपनी समस्याएं उठाईं। उपायुक्त ने लीड डिस्ट्रिक्ट मैनेजर और क्लस्टर हेड को एक हफ़्ते के अंदर सभी पेंडिंग केस को पॉज़िटिव तरीके से निपटाने का निर्देश दिया। उन्होंने केपीडीसीएल को डोर-टू-डोर सर्वे करने का निर्देश दिया ताकि इच्छुक घरों को सुविधा हो सके। वेंडर्स को अगले 10 दिनों में पेंडिंग इंस्टॉलेशन पक्का करने का भी निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने केपीडीसीएल को पेंडिंग इंस्पेक्शन पूरे करने और वेंडर को स्मार्ट मीटरिंग संभालने का भी निर्देश दिया, ताकि स्कीम के लाभार्थियों के लिए स्मार्ट मीटर जल्दी लग सकें। बताया गया कि जिले में इस स्कीम के ज़रिए 1152 सोलर रूफटॉप लगाए गए हैं। मीटिंग में सीपीओ, पीडीडी कुपवाड़ा और हंदवाड़ा के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर, , क्लस्टर हेड जेके बैंक, और रजिस्टर्ड वेंडर शामिल हुए।

लापता महिला 13 साल बाद बरामद

रियासी, 5 दिसंबर (हि.स.)। एक बड़ी सफलता में जिला पुलिस रियासी ने एक महिला का सफलतापूर्वक पता लगा लिया है जो पिछले 13 वर्षों से लापता थी जिससे लंबे समय से लंबित मामले का पटाक्षेप हो गया। सुषमा देवी पुत्री रतन सिंह निवासी पुराना दरूर, ए/पी शिवा गहलोत, डोडा की गुमशुदगी की रिपोर्ट डीडीआर संख्या 07 दिनांक 01.06.2012 के तहत पुलिस पोस्ट बाण गंगा में दर्ज की गई थी। लगातार प्रयासों और अनुवर्ती कार्रवाई के बाद लापता महिला का पता लगा लिया गया है। उनकी बरामदगी और सभी कानूनी औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद, सुषमा देवी को उनके परिवार के साथ सुरक्षित रूप से मिला दिया गया और उनकी मां को सौंप दिया गया।

पुलिस ने अपराधी को पकड़ा और उससे धारदार हथियार बरामद किया

जम्मू,5दिसंबर। पुलिस ने डोमाना में एक अपराधी को पकड़ा और आपराधिक गतिविधियों पर लगातार कार्रवाई करते हुए जम्मू पुलिस ने रात को डोमाना इलाके में गश्त के दौरान एक वाहन जेके02डीएफ-2625 को रोका। जाँच के दौरान पुलिस ने बलराम सिंह जामवाल उर्फ कपिल पुत्र बलबीर सिंह निवासी गलवड़े चक गजनसू के रूप में पहचाने गए व्यक्ति से एक धारदार हथियार बरामद किया। इस संबंध में डोमाना पुलिस स्टेशन में प्राथमिकी संख्या 254/2025 धारा 4/25 शस्त्र अधिनियम के तहत दर्ज की गई। दोमाना के थाना प्रभारी इंस्पेक्टर वरुणेश्वर के नेतृत्व में एक पुलिस दल ने आरोपी को मौके पर ही सफलतापूर्वक गिरफ्तार कर लिया। अन्य आपराधिक गतिविधियों में उसकी संभावित संलिप्तता का पता लगाने तथा उसके सहयोगियों की पहचान करने के लिए आगे की जांच जारी है

पुलिस ने लापता महिला का पता लगाया

डोडा, 5 दिसंबर (हि.स.)। डोडा पुलिस ने एक लापता महिला का सफलतापूर्वक पता लगा लिया है और उसे उसके परिवार से सुरक्षित मिला दिया है। 25.07.2025 को एक महिला रीमा देवी पुत्री अशोक कुमार निवासी बुलानपुर, तहसील अस्सर अपने घर से लापता हो गई और गुमशुदगी की रिपोर्ट डीडीआर संख्या 14 दिनांक 25-07-2025 के माध्यम से पुलिस स्टेशन अस्सर में दर्ज की गई थी।डोडा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए लापता महिला का पता लगाने के लिए सभी संभावित तकनीकी और मानव संसाधनों का उपयोग किया। निरंतर और समर्पित प्रयासों के बाद उसे ढूंढ लिया गया और सभी आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी होने पर बरामद महिला को डीडीआर संख्या 20 दिनांक 04-12-2025 के माध्यम से उसके माता-पिता, अशोक कुमार पुत्र सनत राम और पुष्पा देवी, निवासी बुलानपुर को सौंप दिया गया। तदनुसार गुमशुदगी की रिपोर्ट बंद कर दी गई है। डोडा पुलिस लापता व्यक्तियों का तुरंत पता लगाने और उनके परिवारों के साथ उनका सुरक्षित पुनर्मिलन सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है।

पारा ने उपराज्यपाल सिन्हा से उम्मीदवारों के लिए ऊपरी आयु सीमा बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी देने का आग्रह किया

श्रीनगर, 5 दिसंबर हि.स.। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी ने शुक्रवार को उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से जम्मू और कश्मीर सरकार के उस प्रस्ताव को मंजूरी देने का आग्रह किया जिसमें संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा के लिए ऊपरी आयु सीमा बढ़ाने की मांग की गई है।

पीडीपी विधायक वहीद-उर-रहमान पारा ने कहा कि 7 दिसंबर को होने वाली परीक्षा से पहले अनुकूल मंजूरी उन युवा उम्मीदवारों के प्रति करुणा, निष्पक्षता और संवेदनशीलता को दर्शाएगी जिन्होंने कई झटके झेले हैं।

10 नवंबर को जम्मू और कश्मीर सरकार ने केंद्र शासित प्रदेश की संयुक्त प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले ओपन मेरिट उम्मीदवारों के लिए ऊपरी आयु सीमा को 35 वर्ष कर दिया था। पहले आयु सीमा 30 थी।

आरक्षित श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए ऊपरी आयु सीमा 37 वर्ष निर्धारित की गई है जबकि शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों के लिए यह 38 वर्ष है।

मैं जम्मू और कश्मीर के अनगिनत युवाओं की ओर से आपको लिख रहा हूं जो लंबे समय से जम्मू और कश्मीर संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा 2025 की तैयारी कर रहे हैं जो अब से सिर्फ दो दिन बाद है।यह समझा जाता है कि जम्मू और कश्मीर सरकार ने उन उम्मीदवारों के लिए आयु में छूट की मांग करते हुए एक औपचारिक प्रस्ताव भेजा है जिन्होंने पूरी तरह से अपने नियंत्रण से बाहर की परिस्थितियों के कारण तैयारी के कीमती साल खो दिए हैं।

जम्मू-कश्मीर सरकार के मंत्रियों ने बार-बार कहा है कि यह प्रस्ताव सभी प्रक्रियात्मक पहलुओं में पूरा है और अब इसे केवल आपके विचार और अनुमोदन की प्रतीक्षा है। यह बातें पारा ने उपराज्यपाल सिन्हा को लिखे पत्र में कहीं। उन्होंने कहा कि चूंकि लेफ्टिनेंट गवर्नर की तरफ से कोई आखिरी फैसला नहीं बताया गया है इसलिए इस लंबी चुप्पी से उन उम्मीदवारों में अनिश्चितता और बहुत ज्यादा परेशानी पैदा हो गई है जो एक फेयर चांस की उम्मीद लगाए बैठे हैं।

पीडीपी नेता ने कहा कि इस सही और बड़े पैमाने पर सपोर्टेड रिक्वेस्ट में और देरी या इसे मना करने से ऐसे समय में उनके मन में भेदभाव की भावना और बढ़ जाएगी जब संस्थानों में लोगों का भरोसा बहाल करना बहुत ज़रूरी है। समय पर और पॉजिटिव फैसला न केवल एक एडमिनिस्ट्रेटिव मामला सुलझाएगा बल्कि हमारे युवाओं के लिए इसका बहुत बड़ा सिंबॉलिक महत्व भी होगा।

उन्होंने कहा कि परीक्षा से पहले एक पॉजिटिव मंजूरी उन युवा उम्मीदवारों के प्रति दया निष्पक्षता और संवेदनशीलता दिखाएगी जिन्होंने कई मुश्किलों का सामना किया है।

उन्होंने कहा कि यह इस बात की पुष्टि करेगा कि उनकी आवाज़ मायने रखती है और जिस सिस्टम में वे सेवा करना चाहते हैं वह सच में उनके साथ खड़ा है। उन्होंने एलजी ऑफिस से पेंडिंग प्रपोज़ल को तुरंत मंजूरी देने का अनुरोध किया ताकि हजारों उम्मीदवार आत्मविश्वास के साथ और अनिश्चितता या अन्याय के बोझ के बिना परीक्षा में शामिल हो सकें।

हत्या के प्रयास मामले में वांछित 01 अभियुक्त को पुलिस थाने की पुलिस टीम ने किया गिरफ्तार

लखनपुर, 5 दिसंबर (हि.स.)। अपराधियों के विरुद्ध अपने अभियान के क्रम में जिला पुलिस कठुआ ने लखनपुर थाने में दर्ज हत्या के प्रयास मामले में वांछित एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया। जिसके खिलाफ प्राथमिकी संख्या 55/2024, भारतीय दंड संहिता की धारा 307 के अंतर्गत दर्ज है।

04/12/2025 को थाना लखनपुर की एक पुलिस टीम ने थाना प्रभारी लखनपुर इंस्पेक्टर तारिक अहमद के नेतृत्व में थाना निरीक्षक यूसुफ की सहायता से आरोपी अख्तर हुसैन पुत्र मोहम्मद दीन निवासी बिब्रोट तहसील राजगढ़ जिला रामबन को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की जो थाना लखनपुर में दर्ज एफआईआर संख्या 55/2024 यू/एस 307/आईपीसी के मामले में 2024 से गिरफ्तारी से बच रहा था। उक्त आरोपी अपराध करने के काफी समय बाद से गिरफ्तारी से बच रहा था। कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद उसे माननीय न्यायालय में पेश किया गया।

मुख्यमंत्री उमर ने अपने स्वर्गीय दादा और पूर्व मुख्यमंत्री शेख मोहम्मद अब्दुल्ला को उनकी 120वीं जयंती पर दी श्रद्धांजलि

श्रीनगर, 05 दिसंबर (हि.स.)। जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने अपने स्वर्गीय दादा और जम्मू-कश्मीर राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री शेख मोहम्मद अब्दुल्ला को उनकी 120वीं जयंती पर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में शेर-ए-कश्मीर के नाम से मशहूर पूर्व मुख्यमंत्री बेजुबानों की आवाज़ थे और जम्मू-कश्मीर की पूरी पीढ़ी के लिए उम्मीद थे। उन्होंने कहा कि शेर-ए-कश्मीर की विरासत जम्मू-कश्मीर के लोगों की तरक्की और गर्व में ज़िंदा है।

नेकां नेताओं ने शेख मोहम्मद अब्दुल्ला की 120वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की

श्रीनगर, 5 दिसंबर (हि.स.)। नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) नेतृत्व ने शुक्रवार को पार्टी के संस्थापक शेख मोहम्मद अब्दुल्ला की 120वीं जयंती मनाई और उनकी समाधि पर प्रार्थना और पुष्पांजलि अर्पित की। एनसी अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला, उपाध्यक्ष और जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, सीएम के सलाहकार नासिर असलम वानी (सोगामी), वरिष्ठ नेता अब्दुल रहीम राथर और कई विधायकों और पार्टी पदाधिकारियों ने हजरतबल के नसीम बाग में कायद मजार का दौरा किया जहां उन्होंने फातेहा खवानी की इस अवसर पर बोलते हुए, डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि यह दिन जम्मू-कश्मीर के लोगों के अधिकारों, सम्मान और सशक्तिकरण के लिए शेख अब्दुल्ला के आजीवन संघर्ष की याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि शेर-ए-कश्मीर की नीतियां और दृष्टिकोण पीढ़ियों को प्रेरित करते रहेंगे।

छुट्टियों में कोई परीक्षा न करवाने, एकेडमिक कैलेंडर फॉलो करने का दिया निर्देश

श्रीनगर, 5 दिसंबर (हि.स.)। उच्च शिक्षा विभाग ने जम्मू-कश्मीर की सभी यूनिवर्सिटी और ऑटोनॉमस कॉलेजों को नए निर्देश जारी किए हैं। इनमें उन्हें यूनिफॉर्म एकेडमिक कैलेंडर का सख्ती से पालन करने और नोटिफाइड छुट्टियों के समय में कोई भी परीक्षा न कराने का निर्देश दिया गया है।

जम्मू-कश्मीर हायर एजुकेशन डिपार्टमेंट के कॉलेज डायरेक्टर डॉ. शेख एजाज बशीर की तरफ से जारी एक बयान के मुताबिक कश्मीर यूनिवर्सिटी, जम्मू यूनिवर्सिटी, श्रीनगर और जम्मू की क्लस्टर यूनिवर्सिटी और ऑटोनॉमस कॉलेजों समेत सभी एकेडमिक संस्थानों को मई 2022 में नोटिफाइड यूनिफॉर्म एकेडमिक कैलेंडर में दी गई गाइडलाइंस का पालन करने की याद दिलाई गई है। विभाग ने बताया कि छुट्टियों का मकसद स्टूडेंट्स और स्टाफ को कड़ाके की सर्दी, कोहरे या तेज गर्मी के दौरान ज़रूरी राहत देना है और इंटर्नशिप, इंडस्ट्रियल विजिट और दूसरी एकेडमिक एनरिचमेंट एक्टिविटीज़ के लिए भी समय देना है। बयान में कहा गया है कि छुट्टियों के दौरान टर्म-एंड, सप्लीमेंट्री या स्पेशल परीक्षाएं कराने से उनका मकसद खत्म हो जाता है और स्टूडेंट्स और फैकल्टी की भलाई पर बुरा असर पड़ता है। पहले की जानकारी के अनुसार संस्थानों को निर्देश दिया जाता है कि वे बताई गई छुट्टियों के दौरान किसी भी तरह की परीक्षा न करें। परीक्षा से जुड़ी सभी गतिविधियों में लागू यूनिफ़ॉर्म एकेडमिक कैलेंडर का सख्ती से पालन करना होगा। उच्च शिक्षा विभाग ने निर्देशों का पालन पक्का करने के लिए सभी संस्थानों से पूरा सहयोग मांगा है।

राणा सहित अन्यों ने शेर-ए-कश्मीर के जन्मदिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित की

श्रीनगर, 05 दिसंबर (हि.स.)। कैबिनेट मंत्री जावेद अहमद राणा ने शुक्रवार को शेर-ए-कश्मीर शेख मुहम्मद अब्दुल्ला को उनकी 120वीं जयंती के अवसर पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर राणा ने जेकेएनसी अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला, विधानसभा अध्यक्ष ए.आर. राठौर, सांसद रमजान चैधरी, मंत्री जावेद अहमद डार और विधायकों के साथ शेख अब्दुल्ला को श्रद्धांजलि अर्पित की। अपने संदेश में मंत्री ने शेख अब्दुल्ला को एक प्रखर राजनेता और परिवर्तनकारी नेता बताया जिनके योगदान ने जम्मू-कश्मीर के सामाजिक और राजनीतिक ताने-बाने पर अमिट छाप छोड़ी है। शेख अब्दुल्ला के दूरगामी सुधारों पर प्रकाश डालते हुए मंत्री ने कहा कि उनके नेतृत्व में शुरू किए गए क्रांतिकारी भूमि सुधारों ने क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक ढांचे को मौलिक रूप से बदल दिया। इन सुधारों ने सदियों पुरानी सामंती व्यवस्था को ध्वस्त कर दिया तथा हाशिये पर पड़े और वंचित समुदायों के बड़े हिस्से को सशक्त बनाया, जो लंबे समय से समाज के हाशिये पर रह रहे थे। राणा ने इस बात पर जोर दिया कि इन उपायों ने न केवल आर्थिक समानता को बढ़ावा दिया, बल्कि आम लोगों के लिए अधिक सम्मान, भागीदारी और अवसर का मार्ग भी प्रशस्त किया। उन्होंने आगे कहा कि न्याय, समानता और लोकतांत्रिक सशक्तिकरण के सिद्धांतों के प्रति शेख अब्दुल्ला की अटूट प्रतिबद्धता पीढ़ियों तक गूंजती रहेगी।

मिशन युवा के लिए जिला स्तरीय कार्यान्वयन समिति ने मिशन युवा के तहत 296 आवेदनों को मंजूरी दी

कुपवाड़ा, 5 दिसंबर (हि.स.)। मिशन युवा के लिए डिस्ट्रिक्ट लेवल इम्प्लीमेंटेशन कमिटी की आज कुपवाड़ा के डिप्टी कमिश्नर श्रीकांत सुसे ने अध्यक्षता की और सेल्फ-एम्प्लॉयमेंट जेनरेटिंग यूनिट्स शुरू करने के लिए 296 एप्लीकेशन को मंजूरी दी।

इस पहल का मकसद युवा एंटरप्रेन्योर्स को उनके बिज़नेस शुरू करने और उन्हें बनाए रखने के लिए फाइनेंशियल मदद और कैपेसिटी-बिल्डिंग सपोर्ट देकर उन्हें मज़बूत बनाना है, जिससे इकोनॉमिक ग्रोथ और रोज़गार के मौके बढ़ेंगे।

मीटिंग के दौरान, कमिटी ने युवा उम्मीदवारों द्वारा जमा किए गए एप्लीकेशन का पूरी तरह से रिव्यू और स्क्रूटनी की। डिटेल में चर्चा के बाद, कमिटी ने फाइनेंशियल मदद और मेंटरशिप के लिए 296 एलिजिबल केस को मंजूरी दी, जिससे इन नए एंटरप्रेन्योर्स के लिए अपने बिज़नेस आइडिया को हकीकत में बदलने का रास्ता साफ हो गया।

डिप्टी कमिश्नर ने लोकल युवाओं की क्षमता को अनलॉक करने और उन्हें सस्टेनेबल आजीविका बनाने में काबिल बनाने में मिशन युवा की अहम भूमिका पर ज़ोर दिया। उन्होंने संबंधित डिपार्टमेंट को उद्यम जागृति 4.0 के तहत ज़्यादा योग्य युवाओं और स्वयं सहायता को समूह को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता कैंपेन और आउटरीच प्रोग्राम तेज़ करने का निर्देश दिया।

डिप्टी कमिश्नर ने मंजूर केस के डिस्बर्समेंट और मंजूरी देने में बैंक ब्रांचों के परफॉर्मेंस का भी रिव्यू किया और प्रोसेस में तेज़ी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने संबंधित डिपार्टमेंट को मिशन युवा के दायरे में लोकल बेरोज़गार युवाओं को कवर करने के लिए हर हफ़्ते फ़ील्ड लेवल पर जागरूकता कम एनरोलमेंट ड्राइव और लोन डिस्बर्सल के लिए मिशन युवा मेले आयोजित करने का भी निर्देश दिया।

G20 भारत 2023 INDIA सत्यमेव जयते

Union Territory of Jammu and Kashmir
OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER PMGSY CIRCLE JAMMU
TIGER DIVISION, BURMA DWAR COMPLEX, OPP. MILITARY HOSPITAL, SATWARI, JAMMU CANTT. (J&K)

Sh. Ashok Kumar,
S/o Sh. Bindraban,
R/o Kalakote, DistrictRajouri
Mobile No. 7006768720

No:- SE/PMGSY/J/5290-94
Date:- 04/12/2025

Sub: - Construction and Maintenance of road from L029 Auto Stand Kheri to Masjid Potha East, Package No. JK12-4034, PMGSY-IV, Batch-II, 2025-26, Block Seri, District Rajouri (Using Waste Plastic) Length 4.00 Kms).

Ref:- This office Letter of Acceptance No. SE/PMGSY/J/5003-10 Dated 27-11-2025

It is to inform you that a Letter of Acceptance (LOA) was issued to you vide this office letter cited above on 27.11.2025 for the aforesaid work. However, it has been observed that you have not yet submitted the required Performance Security and other requisite documents, due to which the issuance of the allotment order is being delayed.

You are hereby given a final opportunity to submit all requisite Performance Securities and documents by 08.12.2025 from the date of issue of this letter..

Failure to comply within the stipulated period shall invite action under the relevant clauses of the SBD and your Letter of Acceptance shall be liable for cancellation, your Earnest Money Deposit (EMD) shall be forfeited and the tender may be floated afresh without any further notice.

DIP/J-8707/25
Dtd: 5-12-2025

Sd/-
(Er. Abhishek Gupta),
Superintending Engineer,
PMGSYCircle,
Jammu

संपादकीय

बढ़ता अपराध का ग्राफ, पुलिस को भी जागरूक होना होगा

जम्मू क्षेत्र में लगातार बढ़ते अपराधों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए खाकी वर्दीधारियों के लिए अब कमर कसना बेहद आवश्यक हो गया है, क्योंकि यह समस्या अब नियंत्रण से बाहर होती जा रही है। पुलिस के लिए सबसे महत्वपूर्ण यह है कि अपराध होने के बाद जांच करने के बजाय अपराध को होने से पहले रोकना प्राथमिकता बने।

यह बात किसी से छिपी नहीं कि जम्मू-कश्मीर पुलिस ने अब तक अपराध नियंत्रण में सराहनीय कार्य किया है, लेकिन पिछले एक दशक में जम्मू शहर के विस्तार और जनसंख्या वृद्धि ने अपराध पर अंकुश लगाना और चुनौतीपूर्ण बना दिया है। हाल के वर्षों में जम्मू क्षेत्र में वे अपराध देखने को मिल रहे हैं जो पहले केवल देश के बड़े महानगरों में होते थे।

हाल ही में शहर के बाहरी इलाके में एक व्यक्ति को जिंदा जलाकर हत्या करने की घटना सामने आई। इसके अलावा गोलीबारी और पुलिसकर्मियों पर हमले जैसी घटनाएँ भी आम हो गई थीं। इन परिस्थितियों ने पुलिस के लिए आवश्यक बना दिया है कि वह हर समय कठिन चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहे। आतंकवाद की बात करें तो पुलिस ने जम्मू-कश्मीर में militancy को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और इसके लिए वह प्रशंसा की पात्र है। लेकिन अब प्राथमिक लक्ष्य जम्मू क्षेत्र में बढ़ते अपराधों को प्रभावी ढंग से रोकना है, जहाँ हाल के समय में अपराध का ग्राफ तेजी से ऊपर गया है।

समय बदल गया है। जेबतराशी, सिनेमा टिकटों की काली बाजारी और छोटे-मोटे चोरी जैसे पारंपरिक अपराध अब लगभग समाप्त हो चुके हैं। आज अपराध का स्वरूप बदल चुका है और नशीले पदार्थों की तस्करी, साइबर धोखाधड़ी, संगठित गैंग, अंतर्राज्यीय अपराधी, दिन-दहाड़े लूट, वाहन चोरी, चेन व पर्स छीनने जैसी घटनाएँ अधिक आम हो गई हैं।

इसलिए पुलिस विभाग के कामकाज में सुधार करना अब अनिवार्य हो गया है। केवल सक्रिय उपायों और आधुनिक पुलिसिंग तकनीकों के माध्यम से ही जम्मू-कश्मीर पुलिस अपराधियों से आगे रह सकती है और आम जनता में सुरक्षा का भाव उत्पन्न कर सकती है।

इसी संदर्भ में जम्मू के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जोगिंदर सिंह ने अपराध तथा सुरक्षा की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की, जिसमें जिलेभर की अपराध स्थिति और सुरक्षा तैयारियों का व्यापक मूल्यांकन किया गया। स्स्क्र ने सभी इकाइयों को ड्रग तस्करों, संगठित नेटवर्कों और गैंगस्टरों की पहचान कर उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। पुलिस की यह पहल समयानुकूल है और ऐसी बैठकों का नियमित आयोजन आवश्यक है ताकि अपराधों से प्रभावी और सतर्कता के साथ निपटा जा सके। कुल मिलाकर, वर्तमान समय की आवश्यकता है

श्रमिक अधिकारों के लिए संघर्ष से लेकर राष्ट्र निर्माण हेतु अभूतपूर्व योगदान करने वाले बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर

– अर्जुन राम मेघवाल

आज, हम एक विराट व्यक्तित्व के स्वामी और आधुनिक मानव समाज की दिशा निर्धारित करने वाले प्रगतिशील उपायों के पुरोधा बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर का 70वां महापरिनिर्वाण दिवस मना रहे हैं। एक विधिवेत्ता, अर्थशास्त्री, दार्शनिक, समाज सुधारक और इन सबसे अधिक एक राष्ट्र-निर्माता के रूप में उनके अथक प्रयासों ने आधुनिक भारत की नींव रखी। उन्होंने केवल भारत के संविधान का मसौदा ही तैयार नहीं किया बल्कि एक ऐसे समावेशी और सशक्त राष्ट्र का खाका भी प्रस्तुत किया जहां प्रत्येक नागरिक की गरिमा की रक्षा हो और सभी को समान अवसर प्राप्त हो सके। इन मूलभूत मूल्यों से प्रेरित होकर मोदी सरकार ने जन कल्याण और सुशासन को बढ़ावा देने वाली कई पहलें की हैं। 27 नवंबर, 2025 को पेरिस स्थित यूनेस्को मुख्यालय में भारत के संविधान की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर संपूर्ण विश्व डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर की आवक्ष प्रतिमा के अनावरण का साक्षी बना। विश्व के गणमान्य व्यक्तियों के समक्ष यह प्रतिमा न केवल भारत के एक नेता के प्रति श्रद्धांजलि के रूप में बल्कि न्याय के एक सार्वभौमिक प्रतीक के रूप में खड़ी है। पट्टिका पर ;भारत के संविधान का शिल्पकार; लिखा है, फिर भी ये शब्द उस व्यक्ति की विरासत का पूरी तरह से उल्लेख नहीं कर सकते, जिसने न केवल भारत के संविधान का मसौदा तैयार किया, बल्कि एक पूरे राष्ट्र को समग्रतः आकार देने में मदद की। अपने पूरे जीवनकाल में, बाबा साहेब डॉ. अंबेडकर ने श्रमिकों के अधिकार और उनके कल्याण की वकालत करते हुए न्याय के लिए संघर्ष किया। गोलमेज सम्मेलनमें दलित वर्गों के प्रतिनिधि के रूप में उन्होंने जीवन निर्वाह मजदूरी, काम करने की उचित स्थिति, दमनकारी जमींदारों से किसानों की मुक्ति और दबे-कुचले लोगों को प्रभावित करने वाली सामाजिक बुराइयों के उन्मूलन की पुरजोर वकालत की। उन्होंने व्यक्तिगत रूप से श्रमिकों और दलितों की पीड़ा को देखा था। बंबई में, वह बंबई डेवलपमेंट डिपार्टमेंट की एक कमरे वाली चॉल में मिल मजदूरों के साथ 10 साल से अधिक समय तक रहे, जहाँ कोई आधुनिक सुविधाएँ नहीं थीं और प्रत्येक मंजिल पर सभी उद्देश्यों के लिए केवल एक शौचालय और एक नल था। इन परिस्थितियों ने उन्हें श्रमिकों के जीवन को काफी नजदीक से समझने का अवसर दिया। उन्होंने आम जनता को एकजुट किया और 1936 में भूमिहीन लोगों, गरीब काश्तकारों, कृषकों और श्रमिकों के कल्याण हेतु एक व्यापक कार्यक्रम के साथ इंडिपेंडेंट लेबर पार्टी की स्थापना की। 17 सितंबर, 1937 को बंबई विधानसभा के पुणे सत्र के दौरान, उन्होंने कोंकण में ; भूमि कार्यकाल प्रणाली को समाप्त करने के लिए एक विधेयक पेश किया। 1938 में, उन्होंने बंबई में काउंसिल हॉल तक किसानों के मार्च का नेतृत्व किया और किसानों, श्रमिकों और भूमिहीनों के लोकप्रिय नेता बन गए। वह कृषि काश्तकारों की दासता (बंधुआ मजदूरी) को समाप्त करने के लिए विधेयक पेश करने वाले पहले भारतीय विधायक थे। उन्होंने औद्योगिक विवाद विधेयक , 1937 का भी कड़ा विरोध किया क्योंकि इसमें श्रमिकों के हड़ताल करने के अधिकार में कटौती की गई थी। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अनिश्चित वैश्विक व्यवस्था के दौर में डॉ. अंबेडकर ने वायसराय की कार्यकारी परिषद के श्रम सदस्य के रूप में भारत में मजदूरों के कल्याण का मार्ग प्रशस्त किया। विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद अर्थव्यवस्था में सुधार होने और उद्योगों का विस्तार होने पर उद्यमियों को समृद्धि के अवसर मिले, लेकिन श्रमिकों को उनका उचित हिस्सा नहीं दिया गया। उस समय डॉ. अंबेडकर ने श्रमिकों के कल्याण के लिए महत्वपूर्ण उपाय पेश किए, जिससे सरकार की श्रम नीति की नींव पड़ी। उन्होंने श्रमिकों से जुड़े जटिल मुद्दों का बहुत दक्षता के साथ समाधान निकाला जिससे उन्हें कर्मचारियों व नियोक्ताओं दोनों से सम्मान प्राप्त हुआ। वर्ष 1943 में बंबई से आकाशवाणी से किए गए अपने संबोधन में डॉ. अंबेडकर ने श्रमिकों के लिए स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व पर आधारित जीवन की उचित स्थिति सुरक्षित करने का आग्रह किया। उनके प्रयासों से श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाने में मदद मिली। उन्होंने प्रमुख श्रम कानूनों के माध्यम से श्रमिकों के कल्याण हेतु अहम योगदान किया जिसमें युद्ध चोट (मुआवजा बीमा) विधेयक, असुरक्षित निरीक्षणों के कारण मिलों में होने वाली मृत्यु पर रोक लगाने से संबंधित बॉयलर (संशोधन) विधेयक 1943, भारतीय खान और ट्रेड यूनियन संशोधन विधेयक, खनिक मातृत्व लाभ संशोधन विधेयक, कोयला खान सुरक्षा (स्टोविंग) संशोधन विधेयक और कामगार मुआवजा संशोधन विधेयक शामिल हैं।

9 दिसंबर 1943 को, डॉ. बी.आर. अंबेडकर ने धनबाद कोयला खदानों का दौरा किया और खदानों के संचालन व श्रम स्थितियों का निरीक्षण करने के लिए जमीन से 400 फीट नीचे गए। इसके परिणामस्वरूप जनवरी 1944 का कोयला खान श्रम कल्याण अध्यादेश आया, जिससे श्रमिकों के कल्याण के लिए एक कोष बनाया गया। उन्होंने कोयले की खानों से निकाले गए कोयले पर कर को दोगुना करके इस कोष को मजबूत किया, जिससे खनिकों के लिए बेहतर स्वास्थ्य और सुरक्षा उपाय सुनिश्चित हुए। 8 नवंबर 1943 को, उन्होंने भारतीय ट्रेड यूनियन (संशोधन) विधेयक भी पेश किया, जिसमें नियोक्ताओं के लिए ट्रेड यूनियनों को मान्यता देना अनिवार्य कर दिया गया। 8 फरवरी 1944 को कोयला खदानों में महिलाओं के जमीन के भीतर काम पर से प्रतिबंध हटाने के विषय पर विधानसभा में बहस के दौरान डॉ. बी.आर. अंबेडकर ने कहा, मुझे लगता है कि यह पहली बार है कि किसी भी उद्योग में लैंगिक आधार पर भेदभाव के बिना समान काम के लिए समान वेतन का सिद्धांत स्थापित किया गया है। यह देश के लिए एक ऐतिहासिक क्षण था। माइन्स मैटरनिटी बेनिफिट (संशोधन) बिल 1943 के माध्यम से उन्होंने मातृत्व लाभ को मजबूत किया और उन्हें अनुपस्थिति के कारण आर्थिक दंड से बचाने का प्रावधान किया। वर्ष 1945 में उन्होंने अधिनियम में और संशोधन किए ताकि महिलाओं को प्रसव से दस सप्ताह पहले जमीन के भीतर कार्य करने से बचाया सके और उनके लिए प्रसव से दस सप्ताह पहले और चार सप्ताह बाद कुल मिलाकर चौदह सप्ताह का मातृत्व अवकाश सुनिश्चित किया जा सके। 26 नवंबर 1945 को नई दिल्ली में भारतीय श्रमिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए, उन्होंने श्रमिकों के प्रति सरकार के दायित्वों की समीक्षा की और श्रमिकों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर के श्रम कानूनों की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया। प्रगतिशील श्रम कल्याण कानून की आवश्यकता पर बल देते हुए, उन्होंने कहा; कोई यह कह सकता है कि अंग्रेजों को श्रम कानून की एक उचित संहिता बनाने में 100 साल लग गए, किंतु यह कोई तर्क नहीं है कि हमें भी भारत में 100 साल लगने चाहिए। इतिहास का अध्ययन केवल इस दृष्टि से नहीं किया जाना चाहिए कि दूसरे देशों की गलतियों की नकल कितनी अच्छी तरह की जाए। हम इतिहास का अध्ययन इसलिए करते हैं ताकि यह जान सकें कि लोगों ने क्या गलतियां की है और उनसे कैसे बचा जा सकता है। इतिहास हमेशा एक उदाहरण नहीं होता। अक्सर यह एक चेतावनी होता है।अगले दिन उसी सम्मेलन में, उन्होंने कारखानों में काम के घंटे घटाकर 48 घंटे प्रति सप्ताह करने, वैधानिक औद्योगिक कैंटीन शुरू करने और कामगार मुआवजा अधिनियम, 1934 में संशोधन करने के लिए कानून प्रस्तावित किया। उन्होंने न्यूनतम मजदूरी और भारतीय ट्रेड यूनियन अधिनियम, 1926 में संशोधन के लिए कानूनों का मसौदा तैयार करने की योजना भी घोषित की। 21 फरवरी 1946 को, डॉ. बी.आर. अंबेडकर ने साप्ताहिक काम के घंटों को घटाकर 48 करने, ओवरटाइम दरों को तय करने और सवैतनिक अवकाश प्रदान करने के लिए कारखाना (संशोधन) विधेयक पेश किया। प्रवर समिति द्वारा समीक्षा के बाद, अंबेडकर द्वारा समर्थित यह ऐतिहासिक कानून 4 अप्रैल 1946 को पारित किया गया था। अभ्रक खनन उद्योग में कल्याणकारी गतिविधियों के लिए एक कोष बनाने के लिए उनके द्वारा पेश किया गया अभ्रक खान श्रम कल्याण कोष विधेयक , 15 अप्रैल 1946 को पारित किया गया था। इसने बाल और महिला मजदूरों के लिए सुविधाओं और काम करने की स्थितियों में सुधार किया, जिसमें काम के घंटे और मजदूरी के मुद्दे शामिल थे। डॉ. अंबेडकर ने 11 अप्रैल 1946 को न्यूनतम वेतन विधेयक भी पेश किया, जिसमें समान नियोक्ता-श्रम प्रतिनिधित्व वाली सलाहकार समितियों और बोर्डों का प्रस्ताव था। बाद में 9 फरवरी 1948 को इसे कानून का रूप दिया गया। डॉ. अंबेडकर ने कम्युनिस्टों के नेतृत्व वाले श्रमिक आंदोलन का विरोध किया, उन्होंने उत्पादन के सभी साधनों को नियंत्रित करने के मार्क्स के सर्वसत्तावादी दृष्टिकोण को खारिज कर दिया। वह मार्क्स के इस विचार से असहमत थे कि निजी संपत्ति को खत्म करने से गरीबी और पीड़ा समाप्त हो जाएगी। अपने निबंध बुद्ध या कार्ल मार्क्स; में, वह लिखते हैं:— संविधान का मसौदा तैयार करते समय, डॉ. अंबेडकर ने एकसमान कानून और अंतरराष्ट्रीय मानकों के साथ संरेखण सुनिश्चित करने के लिए श्रम को समवर्ती सूची में रखा। उनकी दूरदर्शिता ने संविधान में बंधुआ मजदूरी को अवैध घोषित करके उसे समाप्त कर दिया। हमारे दूरदर्शी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा दिए गए मंत्र से प्रेरित होकर तथा डॉ. अंबेडकर के मूल्यों का अनुसरण करते हुए हमारी सरकार ने चार व्यापक श्रम संहिताओं —मजदूरी, औद्योगिक संबंध, सामाजिक सुरक्षा और कल्याण, और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और काम करने की स्थिति—को लागू किया है। इन सुधारों का उद्देश्य सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करना, श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करना, उत्पादकता को बढ़ावा देना, फरवरी 2019 में शुरू की गई प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना, असंगठित श्रमिकों के लिए वृद्धावस्था सुरक्षा प्रदान करती है, तथा मातृत्व संशोधन अधिनियम, 2017 द्वारा मातृत्व अवकाश को 12 से बढ़ाकर 26 सप्ताह किया गया है और क्रेच सुविधाओं को अनिवार्य बनाया गया है। मेव जयते; की स्थायी भावना से निर्देशित होकर हम राष्ट्र निर्माण में श्रमिकों के अनगिनत योगदान को सम्मानित करते हैं। परम पूज्य बाबासाहेब डॉ. अंबेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस हमें इस महान राष्ट्र-निर्माता के दृष्टिकोण और कार्यों पर विचार करने का एक उपयुक्त अवसर प्रदान करता है। उनके आदर्श हमें राष्ट्र की विकास यात्रा को तीव्रतर बनाने तथा वर्ष 2047 तक विकसित भारत; के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सदैव प्रेरित करते रहेंगे।

लेखक केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और संसदीय कार्य मंत्री, भारत सरकार

एंटीबायोटिक्स का मकड़जाल, सुपरबग्स का बढ़ता खतरा

–प्रदीप श्रीवास्तव

किसी भी बीमारी के लिए एंटीबायोटिक्स यानी रोग प्रतिरोधी दवाएँ बहुत कारगर मानी जाती हैं। यही वजह है कि बाज़ार में सबसे ज़्यादा एंटीबायोटिक दवाएँ बिकती हैं। हालाँकि, इनके अंधाधुंध प्रयोग से हमारे देश में सुपरबग्स जैसी खतरनाक स्थिति पैदा हो गई है, जहाँ दवाएँ बेअसर हो जाती हैं और सामान्य बीमारी भी जल्दी ठीक नहीं होती है। उनके इलाज पर बहुत ज़्यादा खर्च करना पड़ता है। चिंता की बात यह है कि पोल्ट्री और डेयरी फार्मिंग में भी एंटीबायोटिक्स का अत्यधिक प्रयोग किया जा रहा है। नतीजतन, अगर हम खुद एंटीबायोटिक्स कम लें तो भी यह समस्या दूसरे रूप में हमें घेरे रहेगी। इसलिए सरकार ने एंटीबायोटिक्स के प्रयोग को लेकर गाइडलाइन जारी की है, जिसमें इनके इस्तेमाल को लेकर कई तरह के दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

सन 1928 में लंदन के सेंट मैरी हॉस्पिटल मेडिकल स्कूल में कार्यरत स्कॉटलैंड के वैज्ञानिक अलेक्ज़ेंडर फ़्लेमिंग ने जीवाणुओं (बैक्टीरिया) पर शोध करते हुए एंटीबायोटिक पेनिसिलिन की खोज की। दूसरे विश्वयुद्ध में जब लाखों घायल सैनिक संक्रमण से मर रहे थे, तब पेनिसिलिन वरदान साबित हुई। इससे अनगिनत सैनिकों की जान बचाई गई। पेनिसिलिन ने चिकित्सा विज्ञान की दिशा बदल दी और इसे आधुनिक एंटीबायोटिक युग की शुरुआत माना जाता है। हालाँकि, साल 1945 के बाद से ही फ़्लेमिंग ने खुद चेतावनी दी कि एंटीबायोटिक के बहुत ज़्यादा प्रयोग से प्रतिरोध पैदा होगा। यही हुआ, एंटीबायोटिक का अंधाधुंध प्रयोग शुरू हो गया, जिससे बीमारी एक बार ठीक होने बाद दोबारा होने पर उससे कई तरह की परेशानियाँ शुरू होने लगी।

अब यह समस्या और बड़ी बनने लगी है क्योंकि भारत जैसे देशों में बिना डॉक्टर की सलाह के एंटीबायोटिक लेना, अधूरा कोर्स करना और छोटी-मोटी बीमारी में भी इसका इस्तेमाल आम बात है। ज़्यादा एंटीबायोटिक के प्रयोग से हमारे शरीर के बैक्टीरिया, दवाइयों के प्रति प्रतिरोधक विकसित कर लेते है इसे एंटीमाइक्रोबियल रेज़िस्टेंस कहा जाता है और यह स्थिति सुपरबग्स के रूप में उभरकर सामने आती है। यानी ऐसी स्थिति जिसमें ताकतवर जीवाणु, दवाओं से नहीं मरते और उन पर साधारण एंटीबायोटिक काम नहीं करती। ऐसे में न सिर्फ मरीजों पर दवाओ का खर्च बढ़ता जाता है, बल्कि भविष्य में वह कई बीमारियों को न्योता देता है और सामान्य संक्रमण यानी खाँसी, बुखार, घाव का इन्फेक्शन होने पर इसका इलाज भी मुश्किल हो जाता है।

पहले जिन बीमारियों का इलाज 100 रुपये की दवा से हो जाता था, उनके लिए अब लाखों रुपये की नई और महँगी दवाएँ या इंजेक्शन लगते हैं। क्योंकि वह छोटी या सामान्य बीमारी पर दवाएँ बेअसर होती है, उन्हें ठीक करने के लिए कई तरह की जाँचें करानी पड़ती है और नई किस्म की दवाएँ देनी पड़ती है और मरीज को अस्पताल में ज़्यादा दिन भर्ती रहना पड़ता है। बार-बार एंटीबायोटिक लेने से डायरिया, एलर्जी, त्वचा पर दाने जैसी समस्याएँ भी आने लगती हैं और लंबे समय में किडनी, लीवर और पेट पर असर पड़ता है। सबसे बड़ी बात है कि एंटीबायोटिक हानिकारक बैक्टीरिया के साथ-साथ अच्छे बैक्टीरिया को भी मार देते हैं। इससे खराब पाचन, इम्युनिटी कमज़ोर और बार-बार संक्रमण की समस्या हो सकती है। भारत पहले से ही एंटीमाइक्रोबियल रेसिस्टेंस का हॉटस्पॉट बन चुका है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद् की रिपोर्ट के अनुसार भारत में हर साल लगभग 7 लाख लोग एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस से जुड़ी बीमारियों से प्रभावित होते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि अगर इस समस्या पर रोक नहीं लगी तो साल 2050 तक भारत समेत विश्व में एंटीमाइक्रोबियल रेसिस्टेंस के कारण 1 करोड़ मौतें प्रति वर्ष हो सकती हैं।भारत में एंटीबायोटिक्स का बाज़ार बहुत बड़ा है, क्योंकि यहाँ संक्रमण संबंधी बीमारियाँ आम हैं। 2023 में भारत में एंटीबायोटिक्स का बाज़ार करीब 49,000 करोड़ रूपये का था। अनुमान है कि 2024-2030 के बीच यह बाज़ार लगभग 6-7त्न चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ेगा और साल 2030 तक यह बाज़ार 83,000 करोड़ रूपये तक पहुँच सकता है। मालूम हो कि भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा एंटीबायोटिक उत्पादक देश है। यहाँ बनने वाले जेनेरिक एंटीबायोटिक्स का एक बड़ा हिस्सा अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका को निर्यात होता है। भारतीय फ़ार्मा कंपनियाँ दुनिया भर के 20% से अधिक जेनेरिक दवाओं की आपूर्ति करती हैं।

द लैंसेट की 2022 रिपोर्ट के अनुसार भारत में प्रति व्यक्ति एंटीबायोटिक खपत दुनिया में सबसे अधिक है। अनुमान है कि हर साल भारत में लगभग 1,300 करोड़ से अधिक की खुराक एंटीबायोटिक की ली जाती हैं। इसमें से भी ग्रामीण और छोटे शहरों व कस्बों में एंटीबायोटिक का उपयोग बड़े शहरों की अपेक्षा बहुत अधिक होता है। भारत सरकार ने शेड्यूल एच-1 लागू किया है, जिसके तहत कई एंटीबायोटिक दवाएँ केवल पर्चे पर ही मिल सकती हैं। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद और विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से एंटीबायोटिक स्टीवर्डशिप प्रोग्राम को लागू किया जा रहा है ताकि दुरुपयोग कम हो, फिर भी समस्या जस की तस है।

साल 2025 में भारत की जनसंख्या लगभग 1.40 अरब है, यानी भारत दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश है। देश में करीब लगभग 93 करोड़ आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है, जबकि शहरों में लगभग 50 करोड़ लोग निवास करते हैं। उसमें स्थिति देखें तो सर्दी-खाँसी-जुकाम, बुखार, डायरिया जैसी बीमारियाँ से हर साल भारत में करीब 30-35 करोड़ से अधिक लोग प्रभावित होते हैं और लगभग 6.2 करोड़ डायबिटीज और 7.7 करोड़ हृदय रोग से पीड़ित हैं। साल 2024 तक हमारे देश में कुल पंजीकृत डॉक्टरों की संख्या लगभग 13 लाख हैं, इनमें से 10.4 लाख एलोपैथिक डॉक्टर और 4.5 लाख आयुष डाक्टर (आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी आदि) हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक के अनुसार 1,000 की जनसंख्या पर कम से कम 1 डॉक्टर होना चाहिए। जबकि भारत में 1,000 की आबादी पर मात्र 0.7 डॉक्टर उपलब्ध हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में यह अनुपात और भी कम है और कई राज्यों में 1000 की आबादी पर मात्र 0.2 डाक्टर हैं। भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की ग्रामीण स्वास्थ्य सांख्यिकी, 2023 की रिपोर्ट की माने तो देश में 1.55 लाख सब-सेंटर, 25,000 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, 5,600 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हैं। इनमें से लगभग 65-70% स्वास्थ्य केंद्र ग्रामीण इलाकों में स्थित हैं। भले ही देश में करीब एक लाख से ज़्यादा स्वास्थ्य केंद्र ग्रामीण इलाकों में हों, लेकिन अभी भी यहाँ डाक्टरों और स्वास्थ्य केंद्रों की भारी कमी है। देश में साधारण बीमारियों से हर साल करीब 30 करोड़ लोग प्रभावित हैं, जिनका इलाज कुछ लाख डाक्टरों या स्वास्थ्य केंद्रों के भरोसे संभव नहीं है। हालाँकि, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद् और स्वास्थ्य मंत्रालय ने एंटीबायोटिक उपयोग पर नियंत्रण के लिए नई गाइडलाइन जारी की है। इसमें ज़ोर दिया गया है कि एंटीबायोटिक केवल बैक्टीरियल संक्रमण में ही दी जाए और साधारण सर्दी-जुकाम या फ्लू में नहीं। डॉक्टर की पर्ची अनिवार्य होगी और अस्पतालों को एंटीबायोटिक स्टीवर्डशिप प्रोग्राम अपनाना होगा। साथ ही, दवा की अवधि को कम से कम रखने और मरीजों को पूरी जानकारी देने पर ज़ोर दिया गया है। मालूम हो कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने एंटीबायोटिक को तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया है, पहला एक्सेस यानी वे एंटीबायोटिक जो सामान्य संक्रमण के लिए सुरक्षित हैं और इनका कोई ज़्यादा साइड इफ़ेक्ट नहीं है। दूसरी श्रेणी है वॉच की, इनका उपयोग सीमित परिस्थितियों में ही किया जाना चाहिए और इनके लिए निगरानी ज़रूरी है। तीसरी श्रेणी है रिज़र्व की, ये अंतिम विकल्प की दवाइयाँ हैं, जिन्हें केवल जीवन-रक्षक स्थिति में ही इस्तेमाल किया जाना चाहिए। भारत भी इसी गाइडलाइन का पालन करता है और डॉक्टरों को सलाह भी दी गई है कि वे केवल ज़रूरत पड़ने पर ही एंटीबायोटिक लिखें और मरीजों को पूरी जानकारी दें। एंटीबायोटिक की समस्या इसलिए भी बड़ी होती जा रही है क्योंकि इंसानों के साथ ही कृषि और पशुपालन क्षेत्र में भी एंटीबायोटिक का अंधाधुंध उपयोग होना शुरू हो चुका है, खासतौर पर मुर्गीपालन और डेयरी फार्मिंग में। खाद्य और कृषि संगठन (संयुक्त राष्ट्र), भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण और विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत में कुल एंटीबायोटिक खपत का 50% से अधिक हिस्सा पशुपालन में होता है। पोल्ट्री सेक्टर (मुर्गीपालन) का अनुमान है कि भारत में हर साल लगभग 70-75% मुर्गीपालकों द्वारा चारे में एंटीबायोटिक का प्रयोग किया जाता है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

ताइवान संकट, जापान की सुरक्षा नीति और भारत के लिए बदलता इंडो-पैसिफिक समीकरण

– डॉ प्रियंका सौरभ

जापान और चीन के बीच बढ़ते तनाव के केंद्र में आज ताइवान का प्रश्न है, जिसने पूरे इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शक्ति-संतुलन को नया मोड़ दे दिया है। भौगोलिक निकटता, समुद्री हितों और ऐतिहासिक संवेदनशीलताओं के कारण जापान ताइवान की स्थिरता को अपने ही राष्ट्रीय सुरक्षा हितों का विस्तार मानता है। पिछले कुछ वर्षों में चीन द्वारा ताइवान के आसपास की सैन्य गतिविधियों में तेज़ी- चाहे वह वायु क्षेत्र का उल्लंघन हो, मिसाइल परीक्षण हों या बड़े पैमाने पर नौसैनिक अभ्यास ने जापान की खतरा-धारणा को पूरी तरह बदल दिया है। साल 2022 में चीनी मिसाइलों का जापान के विशेष आर्थिक क्षेत्र में गिरना इस बात का सटीक संकेत था कि ताइवान संकट सीधे जापान के भू-राजनीतिक वातावरण को प्रभावित करता है।

इसी कारण जापान ने अपनी सुरक्षा-रणनीति में अभूतपूर्व परिवर्तन किए हैं। दशकों से चले आ रहे शांतिवादी दृष्टिकोण के बावजूद उसने रक्षा-व्यय को दोगुना कर जीडीपी के 2त्न तक ले जाने का निर्णय लिया है। लंबे समय से निष्क्रिय पड़े सैन्य ढाँचों को पुनर्जीवित किया जा रहा है, दक्षिण-पश्चिमी द्वीपों पर नई मिसाइल तैनाती की जा रही है और अमेरिका के साथ संयुक्त संचालन क्षमता को काफी बढ़ाया गया है। जापान समझता है कि यदि ताइवान में संघर्ष उत्पन्न होता है तो चीन की आक्रामकता सेंकाकू द्वीपों और जापानी जलक्षेत्रों की ओर भी बढ़ सकती है। इसलिए उसकी पूरी सुरक्षा-दृष्टि अब ताइवान जलडमरूमध्य की स्थिरता से गहराई से जुड़ चुकी है।

यह परिवर्तन उसकी विदेश-नीति में भी स्पष्ट दिखाई देता है। पहले जहाँ जापान ताइवान मुद्दे पर खुलकर बोलने से कतराता था, आज वह अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बार-बार 卐ताइवान जलडमरूमध्य में शांति और स्थिरता卐 को अनिवार्य बता रहा है। चीन के प्रति उसका कूटनीतिक रुख कहीं अधिक सख्त हुआ है। ताइवान को लेकर जापानी प्रधानमंत्री की टिप्पणी पर चीन की धमकियों के बाद जापान द्वारा चीनी राजदूत को तलब करना इस बदलाव का प्रतीक है। साथ ही जापान अब क्वाड, आसियान देशों और यूरोपीय साझेदारों के साथ नई सुरक्षा-संरचनाएँ विकसित कर रहा है, ताकि चीन की बढ़ती सैन्य क्षमता का संतुलन बनाया जा सके।

यह संपूर्ण परिदृश्य भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत और जापान दोनों चीन की आक्रामक प्रवृत्ति से चिंतित हैं, इसलिए दोनों देशों के बीच सुरक्षा-सहयोग स्वाभाविक रूप से गहरा हो रहा है। क्वाड की सामरिक महत्ता बढ़ी है और हिंद-प्रशांत में समुद्री निगरानी, नौसैनिक अभ्यास और तकनीकी सहयोग में तेजी आई है। जापान का सैन्य आधुनिकीकरण भारत के लिए रक्षा-उद्योग, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में नए अवसर खोलता है।

परंतु चुनौतियाँ भी कम नहीं हैं। भारत चीन के साथ स्थिर संबंध बनाए रखना चाहता है, क्योंकि सीमा-क्षेत्र की शांति और आर्थिक सहयोग उसकी प्रत्यक्ष आवश्यकता है। किंतु चीन-जापान तनाव का बढ़ना भारत-चीन संतुलन को और जटिल बनाता है। यदि भारत जापान और अमेरिका के साथ ज्यादा निकटता दिखाता है तो चीन सीमा पर दबाव बढ़ा सकता है। दूसरी बड़ी चिंता ताइवान जलडमरूमध्य में किसी भी सैन्य संकट से जुड़ी है। भारत के लिए यह समुद्री मार्ग अत्यंत महत्वपूर्ण है; यहाँ किसी भी अस्थिरता से ऊर्जा आयात, व्यापार, इलेक्ट्रॉनिक चिप आपूर्ति और संपूर्ण समुद्री परिवहन पर भारी असर पड़ेगा। इससे भारत की आर्थिक गति और सुरक्षा व्यवस्था दोनों को जोखिम हो सकता है।

तीसरी चुनौती अमेरिका की 卐रणनीतिक अस्पष्टता卐 है। अमेरिका ने कभी स्पष्ट नहीं कहा कि ताइवान पर हमले की स्थिति में वह सैन्य हस्तक्षेप करेगा या नहीं। यह अनिश्चितता पूरे क्षेत्र को दुविधा की स्थिति में डालती है। जापान और ताइवान तो इससे चिंतित हैं ही, भारत के लिए भी यह प्रश्न महत्वपूर्ण है, क्योंकि क्वाड की वास्तविक उपयोगिता इसी पर निर्भर करती है कि अमेरिका किस हद तक निर्णायक भूमिका निभाता है। यदि अमेरिका अनिश्चित रहता है, तो चीन को क्षेत्र में और आक्रामक कदम उठाने का प्रोत्साहन मिल सकता है, जिसका असर भारत की सुरक्षा-संतुलन पर भी पड़ेगा।

इन जटिलताओं के बीच भारत के लिए अवसर भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। जापान की नई सक्रियता रक्षा-उद्योग सहयोग, समुद्री तकनीक, पनडुब्बी क्षमता और संयुक्त सैन्य अभ्यासों को नई दिशा दे सकती है। भारत और जापान मिलकर एक स्थिर और नियम-आधारित इंडो-पैसिफिक की दिशा में ठोस कदम उठा सकते हैं। व्यापार-मार्गों का विविधीकरण भी भारत के लिए अनिवार्य होगा, ताकि ताइवान जलडमरूमध्य पर अत्यधिक निर्भरता कम हो सके।

अंततः ताइवान संकट ने यह स्पष्ट कर दिया है कि इंडो-पैसिफिक का भविष्य अब पुराने समीकरणों पर नहीं चल सकता। जापान अपनी सुरक्षा-रणनीति को नए सिरे से परिभाषित कर रहा है, चीन अपनी शक्ति का विस्तार जारी रखे हुए है और अमेरिका अपनी भूमिका को आंशिक रूप से पुनर्संतुलित कर रहा है। ऐसे परिदृश्य में भारत को अत्यंत संतुलित, चतुर और बहुस्तरीय कूटनीति अपनानी होगी- ऐसी कूटनीति, जो न तो चीन से अनावश्यक टकराव पैदा करे और न ही जापान, अमेरिका तथा अन्य साझेदारों के साथ बढ़ते सहयोग को धीमा करे।

इंडो-पैसिफिक के बदलते समीकरण भारत के लिए चुनौतीपूर्ण भी हैं और अवसर भी। यह समय भारत की सामरिक परिपक्वता, आर्थिक शक्ति-विस्तार और निर्णायक विदेश-नीति का है। यदि भारत इन सभी पहलुओं को संतुलित रूप से साध लेता है तो वह न केवल क्षेत्रीय शक्ति-संतुलन को प्रभावित करेगा बल्कि आने वाले वर्षों में इंडो-पैसिफिक के भविष्य का एक प्रमुख निर्धारक भी बनेगा।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

रचिन और लेथम के शतकों से न्यूजीलैंड मजबूत, वेस्टइंडीज पर ली 481 रन की बड़ी बढ़त

एजेंसी

क्राइस्टचर्च। हैगली ओवल में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में रचिन रवींद्र और टॉम लेथम की शानदार शतकीय पारियों ने न्यूजीलैंड को वेस्ट इंडीज के खिलाफ मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया है। तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक कीवी टीम ने दूसरी पारी में 417/4 रन बना लिए थे और 481 रन की अजेय बढ़त हासिल कर ली थी। न्यूजीलैंड ने दिन की शुरुआत 32/0 से की और शुरुआती साझेदारी को 84 रन तक पहुंचाया। ओजाय शील्ड्स ने पहले डेवोन कॉनवे (84 रन की साझेदारी के बाद आउट) को गहरा प्वाइंट पर कैच करवाया, फिर कप्तान केन विलियमसन (9) को भी पवेलियन भेज दिया। इस समय न्यूजीलैंड 100/2 था और 164 रन की बढ़त हासिल कर चुका था। इसके बाद रचिन रवींद्र और टॉम लेथम ने वेस्ट इंडीज की गेंदबाजी पर जोरदार हमला बोला। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 279 रन की विशाल साझेदारी करते हुए कैरेबियाई गेंदबाज़ों को पूरी तरह बैकफुट पर धकेल दिया। रचिन ने 52 गेंदों में अर्धशतक जमाया, जबकि लेथम ने टी ब्रेक से ठीक पहले अपना 14वां टेस्ट शतक पूरा किया। टी के समय रचिन 70 रन पर खेल रहे थे।

ला लीगा में एम्बाप्पे के दो गोल की बदौलत रियल मैड्रिड ने एथलेटिक बिलबाओ को 3-0 से हराया

मैड्रिड। रियल मैड्रिड ने खेले गए ला लीगा मुकाबले में एथलेटिक बिलबाओ को 3-0 से हराकर अपनी तीन मैचों की जीत-विहीन कड़ी को खत्म किया। मैच में किलियन एम्बाप्पे का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला, जिन्होंने दो बेहतरीन गोल दागे। इस जीत के साथ मैड्रिड 15 मैचों में 36 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर बरकरार है, जो लीडर बार्सिलोना से सिर्फ एक अंक पीछे है। मैच की शुरुआत से ही रियल मैड्रिड ने आक्रामक रुख अपनाया। शुरुआती मिनटों में ही बिलबाओ के गोलकीपर उनाई सिमोन को लगातार बचाव करने पड़े। हालांकि, सातवें मिनट में मेजबान टीम की रक्षा ढह गई। एम्बाप्पे ने हाफवे लाइन के पास गेंद पाकर दो डिफेंडरों को पछाड़ते हुए बॉक्स के बाहर से शानदार कर्लिंग शॉट लगाया, जो सीधा टॉप कॉर्नर में जा घुसा। एम्बाप्पे और विनीसियस जूनियर की जोड़ी ने पहले हाफ में बिलबाओ की डिफेंस को खूब परेशान किया, हालांकि कई मौकों पर मैड्रिड के फॉरवर्ड गोल के सामने चूकते भी दिखे। 24वें मिनट में बिलबाओ ने बराबरी का सुनहरा मौका बनाया, लेकिन गुरुजेटा की जोरदार शॉट को थिबाऊ कोर्टवा ने शानदार रिफ्लेक्स सेव से रोक दिया। इसके तुरंत बाद कोर्टवा ने अलेक्स बेरेंगुएर के नजदीकी शॉट को भी नाकाम किया।

कोच का दांव सफल, शिंटोमन ने केआईयूजी में 110 मीटर हर्डल्स का तोड़ा रिकॉर्ड

जयपुर। महात्मा गांधी विश्वविद्यालय के धावक सीबी शिंटोमन ने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स (केआईयूजी) 2025 में पुरुषों की 110 मीटर हर्डल्स स्पर्धा में नया कीर्तिमान स्थापित कर सबको चौंका दिया। 23 वर्षीय शिंटोमन ने 14.32 सेकंड का समय लेकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया और पिछले मीट रिकॉर्ड (14.40 सेकंड) को तोड़ डाला।

फुटबॉल खेलते हुए हुई 'टैलेंट की खोज'

केरल के इडुक्की जिले के एरटायर गांव के शिंटोमन की जिंदगी 2021 तक पढ़ाई, स्कूल फुटबॉल और छुट्टियों में इलायची बागानों में मजदूरी तक सीमित थी। उन्होंने कभी सिंथेटिक ट्रैक पर कदम भी नहीं रखा था, लेकिन एक स्कूल फुटबॉल मैच के दौरान केरल स्पोर्ट्स काउंसिल अकादमी के कोच बैजू जोसेफ की नजर उन पर पड़ी। उनकी मजबूत बॉडी और स्वाभाविक एथलेटिक क्षमता को देखते हुए कोच ने उन्हें एथलेटिक्स की ओर मोड़ा। 400 मीटर और हाई जंप से शुरुआत हुई और धीरे-धीरे वह अपने सही इवेंट 110 मीटर हर्डल्स तक पहुंचे।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी: केरल ने मुंबई को 15 रन से हराया, शरफुद्दीन चमके

लखनऊ। लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में खेले गए सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के एलीट ग्रुप 'ए' मैच में केरल ने मुंबई को 15 रन से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए केरल की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर 178 रन बनाए। जवाब में मुम्बई की टीम 19.4 ओवर में 163 रन पर ऑलआउट हो गई और 15 रन से मुकाबला गंवा दिया। गेंद और बल्ले दोनों से उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले केरल के खिलाड़ी शरफुद्दीन को 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। मुकाबले में जीत के साथ केरल अंक तालिका में अपने ग्रुप में 12 अंकों के साथ तीसरे पायदान में पहुंच गई है जबकि हार के बावजूद मुंबई 16 अंकों के साथ पहले स्थान में बरकरार है। लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई की शुरुआत खराब रही और आयुष म्हात्रे (03) सस्ते में आउट हुए। इसके बाद अजिंक्य रहाणे (32), सरफराज खान (52) और सूर्यकुमार यादव (32) ने मुंबई को मैच में बनाए रखने की कोशिश की, लेकिन बीच-बीच में गिरते विकेटों ने टीम की लय तोड़ दी। मुंबई की पारी 19.4 ओवर में 163 रन पर सिमट गई। केरल की ओर से केएम आसिफ ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट झटके। वहीं विग्नेश पुथुर ने दो विकेट लिए तथा शरफुद्दीन, एमडी निधीश, अब्दुल बसीथ को एक-एक विकेट मिला।

एशियन कप आर्म रेसलिंग के लिए टीम इंडिया की कप्तान बनीं ओनम गाम्नो

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रो पंजा लीग ने एशियन कप आर्म रेसलिंग चैम्पियनशिप के लिए टीम इंडिया की कप्तान के रूप में अरुणाचल प्रदेश की ओनम गाम्नो और उपकप्तान के रूप में छत्तीसगढ़ के पैरा-एथलीट श्रीमंत झा को नियुक्त किया है। श्रीमंत झा पैरा-आर्म रेसलिंग के जाने-माने खिलाड़ी हैं, जो टीम में समावेश और प्रेरणा के प्रतीक माने जा रहे हैं। यह नियुक्ति उस समय हुई है, जब अरुणाचल प्रदेश हाल की घटनाओं के चलते देशभक्ति की भावना से सराबोर है। 27 वर्षीय कप्तान ओनम गाम्नो अरुणाचल प्रदेश के ईस्ट सियांग जिले के मेबो थाना क्षेत्र के नगोपोक गांव की रहने वाली हैं। वह देश की सबसे सफल आर्म रेसलर्स में से एक हैं। उन्होंने 2024 में मुंबई में हुए एशियन कप में एक सिल्वर और एक ब्रॉन्ज, 2025 की नेशनल आर्म रेसलिंग चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज और

2023 की राष्ट्रीय चैंपियनशिप में दो स्वर्ण पदक जीते थे। उनकी उपलब्धियां पूर्वोत्तर के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। उपकप्तान श्रीमंत झा हाल ही में हंगरी पैरा आर्म रेसलिंग वर्ल्ड कप में रजत पदक जीत चुके हैं। विशेष रूप से सक्षम खिलाड़ियों के लिए वह दृढ़ संकल्प और संघर्ष की मिसाल हैं। उनकी उपस्थिति टीम के नेतृत्व में नई ऊर्जा और मजबूती का संचार करती है। कप्तान ओनम गाम्नो ने कहा, 'भारत का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए गर्व की बात है। मेरा हर कदम देश के नाम है। मैं पूरी ताकत से खेलूंगी और तिरंगे को गौरवान्वित करूंगी। ' पीपुल्स आर्म रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (पीएएफआई) की अध्यक्ष और एशियन आर्म रेसलिंग फेडरेशन (एएएफ) की उपाध्यक्ष प्रीति झंगियानी ने कहा, 'ओनम गाम्नो और श्रीमंत झा का चयन भारतीय आर्म रेसलिंग की ताकत, कौशल और जज़्बे का प्रतीक है। ओनम का नेतृत्व और श्रीमंत की प्रेरणादायक यात्रा हमारे मूल्यों–दृढ़ता और एकता–का प्रतिनिधित्व करती है। ' इन नियुक्तियों से न केवल टीम इंडिया की प्रतिस्पर्धात्मक उम्मीदों को बल मिला है, बल्कि यह भी स्पष्ट होता है कि आर्म रेसलिंग एक समावेशी और तेजी से बढ़ता हुआ खेल बन चुका है।

आयुष, अक्षय, विनायक और अरबाज सेमीफाइनल में

एजेंसी

प्रयागराज। लखनऊ के आयुष मित्तल और अक्षय, प्रयागराज के विनायक अग्रवाल और अलीगढ़ के मोहम्मद अरबाज ने अपने-अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले जीतकर राजा राम कुमार भार्गव स्मृति राज्य स्तरीय बिलियर्ड्स और स्नूकर चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में जगह बनाई। बिशप जॉर्ज स्कूल एंड कॉलेज में खेले गये पहले क्वार्टर फाइनल में लखनऊ के आयुष मित्तल ने कानपुर के ज़ैब नदीम को 4-1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। जैब ने पहला फ्रेम 60-43 से फ्रेम जीतकर 1-0 की बढ़त ले ली थी। आयुष ने शानदार वापसी करते हुए दूसरा फ्रेम 68-10 से जीता। आयुष ने तीसरे फ्रेम में अपना दबदबा बनाए रखा और इसे 82-7 से जीतकर 2-1 की बढ़त बना ली। चौथा फ्रेम 52-38 और पांचवां फ्रेम 88-14 से जीतकर आयुष ने अंतिम चार में जगह बनाई। दूसरे क्वार्टर फाइनल में लखनऊ के पूर्व स्टेट चैम्पियन अक्षय ने कानपुर के खान मफाज को 4-1 से हराया। पहले तीन फ्रेम अक्षय ने 77-42, 78-42, 50-42 से जीतकर 3-0 की बढ़त बना ली।

आईटीएफ एम15 ग्वालियर : दिग्विजय और नितिन क्वार्टर फ़ाइनल में, भारतीय खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जारी

एजेंसी

ग्वालियर। राउंडग्लास टेनिस अकादमी के खिलाड़ियों ने आईटीएफ मेंस वर्ल्ड टेनिस टूर एम15 ग्वालियर में बेहतरीन खेल दिखाते हुए क्वार्टर फ़ाइनल में जगह बनाई। छठी वरीयता प्राप्त दिग्विजय प्रताप सिंह ने माकर क्रिवोश्चेकोव को सीधे सेटों में 6-3, 7-5 से हराकर अंतिम-8 में प्रवेश किया। ग्वालियर चंबल टेनिस एसोसिएशन के कोर्ट्स में जारी इस टूर्नामेंट में दिग्विजय लगातार शानदार फॉर्म में दिख रहे हैं। राउंडग्लास के एक अन्य खिलाड़ी नितिन कुमार सिन्हा ने सातवीं वरीयता प्राप्त मनीष सुरेशकुमार को 6-2, 6-4 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। शीर्ष वरीयता प्राप्त आर्यन शाह ने भी अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन को जारी रखते हुए ऑस्ट्रेलिया के एड्रियन अर्कोन को 6-2, 6-4 से मात दी और अंतिम आठ में प्रवेश किया। रोहन मेहरा ने राउंडग्लास अकादमी के हितेश चौहान को 6-4, 6-2 से हराकर क्वार्टर फ़ाइनल का टिकट हासिल किया। मान केसरवानी ने पहले सेट में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए अर्जुन राठी को 3-6, 6-4, 6-2 से हराया। कज़ाखस्तान के ग्रिगोरी लोमाकिन ने सार्थक सूदेन को 6-3, 6-3 से हराया, जबकि राघव जैसिंघानी ने दिमित्री बेस्सोनोव के खिलाफ कठिन मुकाबले में 6-4, 7-6 से जीत दर्ज की।

डबल्स में शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ियों की आसान जीत

डबल्स वर्ग में शीर्ष वरीय जोड़ी–भारत के इशाक इक़बाल और कज़ाखस्तान के ग्रिगोरी लोमाकिन–ने विवान बिदासारिया और आश्रव्य मेहरा की भारतीय जोड़ी को 6-3, 6-1 से मात देकर सेमीफ़ाइनल में जगह बनाई।

वहीं दूसरी वरीय जोड़ी आर्यन शाह और अथर्व शर्मा ने भी पार्थ अग्रवाल और उदित कांबोज को 6-3, 6-1 से हराकर अंतिम-4 में प्रवेश किया। टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन ने घरेलू दर्शकों में उत्साह भर दिया है, और क्वार्टर फ़ाइनल चरण के मुकाबलों को लेकर रोमांच और बढ़ गया है।

कलीकेश नारायण सिंह देव ने एनआरएआई अध्यक्ष के रूप में संभाला पहला पूर्ण कार्यकाल

एजेंसी

नई दिल्ली/मोहाली। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) में नई नेतृत्व टीम ने औपचारिक रूप से कार्यभार संभाल लिया है। मोहाली के पार्क प्लाज़ा होटल में आयोजित जनरल बॉडी की बैठक में पदाधिकारियों के चुनाव परिणामों की घोषणा के साथ ही कलीकेश नारायण सिंह देव ने अध्यक्ष के रूप में अपने पहले पूर्ण चार-वर्षीय कार्यकाल की शुरुआत की। चुनाव रिटर्निंग ऑफिसर न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) निर्मलजीत कौर की निगरानी में सम्पन्न हुए।

सिंह देव और अनुभवी शूटिंग प्रशासक पवन सिंह क्रमशः अध्यक्ष और सचिव जनरल के पद पर निर्विरोध चुने गए। इनके साथ ही नई कार्यकारी समिति और गवर्निंग बॉडी–जो एनआरएआई की सर्वोच्च नीति निर्धारण इकाई है–का गठन भी पूरा हुआ। कार्यभार संभालने के बाद सिंह देव ने कहा कि भारतीय शूटिंग ने हाल के वर्षों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऐतिहासिक उपलब्धियाँ हासिल की हैं, जिससे संघ की अपेक्षाएँ और दायित्व दोनों बढ़े हैं। उन्होंने जनरल

बॉडी के विश्वास के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि आने वाले वर्षों में प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को बेहतर मंच और संसाधन उपलब्ध कराना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने आगे कहा, 'हमारी कोशिश होगी कि भारत शूटिंग खेल में विश्व स्तर पर शीर्ष स्थान प्राप्त करे और तिरंगा बार-बार ऊंचा लहराए। ' नवनिर्वाचित सचिव जनरल पवन सिंह ने बताया कि एनआरएआई पहले से ही कई प्रक्रियाओं को डिजिटल बना चुका है और अगला कदम तकनीक का व्यापक उपयोग है। उन्होंने कहा कि संघ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और प्रदर्शन संबंधी डेटा की मदद से देशभर में उभरते निशानेबाज़ों की पहचान करने की योजना बना रहा है। पवन सिंह के अनुसार, 'भारत के हर हिस्से से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अवसर मिले, यही लक्ष्य है।

स्पिन की कमी के कारण लय पकड़ने में मदद मिली: ज़ैक क्रॉली

एजेंसी

ब्रिसबेन। ऑस्ट्रेलिया द्वारा ब्रिसबेन टेस्ट से अनुभवी स्पिनर नाथन लायन को बाहर करने के फैसले ने इंग्लैंड के ओपनर ज़ैक क्रॉली की बल्लेबाजी को आसान बना दिया। क्रॉली ने स्वीकार किया कि पूरी तरह तेज़ गेंदबाज़ी आक्रमण का सामना करते हुए उन्हें अपनी लय पाने में मदद मिली।गाबा में खेले जा रहे पिंक-बॉल टेस्ट के पहले दिन कई मौकों पर ऑस्ट्रेलिया को लायन की कमी खली। दिन का खेल खत्म होने तक इंग्लैंड 9 विकेट पर 325 रन बनाकर मजबूत स्थिति में रहा। बिना स्पिन खेले ऑस्ट्रेलिया अपनी ओवर-रेट में आठ ओवर पीछे रह गई, जिससे डब्ल्यूटीसी अंक कट सकते हैं। गेंद की हालत बिगड़ने के बाद जोफ्रा आर्चर और जो रूट ने अंतिम विकेट के लिए 61 रनों की अहम साझेदारी कर ऑस्ट्रेलियाई

पेसरों को छका दिया। यह जोड़ी मूल्यवान दिन की रोशनी में शुक्रवार को आगे बल्लेबाजी करने उतरेगी।

इससे पहले क्रॉली ने 76 रन बनाए, जो ऑस्ट्रेलिया में उनका दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है, जबकि रूट (135*, नाबाद) ने 30 पारियों बाद ऑस्ट्रेलियाई धरती पर शतक जड़ा। क्रॉली ने कहा कि पर्थ में खराब बल्लेबाजी के कारण दबाव में चल रही इंग्लैंड टीम को ऑस्ट्रेलियाई टीम में लायन का नाम न देखकर हैरानी हुई। स्टार्क को छोड़कर सभी ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज़ दाएं हाथ के मध्यम गति के पेसर थे। नीसर, कैमरन ग्रीन, स्कॉट बोलैंड और ब्रेंडन डॉगेट ने मिलकर 249 रन देकर सिर्फ दो विकेट लिए, जबकि स्टार्क ने 6/71 लेकर अधिकांश नुकसान किया। क्रॉली ने माना कि गेंदबाज़ी में विविधता न होने से बल्लेबाजी आसान हुई। दिन के खेल के बाद क्रॉली ने पत्रकारों से बातचित में कहा, 'चारों सीमरों के खिलाफ एक लय हासिल हो जाती है। जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ा, बल्लेबाजी आसान होती गई।' वहीं मिचेल स्टार्क ने हालांकि हमले में विविधता की कमी को लेकर चिंता जताने से इनकार किया। उन्होंने कहा, 'गति सबकुछ नहीं है। यही संयोजन हमने इस हफ्ते चुना है।'

मोनाल कप में हुए दो मुकाबले, सचिवालय हरिकेन और डेंजर ने दर्ज की शानदार जीत

एजेंसी

देहरादून। मोनाल कप 2025 के तहत आज महाराणा प्रताप क्रिकेट ग्राउंड में दो रोमांचक मुकाबले खेले गए, जिनमें सचिवालय हरिकेन और डेंजर ने अपने-अपने मैचों में प्रभावशाली जीत हासिल की। पहले मुकाबले में सचिवालय हरिकेन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट पर 196 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। टीम की ओर से सुनील मैंदोला ने 68 रन की शानदार पारी खेली, जबकि दिवाकर पंत ने 40 रन का महत्वपूर्ण योगदान दिया। विंग्स की ओर से दिनेश, सुंदर और संजय जोशी ने 2-2 विकेट हासिल किए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी विंग्स की टीम हरिकेन के गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी और 15 ओवर में 93 रन पर ऑल आउट हो गई। टीम की ओर से सुंदर ने 21 रन बनाए। हरिकेन की ओर से दीपक डिमरी ने 4 विकेट, जबकि आशीष और ओमीश ने 2-2 विकेट झटके। सचिवालय हरिकेन ने यह मुकाबला 103 रन से अपने नाम किया। सुनील मैंदोला को मैन ऑफ द मैच चुना गया। दूसरे मुकाबले में डेंजर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 169 रन बनाए। टीम की ओर से नूर मोहम्मद ने 36 रन की सबसे बड़ी पारी खेली। माइटी 11 की ओर से अंकित और अंकुश ने 2-2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए माइटी 11 की टीम 20 ओवर में 139 रन ही बना सकी। टीम की ओर से यश सौन ने 53 रन की शानदार पारी खेली। डेंजर के लिए नूर और नीरज ने 2-2 विकेट हासिल किए। डेंजर ने यह मुकाबला 30 रन से जीत लिया। नूर मोहम्मद को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया।

प्रीमियर लीग: मागासा के देर से किए गोल ने बचाई वेस्ट हैम की लाज, मैनचेस्टर यूनाइटेड से 1-1 से ड्रा खेला

एजेंसी

मैनचेस्टर। मैनचेस्टर यूनाइटेड ने ओल्ड ट्रैफर्ड में खेले गए मुकाबले में वेस्ट हैम यूनाइटेड से 1-1 से ड्रा खेला। उसे प्रीमियर लीग में पाँचवें स्थान पर पहुँचने का मौका गंवाना पड़ा। इस नतीजे के साथ ही वेस्ट हैम अभी भी रिलीगेशन ज़ोन में बना हुआ है। पहले हाफ में दोनों टीमों का खेल बेहद फीका रहा और कोई भी गोल नहीं हो सका। 58वें मिनट में दीओगो डालोट ने गोल दागकर मैनचेस्टर यूनाइटेड को बढ़त दिलाई। लेकिन मैच खत्म होने से सात मिनट पहले वेस्ट हैम के सऊंगौतू मागासा ने शानदार बराबरी गोल कर दिया, जिसके बाद अंतिम सीटी पर यूनाइटेड प्रशंसकों की ओर से हूटिंग सुनाई दी।

अंक तालिका में मैनचेस्टर यूनाइटेड 22 अंकों के साथ आठवें स्थान पर है, जबकि वेस्ट हैम 12 अंकों के साथ 18वें स्थान पर बना हुआ है और 17वें स्थान पर मौजूद लीड्स यूनाइटेड से दो अंक पीछे है। मैच की शुरुआत के पहले आधे घंटे में वेस्ट हैम ने गेंद पर अच्छा नियंत्रण रखा लेकिन कोई वास्तविक खतरा नहीं बना सके। इसके बाद यूनाइटेड ने लय पकड़ी। ब्रायन मब्यूमो

के दूर से लगाए गए लूपिंग शॉट को गोलकीपर अल्फोंस अरियोला ने शानदार तरीके से बार के ऊपर पहुंचाया। आमद डायलो ने बॉक्स में गेंद भेजी, जिस पर जोशुआ ज़िर्कज़ी ने थाई से शॉट लगाया, लेकिन आरोन वान-बिसाका ने गोललाइन पर शानदार बचाव किया। कुछ ही देर बाद ब्रूनो फर्नांडिस का शॉट पोस्ट के बाहर से निकल गया।

अपने पूर्व क्लब के खिलाफ खेल रहे वान-बिसाका ने वेस्ट हैम की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए कई अहम टैकल किए और टीम को पहले हाफ में गोल खाने से बचाया। दूसरे हाफ में मागासा ने एक बार साइड नेटिंग में शॉट लगाया, लेकिन आखिरकार 58वें मिनट में यूनाइटेड को बढ़त मिल गई। कासेमीरो के शॉट का डिफ्लेक्शन डालोट को मिला और उन्होंने घूमते हुए गेंद को अरियोला के पार भेज दिया। मैच लगभग यूनाइटेड की संकीर्ण जीत की ओर बढ़ता दिख रहा था, लेकिन जारोड बोवेन के हेडर को मजरौई ने गोललाइन पर रोका। रिबाउंड पर मागासा ने जोरदार शॉट लगाकर बराबरी दिला दी। अंतिम मिनटों में दोनों टीमें विजयी गोल की तलाश में सक्रिय दिखीं, लेकिन फर्नांडिस दो मौकों पर चूक गए। कमजोर प्रदर्शन की वजह से मैनचेस्टर यूनाइटेड को आखिरकार निराशाजनक ड्रॉ से ही संतोष करना पड़ा।

झारखंड ने राष्ट्रीय जीत कुन-डो चैंपियनशिप में आठ स्वर्ण और छह रजत पदक जीते

एजेंसी

रांची। झारखंड जीत कुन-डो एसोसिएशन की टीम ने राष्ट्रीय स्तर पर एक बार फिर राज्य को गौरवान्वित किया है। दिल्ली के ईस्ट विनोद नगर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित नेशनल जीत कुन-डो चैंपियनशिप 2025 में झारखंड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए आठ स्वर्ण और छह रजत पदक जीतकर उत्कृष्ट स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता में सफलता के बाद विजेता टीम रांची रेलवे स्टेशन पहुंची, जहां खिलाड़ियों का ढोल-ताशे, फूल-मालाओं और अतिथि सत्कार के साथ भव्य स्वागत किया गया। सम्मान समारोह के दौरान स्टेशन परिसर उत्साह और गर्व के माहौल से गूंज उठा।इस अवसर पर एसोसिएशन के संयुक्त सचिव (जॉइंट सेक्रेटरी) तौहीद आलम ने खिलाड़ियों की मेहनत और टीम भावना की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि खिलाड़ियों के लगन, प्रशिक्षकों की दिशा और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। अगले वर्ष टीम और बेहतर प्रदर्शन का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ेगी। उन्होंने बताया कि उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर झारखंड ने फर्स्ट रनर-अप ट्रॉफी भी अपने नाम की। तौहिद आलम ने बताया कि स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ियों में आदितिश्री, कुमकुम विश्वकर्मा, लखन उड़व, महनूर कहकाशा ईशान, ज़ैद अखूतर के नाम शामिल हैं, जबकि रजत पदक विजेता खिलाड़ियों में प्रियांशी श्रीवास्तव, अध्विक उराव, शाश्वत, नमन, कंदर्प शर्मा, बिपिन यादव के नाम शामिल हैं। प्रो फाइट पुरुष विजेता में लखन उरांव और प्रो फाइट महिला विजेता कुमकुम विश्कर्मा के नाम हैं।

विजेता टीम का नेतृत्व झारखंड जीत कुन-डो एसोसिएशन के सचिव सिफू बिस्वजीत कर्मकार ने किया।

पदक विजेताओं की सूची

स्वर्ण पदक विजेताः आदितिश्री, कुमकुम विश्वकर्मा, लखन उरांव, महनूर कहकशा, ईशान, ज़ैद अखूतररजत पदक विजेताः प्रियांशी श्रीवास्तव, अध्विक उरांव, शाश्वत, नमन, कंदर्प शर्मा, बिपिन यादवप्रो फाइट विजेताः पुरुष वर्ग - लखन उरांव। महिला वर्ग - कुमकुम विश्वकर्मा खिलाड़ियों के स्वागत में तौहीद आलम, जावेद अख्तर सहित संस्था के कई सदस्य मौजूद थे।

मुरादाबाद के मोहित पाल ने खेलो इंडिया में जीता गोल्ड

मुरादाबाद। मुरादाबाद निवासी होनहार निशानेबाज मोहित पाल ने एक बार फिर साबित कर दिया कि मेहनत संघर्ष और सपने मिलकर क्या कर सकते हैं। जयपुर में 24 नवंबर से 3 दिसंबर तक आयोजित हुए खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में

मोहित ने 50 मीटर शूटिंग इवेंट में गोल्ड मेडल जीतकर न सिर्फ जिले नहीं बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश का मान बढ़ाया है।मोहित ने 2024 के ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में सिल्वर मेडल, 2025 के खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में गोल्ड मेडल मिला है। मोहित अब तक 9 बार नेशनल लेवल पर भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। हर टूर्नामेंट के साथ मोहित ने अपने खेल को नई ऊँचाइयों तक पहुंचाया है। मोहित इस समय भारतीय टीम के ट्रायल्स दे रहे हैं। उनका अगला सपना भारतीय टीम में जगह बनाना और भारत के लिए ओलंपिक मेडल जीतना है। मोहित के पिता हरि सिंह पाल मुरादाबाद में रेलवे विभाग में कार्यरत हैं।

स्टार्क के तूफान पर भारी पड़े रूट, ऑस्ट्रेलिया में पहला टेस्ट शतक जमाकर इंग्लैंड को मजबूत स्थिति में पहुंचाया

एजेंसी

ब्रिस्बेन। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच दूसरे एशेज टेस्ट मैच के पहले दिन का खेल खत्म हो गया है। यह मुकाबला ब्रिस्बेन के गाबा स्टेडियम में पिंक बॉल से खेला जा रहा है। अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं पर अपना पहला टेस्ट शतक जमाते हुए इंग्लैंड को पहले दिन मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। गुरुवार का खेल खत्म होने तक इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में नौ विकेट पर 325 रन बना लिए हैं। जो रूट 135 रन और जोफ्रा आर्चर 32 रन बनाकर नाबाद हैं। दोनों के बीच 61 रनों की साझेदारी हो चुकी है। ऑस्ट्रेलिया की ओर से पहले दिन मिचेल स्टार्क ने दमदार गेंदबाजी करते हुए छह विकेट झटके हैं, जबकि माइकल नेसेर और स्कॉट बोलैंड को एक-एक विकेट मिला है।

मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी इंग्लैंड टीम की पहली पारी की शुरुआत अच्छी नहीं रही। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने शुरुआती ओवरों में बेन डकेट और ओली पोप को आउट कर इंग्लैंड को दो झटके दिए। इसके बाद जो रूट क्रीज पर आए और टीम को शुरुआती झटकों से उबारने में जुट गए। रुट ने जैक क्राउली के साथ तीसरे विकेट के लिए 117 रनों की साझेदारी की।

इस शतकीय साझेदारी को माइकल नेसेर ने तोड़ा। उन्होंने क्राउली को आउट कर इंग्लैंड को तीसरा झटका दिया। क्राउली ने 93 गेंदों पर 11 चौकों की मदद से 76 रन बनाए। इंग्लैंड का चौथा विकेट हैरी ब्रूक के रूप में गिरा। स्टार्क ने बीच सत्र में ब्रूक को आउट कर अपना 415वां टेस्ट विकेट हासिल किया और पाकिस्तान के दिग्गज वसीम अकरम (414) को पीछे छोड़ते हुए टेस्ट क्रिकेट में सबसे सफल लेफ्ट-आर्म तेज गेंदबाज बन गए। ब्रूक 31 रन बनाकर स्लिप में कैच दे बैठे, जिससे रूट के साथ उनकी 54 रनों की साझेदारी टूट गई। इसके बाद कप्तान बेन स्टोक्स एक रन चुराने के चक्कर में रन आउट हुए। उन्होंने 19 रन बनाए। जेमी स्मिथ बिना खाता खोल आउट हुए। फिर विल जैक्स स्टार्क का शिकार बने। विल जैक्स ने 19 रन की पारी खेली। इसके बाद स्टार्क ने गस एटकिंसन और ब्रायडन कार्स को भी पवेलियन भेज दिया। एटकिंसन चार रन बनाकर आउट हुए, जबकि कार्स खाता भी नहीं खोल सके। हालांकि रूट ने जोफ्रा आर्चर के साथ नौवें विकेट के लिए 61 रन की साझेदारी कर टीम के स्कोर को दिन का खेल खत्म होने तक 9 विकेट पर 325 रन पहुंचा दिया। इससे इंग्लैंड की टीम मजबूत स्थिति में पहुंच गई है।

कोरोना रेमेडीज का आईपीओ आठ दिसंबर को खुलेगा

एजेंसी

अहमदाबाद। कोरोना रेमेडीज लिमिटेड का आईपीओ आठ दिसंबर को खुलेगा। कंपनी की ओर से यहां जारी बयान के मुताबिक इसके दस रुपये फेस वैल्यू वाले प्रत्येक इक्विटी शेयर के लिए प्राइस बैंड 1,008 से 1,062 रुपये तय किया गया है। बोली/प्रस्ताव सोमवार, आठ दिसंबर को खुलेगा और बुधवार, दस दिसंबर को बंद होगा। एंकर इन्वेस्टर बिडिंग डेट शुक्रवार, पांच दिसंबर है। न्यूनतम 14 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 14 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगाई जा सकती है। कर्मचारी आरक्षण भाग में बोली लगाने वाले पात्र कर्मचारियों को प्रति इक्विटी शेयर 54 रुपये की छूट की पेशकश की जा रही है। इस प्रस्ताव में दस रुपये फेस वैल्यू वाले इक्विटी शेयरों की बिक्री की पेशकश शामिल है, जो कुल मिलाकर 655.37 करोड़ रुपये तक है।

चावल, गेहूं, चीनी मजबूत; खाद्य तेलों, दालों में घट-बढ़

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल के औसत भाव बढ़ गये। गेहूं और चीनी में भी तेजी रही जबकि दालों और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव देखा गया। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 18 रुपये बढ़कर 3,860.39 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी। गेहूं सात रुपये महंगा हुआ और 2,848.55 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बिका। आटा चार रुपये प्रति क्विंटल गिर गया। दाल-दलहनों में तुअर दाल 30 रुपये और चना दाल नौ रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई। उड़द दाल 20 रुपये और मूंग दाल 16 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। मसूर दाल की कीमत छह रुपये प्रति क्विंटल बढ़ी। विदेशों में बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का फरवरी वायदा 47 रिंगिट फिसलकर 4,106 रिंगिट प्रति टन रह गया। वहीं, जनवरी का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.04 प्रतिशत चढ़कर 51.69 डॉलर के भाव बोला गया। स्थानीय बाजारों में मूंगफली तेल औसतन 39 रुपये और सूरजमुखी तेल 18 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। वनस्पति 15 रुपये और पाम ऑयल 14 रुपये प्रति क्विंटल मजबूत हुआ। सरसों तेल की कीमत भी दो रुपये प्रति क्विंटल बढ़ी। वहीं, सोया तेल 22 रुपये प्रति क्विंटल टूट गया। मीठे के बाजार में आज गुड़ की औसत कीमत 36 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। चीनी भी सात रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई।

एप्पल के सिवाय सभी फोन विनिर्माताओं से 'संचार साथी' पर हुई है चर्चा : संचार राज्य मंत्री

नई दिल्ली। संचार राज्य मंत्री चंद्रशेखर पेम्मासानी ने कहा कि 'संचार साथी' ऐप से जुड़े मामलों पर एप्पल को छोड़कर सभी मोबाइल फोन कंपनियों के साथ चर्चा की गई है। पेम्मासानी ने साथ बातचीत में स्पष्ट किया कि यह सरकारी ऐप किसी भी अन्य ऐप की तरह है, जिसे उपयोगकर्ता अपने फोन पर सक्रिय कर सकते हैं या उसे डिलीट कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारत में इस्तेमाल होने वाले सभी फोन पर इस ऐप को अनिवार्य रूप से इंस्टॉल करने के पीछे मकसद ऑनलाइन धोखाधड़ी की रिपोर्टिंग और खोए हुए मोबाइल फोन का पता लगाना है।पेम्मासानी ने कहा कि इस ऐप को लेकर सरकार ने मोबाइल फोन बनाने वाली कंपनियों के साथ एक कार्य-समूह में चर्चा की थी। उन्होंने कहा, 'कार्य-समूह में शामिल कंपनियों से अपनी आपत्तियां दर्ज करने के लिए कहा गया था। जहां तक मुझे मालूम है, अकेली एप्पल कंपनी ही इस कार्य-समूह में शामिल नहीं हुई थी। लेकिन बाकी सभी कंपनियों ने इस पर चर्चा में हिस्सा लिया था।' उद्योग सूत्रों ने कहा है कि एप्पल अपने आईफोन में इस ऐप को इंस्टॉल करने के मुद्दे पर सरकार के साथ बात करेगी और कोई बीच का रास्ता निकालना चाहेगी। पेम्मासानी ने कहा कि यह ऐप फोन उपयोगकर्ताओं से जुटाए गए डेटा के आधार पर काम करता है, जिससे वित्तीय धोखाधड़ी की जानकारी अधिक सटीक होती है और उस पर लगाम के लिए जल्द कार्रवाई की जा सकती है। उन्होंने कहा, 'यह ऐप केवल उस फोन नंबर और एसएमएस तक ही पहुंच रखता है, जिसकी सूचना उपयोगकर्ता ने धोखाधड़ी या स्पैम के रूप में दी हो। दूसरी कोई भी व्यक्तिगत जानकारी दर्ज या साझा नहीं की जाती है।'

एडीबी ने भारत में छतों पर लगने वाली सौर प्रणाली के लिए 65 करोड़ डॉलर के कर्ज को मंजूरी दी

नई दिल्ली। बहुपक्षीय विकास बैंक एडीबी ने भारत में छतों पर लगने वाली सौर प्रणाली को अपनाने में तेजी लाने के लिए 65 करोड़ डॉलर (लगभग 5,780 करोड़ रुपये) के नीति आधारित ऋण को मंजूरी दी है। इससे 2027 तक एक करोड़ परिवारों तक स्वच्छ और सस्ती ऊर्जा पहुंचाने तथा छतों पर सौर ऊर्जा प्रणाली लगाने की गति बढ़ेगी। त्वरित किफायती एवं समावेशी छत-सौर प्रणाली विकास कार्यक्रम के उप-कार्यक्रम-1 के अंतर्गत यह वित्तपोषण सरकार के प्रमुख कार्यक्रम प्रधानमंत्री सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना को समर्थन देगा। इस योजना का उद्देश्य पूरे देश में छत पर लगने वाली सौर प्रणालियों को व्यापक रूप से सुलभ बनाना है।

देश में ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री का भविष्य उज्ज्वल, आने वाले वर्षों में दुनिया में पहले स्थान पर होगा उद्योग: गडकरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि देश की ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री तेजी से आगे बढ़ रही है और आने वाले वर्षों में यह दुनिया में पहले स्थान पर पहुंच सकती है। केंद्रीय मंत्री ने लोकसभा में कहा कि जब मैंने मंत्री पद संभाला था, हमारी ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री दुनिया में सातवें स्थान पर थी, लेकिन अब जापान को पछाड़कर दुनिया में तीसरे स्थान पर गई है। भारत के ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री पर गडकरी ने आगे कहा कि मेरे सह मंत्री हरदीप पुरी वैकल्पिक ईंधन पर काम कर रहे हैं। वहीं, प्रल्हाद जोशी ग्रीन हाइड्रोजन मिशन पर काम कर रहे हैं। इससे देश के ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री के आकार को बढ़ाने में मदद मिलेगी गडकरी के मुताबिक, अमेरिका 79 लाख करोड़ रुपए के साथ दुनिया का सबसे बड़ा ऑटोमोबाइल मार्केट है। चीन 49 लाख करोड़ रुपए के साथ दूसरे स्थान पर है। अब 22 लाख करोड़ रुपए के आकार के साथ भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री है। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि हमारा देश करीब 22 लाख करोड़ रुपए के जीवाश्म ईंधन का आयात करता है। इस कारण हमारी सरकार की प्राथमिकता वैकल्पिक ईंधन और बायोफ्यूल है। यह आयात का अच्छा विकल्प है। साथ ही लागत प्रभावी और प्रदूषण से मुक्त है, जिसका सामना आज के समय दिल्ली कर रही है। गडकरी के मुताबिक, देश में फास्ट चार्जिंग पर तेजी से काम हो रहा है। हमें एक ऐसे चार्जिंग सिस्टम की जरूरत है जो ट्रक, बस, स्कूटर्स, तिपहिया और दोपहिया वाहनों के लिए उपयोगी हो। मौजूदा समय में चार्जिंग सिस्टम पर रिसर्च चल रही है और नए इनोवेशन किए जा रहे हैं और अकेले दोपहिया इलेक्ट्रिक वाहन सेगमेंट में 400 स्टार्टअप काम कर रहे हैं। देश की ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार ने हाल में किए जीएसटी सुधार में कर दर में भारी कटौती की है, जिससे देश में वाहनों की बिक्री को बढ़ाने में मदद मिली है।

शेयर बाजार में लगातार 4 दिन से जारी गिरावट के सिलसिले पर लगा ब्रेक, मजबूती के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी

नई दिल्ली। लगातार चार दिन तक गिरावट का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार आज मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। आज के कारोबार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई थी। बाजार खुलने के थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक रिकवरी करके हरे निशान में पहुंच गए। हालांकि आज के कारोबार में शेयर बाजार में लगातार उतार चढ़ाव होता रहा। इसके बावजूद सेंसेक्स और निफ्टी मजबूती के साथ हरे निशान में ही बने रहे। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.19 प्रतिशत और निफ्टी 0.18 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान आईटी, रियल्टी, ऑटोमोबाइल और टेलीकॉम सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह एफएमसीजी, हेल्थकेयर, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, पावर और इंडस्ट्रियल सेक्टर के शेयरों में आज बिकवाली का दबाव बना रहा। इसके अलावा मेटल, कैपिटल गुड्स और बैंकिंग इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.19 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.32 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज की कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 5 हजार करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 469.72 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया।

घरेलू सर्राफा बाजार में चांदी की घटी चमक, चेन्नई में 2 लाख के स्तर से लुढ़की चांदी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में चांदी के भाव में आज मामूली कमजोरी का रुख नजर आ रहा है। आज इस चमकीली धातु की कीमत में सिर्फ 100 रुपये प्रति किलोग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है। आज की इस कमजोरी के कारण चेन्नई और हैदराबाद में चांदी एक बार फिर 2 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर से नीचे आ गई है। देश के अलग अलग सर्राफा बाजारों में आज चांदी 1,87,700 रुपये प्रति किलोग्राम से लेकर 1,95,900 रुपये प्रति किलोग्राम तक के भाव पर बिक रही है। दिल्ली में आज चांदी की कीमत फिसल कर 1,90,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। इसी तरह मुंबई, अहमदाबाद और कोलकाता में भी चांदी 1,90,700 रुपये के भाव पर कारोबार कर रही है। जबकि जयपुर, सूरत और पुणे में चांदी 1,91,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है। वहीं बेंगलुरु में चांदी 1,91,200 रुपये के स्तर पर और पटना तथा भुवनेश्वर में 1,90,800 प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश में चांदी की सबसे अधिक कीमत अभी भी चेन्नई और हैदराबाद में है, जहां ये चमकीली धातु आज 2 लाख रुपये के स्तर से फिसल कर1,99,900 रुपये के स्तर पर पहुंची हुई है।कैपेक्स गोल्ड एंड इनवेस्टमेंट्स के सीईओ राजीव दत्ता का कहना है कि चांदी के भाव में आज की गिरावट के बावजूद अभी भी मजबूती आने की संभावना बनी हुई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी की कीमत लगातार 55 डॉलर प्रति औंस के ऊपर बनी हुई है। आज भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में ये चमकीली धातु 58.57 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर कारोबार कर रही है। इंडस्ट्रियल डिमांड बढ़ने के कारण इसकी कीमत में आने वाले दिनों में 63 से 65 डॉलर प्रति औंस तक भी पहुंच सकती हैं। हालांकि छोटे निवेशकों को मौजूदा उतार चढ़ाव के दौर में संभल कर अपनी निवेश योजना बनानी चाहिए।

सर्राफा बाजार में गिरावट, सस्ता हुआ सोना

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोना और चांदी की कीमत में कमजोरी का रुख बना हुआ है। सोना आज 870 रुपये प्रति ग्राम से लेकर 940 रुपये प्रति ग्राम तक सस्ता हो गया है। इसी तरह चांदी की कीमत में भी आज 100 रुपये प्रति किलोग्राम तक की मामूली गिरावट दर्ज की गई है। सोने की कीमत में गिरावट आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,29,650 रुपये से लेकर 1,29,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,18,840 रुपये से लेकर 1,18,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,90,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,29,800 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,18,990 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,29,650 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,18,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,29,700 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,18,890 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,29,650 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,18,840 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,29,650 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,18,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,29,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,18,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,29,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,18,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,29,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,18,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,29,800 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,18,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में गिरावट दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,29,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,18,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष के लिए जीडीपी वृद्धि दर अनुमान बढ़ाकर 7.3 फीसदी किया

एजेंसी

मुंबई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए सकल घरेल उत?पाद (जीडीपी) वृद्धि दर के अनुमान को 6.8 फीसदी से बढ़ाकर 7.3 फीसदी कर दिया। आरबीआई ने ये संशोधन जुलाई-सितंबर तिमाही में 8.2 फीसदी की मजबूत आर्थिक वृद्धि दर को ध्यान में रखते हुए किया है। आरबीआई के गर्वनर संजय मल्होत्रा ने यहां 3 से 5 दिसंबर तक हुई तीन दिवसीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की समीक्षा बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस फैसले पर पहुंचने से पहले देश की उभरती हुई व्यापक आर्थिक स्थितियों और भविष्य के दृष्टिकोण का विस्तृत मूल्यांकन किया गया। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि मजबूत उपभोग, वस?तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधार से देश की दूसरी तिमाही की जीडीपी दर में तेजी आई है। इसलिए संजय मल्होत्रा ने नीतिगत फैसलों की घोषणा करते हुए कहा कि साथ ही वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी और चौथी तिमाही के लिए विकास दर क्रमशः 7 फीसदी और 6.5 फीसदी रहने का अनुमान है। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली और दूसरी तिमाही के लिए जीडीपी ग्रोथ क्रमशः 6.7 फीसदी और 6.8 फीसदी रहने का अनुमान है। इससे पहले मल्होत्रा ने कहा कि घरेलू अर्थव्यवस्था की गतिविधियां स्थिर हैं, ग्रामीण मांग मजबूत है और शहरी मांग में लगातार सुधार हो रहा है। इसको देखते हुए आरबीआई ने सर्वसम्मति से नीतिगत दर रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती की है।

इससे मौजूदा ब्याज दर 5.5 फीसदी से घटकर 5.25 फीसदी हो गई है।नीतिगत ब्याज दरों में यह कटौती मजबूत आर्थिक प्रदर्शन के दौर के बाद की गई है, जिसमें चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 8.2 फीसदी की मजबूत जीडीपी वृद्धि और महंगाई के निम्न स्तर का सहारा मिला है। देश की खुदरा महंगाई दर अक्टूबर, 2025 में तेजी से घटकर 0.25 फीसदी पर आ गई, जो रिकॉर्ड न्यूनतम स्तर है।

आरबीआई ने वित्त वर्ष 2025-26 के जीडीपी अनुमान को बढ़ाकर 7.3 फीसदी कर दिया है। यह पहले के अनुमान से लगभग आधा फीसदी अधिक है। रिजर्व बैंक के गर्वनर

कूरियर और ई-कॉमर्स से बिक्री का फायदा उठा रहे अंतरराष्ट्रीय गिरोह : सीबीआईसी चेयरमैन

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के चेयरमैन विवेक चतुर्वेदी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय गिरोह कूरियर और ई-कॉमर्स के जरिए सामानों की बिक्री का फायदा उठा रहे हैं। इससे देश में नशीले पदार्थों की तस्करी का खतरा लगातार बना हुआ है। सीबीआईसी के चेयरमैन विवेक चतुर्वेदी ने नई दिल्ली स्थित अपने मुख्यालय में राजस्व आसूचना

निदेशालय (डीआरआई) के 68वें स्थापना दिवस समारोह के उद्घाटन अवसर पर अपने संबोधन में यह बात कही। चतुर्वेदी ने डीआरआई के 68वें स्थापना दिवस पर अपने संबोधन में अधिकारियों से उभरते खतरों से निपटने के अपने संकल्प को फिर से दोहराने और तस्करी के स्वरूप का अनुमान लगाने के लिए उन्नत आंकड़ा विश्लेषण का उपयोग जारी रखने का आग्रह किया। सीबीआईसी के अध्यक्ष विवेक चतुर्वेदी ने अपने संबोधन में डीआरआई की अटूट व्यावसायिकता और वैध व्यापार की सुरक्षा में उसकी केंद्रीय भूमिका की प्रशंसा की। उन्होंने अधिकारियों को भारत के सीमा सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने के लिए प्रौद्योगिकी, जोखिम प्रबंधन उपकरणों और वैश्विक साझेदारियों का लाभ उठाते रहने के लिए प्रोत्साहित किया।

रिजर्व बैंक ने रेपो रेट 0.25 फीसदी घटाया, आर्थिक वृद्धि दर अनुमान बढ़ाकर 7.3 फीसदी किया

एजेंसी

नई दिल्ली/मुंबई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने प्रमुख नीतिगत दर रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती की है, जो घटकर अब 5.25 फीसदी हो गया है। आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की समीक्षा बैठक के बाद समीति के फैसलों की जानकारी दी। इसके साथ ही आर्थिक वृद्धि के अनुमान को 6.8 फीसदी से बढ़ाकर 7.3 फीसदी और महंगाई दर के अनुमान को 2.6 फीसदी से घटाकर दो फीसदी कर दिया है।

आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की 3 दिसंबर को शुरू हुई तीन दिवसीय 5वीं दिवसीय द्विमासिक एमपीसी बैठक में लिए गए फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि एमपीसी

ने आम सहमति से प्रमुख नीतिगत दर रेपो रेट को 0.25 फीसदी घटाकर 5.25 फीसदी करने का निर्णय किया है। गवर्नर संजय मल्होत्रा ने अपने संबोधन में कहा कि ग्रोथ को गति देने के लिए यह फैसला जरूरी थद्या। उन्होंने कहा कि मजबूत आर्थिक वृद्धि और मुद्रास्फीति में नरमी के बीच रिजर्व बैंक ने नीतिगत दर में यह कटौती की है। मल्होत्रा ने कहा कि इसके साथ ही आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष 202526 के लिए आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को 6.8 फीसदी से बढ़ाकर 7.3 फीसदी कर दिया गया है। इसके अलावा महंगाई दर के अनुमान को 2.6 फीसदी से घटाकर दो फीसदी कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि आरबीआई ने फरवरी से जून तक रेपो रेट में कुल 1 फीसदी की कटौती की थी, लेकिन पिछली दो बैठकों (अगस्त और सितंबर-अक्टूबर में इसमें कोई बदलाव नहीं किया था। इस कटौती के बाद रेपो रेट 5.50 फीसदी से घटकर 5.25 फीसदी हो गया है। केंद्रीय बैंक के इस फैसले से होम लोन और अन्य लोन की ईएमआई कम होने की संभावना है, जिससे लोगों पर वित्तीय बोझ कम होगा।

वित?त मंत्री ने रूस के प्रथम उप-प्रधानमंत्री से की मुलाकात, आपसी हित के मुद्दों पर हुई बातचीत

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने नई दिल्ली में रूस के प्रथम उपप्रधानमंत्री डेनिस मेंटुरोव के नेतृत्व वाले एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान निवेश, बैंकिंग और वित्त सहित आपसी हित के विभिन्न मुद्दों पर बातचीत हुई।

वित्त मंत्रालय ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि भारत और रूस दोनों ने 05 दिसंबर 2025 को होने वाले आगामी 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन से मजबूत परिणामों की उम्मीद जताई है। मंत्रालय ने कहा कि रूस के प्रथम उपप्रधानमंत्री ने ब्रिक्स समूह की आगामी अध्यक्षता के लिए भारत को मजबूत समर्थन दिया। वित्त मंत्रालय ने कहा कि रूस के प्रथम उप-प्रधानमंत्री डेनिस मेंटुरोव के आर्थिक विकास मंत्री रेशेतनिकोव मैक्सिम,

वित्त मंत्री सिलुआनोव एंटोन और सेंट्रल बैंक की डिपार्टमेंट नबीउलीना एलविरा वगैरह मौजूद थे। वहीं, भारतीय प्रतिनिधि मंडल में आर्थिक मामलों के विभाग, वित्त सेवा विभाग (डीएफएस), रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया और विदेश मंत्रालय के प्रतिनिधि शामिल थे। उल्लेखनीय है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन आज शाम को भारत दौरे पर नई दिल्ली पहुंचे हैं। पुतिन भारत-रूस शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ शिरकत करेंगे।

रुपया 90.43 प्रति डॉलर के नये निचले स्तर तक टूटा

एजेंसी

मुंबई। रुपया शुरुआती कारोबार में 90.43 रुपये प्रति डॉलर के ऐतिहासिक स्तर तक टूटने के बाद अंत में 25 पैसे की बढ़त के साथ बंद हुआ। अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया सुबह 21.50 पैसे की गिरावट में 90.3650 रुपये प्रति डॉलर पर

खुला और कुछ ही देर में 90.43 रुपये प्रति डॉलर तक टूट गया। हालांकि इसके बाद रिजर्व बैंक ने निजी और सार्वजनिक बैंकों के माध्यम से डॉलर की खरीद शुरू की जिससे रुपया वापसी करने में सफल रहा। यह 89.88 रुपये प्रति डॉलर तक मजबूत होने के बाद 25.50 पैसे की बढ़त में 89.8950 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। भारतीय मुद्रा पिछले कारोबारी दिवस पर 18.50 पैसे गिरकर 90.15 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुई थी।

डीआरआई देश की आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद कर रहा : पंकज चौधरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि देश की आर्थिक सुरक्षा, राजस्व संरक्षण और कर प्रणाली की पारदर्शिता सुनिश्चित करने में डीआरआई की भूमिका अतुलनीय है। चौधरी ने कहा कि स्मगलिंग, कर-चोरी और अवैध व्यापार पर कठोर कार्रवाई करते हुए डीआरआई न केवल राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूती देता है बल्कि ईमानदार करदाताओं के हितों की रक्षा भी करता है। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने नई दिल्ली स्थित मुख्यालय में राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) के 68वें स्थापना दिवस के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन?होंने कहा कि? एक सशक्त, सुरक्षित और पारदर्शी टैक्स तंत्र ही विकसित भारत के निर्माण की मजबूत नींव है। डीआरआई के हमारे अधिकारी इसी संकल्प के साथ राष्ट्रसेवा में निरंतर अग्रसर हैं। इस अवसर पर अपने संबोधन में वित्त राज्य मंत्री ने 1957 में अपनी स्थापना के बाद से भारत की आर्थिक सीमाओं और व्यापारिक बुनियादी ढांचे की सुरक्षा के लिए डीआरआई की दृढ़ प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने वैश्विक चुनौतियों, तकनीकी परिवर्तनों और संगठित अंतरराष्ट्रीय अपराध नेटवर्क के उद्भव से निपटने और हर मोर्चे पर दृढ़ता, समर्पण और दक्षता के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करने के लिए डीआरआई की सराहना की।

पंकज चौधरी ने अपने संबोधन में इस बात पर जोर दिया कि सरकार का प्रयास यह सुनिश्चित करना है कि ईमानदार करदाता सम्मान के साथ व्यापार कर सकें और भारत की भूमि, जलमार्ग या वायुमार्ग का उपयोग अवैध व्यापार के लिए असंभव, जोखिम भरा और निरर्थक हो जाए। वहीं, स्थापना दिवस समारोह के एक भाग के रूप में प्रवर्तन और खुफिया अभियानों में असाधारण योगदान के लिए डीआरआई अधिकारियों को सराहनीय सेवा और उत्कृष्टता के लिए महानिदेशक के प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किए।

वित्त मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि इसके अलावा डीआरआई ने भारत में तस्करी रिपोर्ट 2024-25 भी जारी की, जो इसका वार्षिक प्रमुख प्रकाशन है, जिसमें अवैध व्यापार के रुझान, प्रमुख प्रवर्तन उपलब्धियां, उभरती चुनौतियां और नीतिगत सिफारिशें शामिल हैं। इस समारोह में 10 वीं क्षेत्रीय सीमा शुल्क प्रवर्तन बैठक (आरसीईएम) में भाग लेने वाले 15 देशों के 30 अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जो अंतरराष्ट्रीय तस्करी से निपटने में भारत और वैश्विक प्रवर्तन एजेंसियों के बीच बढ़ती साझेदारी को दर्शाता है। उनकी उपस्थिति ने अंतर्राष्ट्रीय सीमा शुल्क सहयोग में एक प्रमुख योगदानकर्ता के रूप में डीआरआई की भूमिका को रेखांकित किया। इससे पहले अपने स्वागत भाषण में, डीआरआई के महानिदेशक अभय कुमार श्रीवास्तव ने उच्चतम नैतिक मानकों और परिचालन उत्कृष्टता को बनाए रखने के लिए डीआरआई की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने तस्करी गिरोहों का भंडाफोड़ करने और तस्करी से उत्पन्न अवैध धन के प्रवाह को रोकने के लिए डीआरआई के अथक प्रयासों पर प्रकाश डाला, जिसका अन्यथा राष्ट्र-विरोधी समूहों और अन्य गैर-सरकारी तत्वों द्वारा राष्ट्रीय हितों के प्रतिकूल गतिविधियों के लिए उपयोग किया जा सकता था, जिससे सार्वजनिक व्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा दोनों को खतरा हो सकता था। इस अवसर पर सीबीआईसी के अध्यक्ष विवेक चतुर्वेदी, सीबीआईसी के सदस्य एम.के. सिंह और योगेन्द्र गर्ग, डीआरआई के महानिदेशक अभय कुमार श्रीवास्तव के अलावा सीबीआईसी और अन्य भारतीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों के सेवानिवृत्त और सेवारत वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। डीआरआई भारत की सीमाओं की रक्षा करने, आर्थिक हितों की रक्षा करने तथा राष्ट्र की सेवा के अपने 69वें वर्ष में प्रवेश करते हुए, अखंडता के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के अपने मिशन की पुनः पुष्टि करता है।

थाईलैंड में अंतरराष्ट्रीय घोटाले के खिलाफ कार्रवाई में 30 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की संपत्ति जब्त

एजेंसी

बैंकॉक। थाईलैंड में अधिकारियों ने अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध सिंडिकेट और प्रमुख कॉल सेंटर घोटाला नेटवर्क से जुड़ी 10 अरब बाट (31.2 करोड़ अमेरिकी डॉलर) से अधिक मूल्य की संपत्तियों को जब्त करने एवं फ्रीज करने का आदेश दिया है। 'अंतर्राष्ट्रीय घोटालेबाजों को जड़ से उखाड़ फेंकना' विषय पर आयोजित एक मीडिया ब्रीफिंग में थाई प्रधानमंत्री अनुतिन चार्नविराकुल ने इस बात पर बल दिया कि सरकार संदिग्धों की सामाजिक स्थिति की परवाह किए बिना कानूनी कार्रवाई करेगी। थाई पुलिस ने चार अंतरराष्ट्रीय घोटाला सिंडिकेटों से 10.165 अरब बाट से अधिक मूल्य की संपत्ति जब्त की है, जिसमें लक्जरी कारें, नौकाएं, बैंक खाते और भूखंड शामिल हैं। इस बीच, 42 संदिग्धों के ख़िलाफ़ गिरफ़्तारी वारंट जारी किए गए हैं, जिनमें से 29 को अब तक गिरफ़्तार किया गया है। इन संदिग्धों पर संगठित अपराध, धोखाधड़ी और धनशोधन जैसे अपराधों में आरोप है।

तुर्की में नकली शराब के खिलाफ देशव्यापी छापेमारी में 169 संदिग्ध गिरफ्तार

इस्तांबुल। तुर्की के सुरक्षा बलों ने नकली शराब के खिलाफ देशव्यापी छापेमारी में भारी मात्रा में अवैध उत्पाद जब्त किया और 169 संदिग्धों को हिरासत में लिया। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। गृह मंत्री अली येरलिकाया ने सोशल मीडिया पर कहा कि पुलिस ने सभी 81 प्रांतों में समन्वित अभियान चलाया जो कि हाल के वर्षों में सबसे व्यापक तस्करी विरोधी अभियानों में से एक था। मंत्री के अनुसार, पुलिस ने नकली या तस्करी से लाए गए 1,19,564 बोतल अल्कोहल, 2,792 लीटर अवैध पेय पदार्थ, 48,425 लीटर एथिल अल्कोहल और 874 यूनिट फ्लेवर वाला अल्कोहल ज़ब्त किया। अधिकारियों ने 12 अवैध उत्पादन स्थलों को भी बंद कर दिया और 169 संदिग्धों पर अब कानूनी कार्यवाही चल रही है। श्री येर्लिकाया ने कहा कि पिछले महीने समन्वित अभियानों के अंतर्गत 528 गिरफ्तारियां की गईं तथा 29 अवैध उत्पादन प्रतिष्ठानों को नष्ट किया गया। हाल के वर्षों में तुर्की ने नकली शराब के खिलाफ अपनी लड़ाई को तेज किया है, क्योंकि जहरीले शराब की कई घटनाएं सामने आई हैं, जो अनियमित उत्पादन के घातक खतरों पर प्रकाश डालता है।

भारत को रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने में सहायता करने को रूस तैयार: बेलौसोव

नई दिल्ली। रुस के रक्षा मंत्री आंद्रेई बेलौसोव कहा कि उनके देश का रक्षा उद्योग रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने के भारत के प्रयासों में सहयोग करने को तैयार है। श्री बेलौसोव ने यहां रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ भारत और रूस के बीच सैन्य एवं सैन्य तकनीक के क्षेत्र में सहयोग पर यहां मानेकशॉ सेंटर में द्विपक्षीय सरकारी आयोग की 22 वीं बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने भारत और रुस के बीच रणनीतिक दोस्ती को और मजबूत करने पर बल दिया। श्री सिंह ने दोनों देशों के बीच टेक्नोलॉजी में सहयोग बढ़ाने के नए मौकों पर ज़ोर दिया। यह बैठक दोनों देशों के बीच 23वीं वार्षिक शिखर बैठक के ठीक पहले हुई है। रूस के राष्ट्रपति ब्लादीमीर पुतिन शिखर बैठक के लिए आज शाम दिल्ली पहुंचे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने परम्परा से हट कर उनके स्वागत के लिए हवाई अड्डे पर पहंचे थे। रक्षा मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार रक्षा क्षेत्र पर द्विपक्षीय सरकारी आयोग की आज की बैठक में दोनों पक्षों ने दोहराया कि दोनों देशों के संबंध मजबूत भरोसे,साझा सिद्धांत और एक दूसरे के प्रति सम्मान पर आधारित हैं। बैठक में रक्षा मंत्री ने 'आत्मनिर्भर भारत' के विज़न के तहत, स्थानीय उत्पादन और निर्यात दोनों के लिए देश के रक्षा उद्योग की क्षमता बढ़ाने के भारत सरकार के पक्के इरादे की जानकारी दी । उन्होंने दोनों देशों के बीच विशिष्ट प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के नए मौकों पर भी ज़ोर दिया। विज्ञप्ति के अनुसार चर्चा के दौरान रूसी रक्षा मंत्री ने दोनों देशों के बीच आपसी भरोसे पर आधारित रिश्ते को और प्रगाढ़ करने पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि दोनों की दोस्ती पुरानी है और दोनों वर्षों से एक दूसरे रणनीतिक सहयोगी हैं।

भारत के अंतरिक्ष मिशनों के लिए मिल सकते हैं रूस के शक्तिशाली सेमी-क्रायोजेनिक इंजन

मॉस्को। रूस अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत के साथ अपने संबंध मजबूत करते हुए अपने सेमी-क्रायोजेनिक रॉकेट इंजन आरडी-191 की आपूर्ति करने और इसके निर्माण की तकनीक भारत को देने के लिए तैयार है। यह कदम भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रमों के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की गुरूवार से शुरू हो रही दो दिवसीय भारत यात्रा के दौरान इस बेहद खास सौदे की घोषणा हो सकती है। रूसी अंतरिक्ष एजेंसी रोस्कोस्मोस के महानिदेशक दिमित्री बकनोव ने एक टेलीविजन चैनल को बताया कि भारत के साथ रॉकेट इंजन का सौदा होने वाला है। उन्होंने मानव अंतरिक्ष उड़ान और अंतरिक्ष स्टेशन के विकास में भी सहयोग की संभावना जताई। हालांकि श्री बकानोव ने इंजन के प्रकार का उल्लेख नहीं किया, लेकिन विश्वसनीय सूत्रों से पता चला है कि यह एक सेमी-क्रायोजेनिक इंजन होगा।

नेपाल में संसदीय चुनाव की तैयारी के लिए सरकार ने बुलाई बैठक, होंगे कई अहम फैसले

एजेंसी

काठमांडू। प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने तय समय पर चुनाव होने को लेकर उत्पन्न आशंका के बीच सरकार ने प्रधानमंत्री के सरकारी आवास पर बैठक बुलाई है। विघटित प्रतिनिधि सभा के पांच बड़े दलों, निर्वाचन आयोग तथा सुरक्षा निकायों के प्रमुखों की संयुक्त बैठक में राजनीतिक दलों को आश्वस्त करने के साथ कई अहम फैसले लिए जाने की संभावना है। प्रधानमंत्री के निजी सचिव आदर्श श्रेष्ठ ने बताया कि चर्चा के लिए इन दलों के दूसरे स्तर के नेताओं को आमंत्रित किया गया है। दलों ने भी अपने दूसरे स्तर के नेताओं को ही भेजने की तैयारी की है। इससे पहले हुई बैठकों में भी इन्हीं दलों के दूसरे स्तर के नेता बातचीत में शामिल होते रहे हैं। यह

बैठक शुक्रवार दोपहर 4 बजे प्रधानमंत्री के सरकारी आवास बालुवाटार में आयोजित की जाएगी। बैठक में प्रधानमंत्री के अलावा अन्य मंत्रियों की भी उपस्थिति रहेगी। उन्होंने बताया कि चुनाव के अनुकूल वातावरण बनाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री ने विघटित प्रतिनिधि सभा में प्रतिनिधित्व करने वाले प्रमुख दल नेपाली कांग्रेस, नेकपा एमाले, नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी, राष्ट्रिय स्वतन्त्र पार्टी और राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के साथ विमर्श करने का निर्णय लिया है। बैठक में निर्वाचन आयोग के पदाधिकारी और चारों सुरक्षा निकायों के प्रमुख भी शामिल होंगे। नेपाली सेना के प्रधान सेनापति महारथी अशोक राज सिग्देल, नेपाल पुलिस के आईजीपी दान बहादुर कार्की, सशस्त्र प्रहरी बल के आईजीपी राजू अर्याल और इंटेलीजेंस विभाग के प्रमुख निदेशक को बैठक के लिए आमंत्रित किया गया है।

नोविचोक जहरकांड पर कार्रवाई: ब्रिटेन ने रूसी खुफिया एजेंसी जीआरयू पर लगाए प्रतिबंध, राजदूत तलब

एजेंसी

लंदन। ब्रिटेन ने रूस पर नए कड़े प्रतिबंधों की घोषणा की, जिनमें 2018 के कुख्यात नोविचोक जहरकांड में सीधे तौर पर शामिल बताई गई रूस की सैन्य खुफिया एजेंसी जीआरयू को पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया गया है। यह कदम ब्रिटेन की एक सार्वजनिक जांच रिपोर्ट के बाद उठाया गया, जिसमें निष्कर्ष निकाला गया कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने दोहरे एजेंट सर्गेई स्क्रिपाल पर नसर्व एजेंट हमले का आदेश दिया था। यही हमला बाद में ब्रिटिश नागरिक डॉन स्टर्जेस की मौत का कारण बना। सरकार ने इस मामले पर कड़ा रुख अपनाते हुए रूसी राजदूत को तलब किया और मॉस्को की 'ब्रिटेन के खिलाफ चल रही शत्रुतापूर्ण गतिविधियों' पर जवाब मांगा। प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कहा, 'आज के निष्कर्ष क्रेमलिन द्वारा निर्दोष नागरिकों के जीवन के प्रति घोर उपेक्षा की गंभीर याद दिलाते हैं। 'जीआरयू और उसके अधिकारियों पर कड़े प्रतिबंध ब्रिटेन ने जीआरयू पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के साथ ही आठ साइबर सैन्य खुफिया अधिकारियों और तीन अन्य जीआरयू अधिकारियों को भी निशाना बनाया है, जो यूरोप और यूक्रेन में शत्रुतापूर्ण गतिविधियों, जिसमें यूक्रेनी सुपरमार्केट पर हमले की साजिश भी शामिल है, में शामिल बताए गए हैं। रूस ने हमेशा की तरह सैलिस्बरी हमले में अपनी भूमिका से इनकार किया है। रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने ब्रिटेन की कार्रवाई को 'मनगढ़ंत आरोपों पर आधारित अवैध प्रतिबंध' बताया और कहा कि रूस 'जवाबी कदम उठाने का अधिकार सुरक्षित रखता है।' उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि ब्रिटेन को इन कदमों की अनिवार्यता का भरोसा होना चाहिए। ब्रिटेन, जो यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद से कीव का एक प्रमुख समर्थक रहा है, पहले भी रूस के व्यापारियों, नेताओं और कंपनियों पर व्यापक प्रतिबंध लगा चुका है।

नेपाल में आम चुनाव के लिए निर्वाचन आयोग की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंचीं

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में संसदीय चुनाव अगले साल मार्च में होने हैं, जिसमें अब केवल 90 दिन शेष रहने के साथ ही तैयारियां तेज़ी से आगे बढ़ रही हैं। निर्वाचन आयोग ने अपनी गतिविधियां तेज कर दी हैं, जबकि राजनीतिक दलों ने भी आंतरिक कार्य योजनाएं सक्रिय रूप से आगे बढ़ाई है।

आयोग के प्रवक्ता नारायण प्रसाद भट्टराई के अनुसार आयोग 6 दिसंबर से समानुपातिक निर्वाचन प्रणाली कार्यक्रम लागू करने जा रहा है। तय कार्यक्रम के अनुसार राजनीतिक दलों को 7 दिसम्बर को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे के बीच अपनी समानुपातिक निर्वाचन प्रणाली से सम्बन्धित आवेदन जमा करना होगा। आवेदन देने वाले दलों की सूची 10 दिसम्बर को प्रकाशित की जाएगी। आवेदन देने वाले दल अपनी बन्द सूची 28 और 29 दिसम्बर को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक जमा कर सकते हैं। समानुपातिक प्रतिनिधित्व के अन्तिम

सूची 13 फरवरी को प्रकाशित की जाएगी। प्रत्यक्ष निर्वाचन कार्यक्रम अन्तर्गत उम्मीदवार नामांकन 20 जनवरी को दर्ज किए जाएंगे और उसी दिन नामांकित उम्मीदवारों की सूची प्रकाशित होगी। नामांकन के विरुद्ध शिकायतें 21 जनवरी को दर्ज की जा सकेंगी। उम्मीदवारों की प्रारम्भिक सूची 22 जनवरी को प्रकाशित की जाएगी। उम्मीदवार 23 जनवरी को अपना नाम वापस ले सकेंगे, जिसके बाद अन्तिम सूची प्रकाशित की जाएगी और निर्वाचन चिह्न आवंटित किए जाएंगे। चुनाव प्रचार प्रसार के लिए 3 मार्च तक का समय दिया गया है। 3 मार्च की शाम 5 बजे से मौन अवधि शुरू हो जाएगी। 5 मार्च को सुबह 7 बजे से मतदान की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

इजराइली मीडिया का दावा: हमास-विरोधी गुट के नेता अबू शबाब की मौत

यरूशलम/काहिरा। इजराइली मीडिया ने दावा किया कि गाजा में हमास के विरोध में सक्रिय फिलिस्तीनी गुट के प्रमुख नेता यासिर अबू शबाब की मौत हो गई है। यह खबर उस समय सामने आई है जब इजराइल गाजा में हमास के खिलाफ स्थानीय कबीलाई समूहों को मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। इजराइल के सार्वजनिक प्रसारक 'कान' ने सुरक्षा सूत्रों के हवाले से बताया कि अबू शबाब, जो दक्षिणी गाजा के इजराइल-नियंत्रित रफा इलाके में बेदुईन कबीले के मुखिया थे, कई छोटे हमास-विरोधी गुटों में सबसे प्रभावशाली थे। माना जा रहा है कि उनकी मौत इजराइल की इस रणनीति के लिए बड़ा झटका है। हामास ने अबू शबाब को इजराइल का 'सहयोगी' करार दिया था और अपने लड़ाकों को उन्हें मारने या पकड़ने का आदेश दिया था। फिलहाल अबू शबाब की स्थिति को लेकर उनके संगठन पॉपुलर फोर्सेज के फेसबुक पेज पर कोई जानकारी साझा नहीं की गई है। जून में इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने स्वीकार किया था कि

इजराइल ने गाजा में हमास-विरोधी कबीलाई समूहों को हथियार दिए थे, हालांकि इस नीति को लेकर आगे कोई विस्तृत जानकारी जारी नहीं की गई। कुछ इजराइली मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया कि अबू शबाब ने दक्षिणी इजराइल के सोरोका अस्पताल में चोटों के चलते दम तोड़ा, लेकिन अस्पताल प्रशासन ने उसे अपने यहां भर्ती होने से साफ इनकार कर दिया। रिपोर्टों में न यह स्पष्ट हुआ कि उनकी मौत कब हुई और न यह कि उन्हें चोट कैसे लगी। इजराइली सरकार के प्रवक्ता ने इस मामले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया, जबकि हामास ने भी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। उल्लेखनीय है कि 18 नवंबर को अबू शबाब के संगठन ने एक वीडियो जारी किया था, जिसमें उनकी अनुपस्थिति में उनके डिप्टी को लड़ाकों को आदेश देते हुए देखा गया कि वे 'रफा को आतंक से मुक्त' करने के लिए अभियान चलाएं–यह इशारा संभवतः उन हमास लड़ाकों की ओर था, जिनके रफा में छिपे होने की आशंका जताई जा रही थी।

इंडिगो एयरलाइंस की अव्यवस्था का असर नेपाल की उड़ानों में भी दिखा

एजेंसी

काठमांडू। भारत में इंडिगो एयरलाइंस की उड़ान संचालन व्यवस्था अस्त-व्यस्त होने के कारण उसका प्रत्यक्ष प्रभाव नेपाल-भारत रूट की उड़ानों पर भी देखा गया है। दिल्ली और मुंबई से काठमांडू आने वाली अन्य तीन उड़ानें भी करीब 1 घंटे की देरी से रवाना हुईं। शुक्रवार को भी उड़ानें प्रभावित हो रही है। आज सुबह 9 बजे उतरने वाली पहली उड़ान तीन घंटे की देरी के बाद दोपहर 12 बजे लैंड हो सकी है। काठमांडू विमानस्थल के अनुसार गुरुवार दोपहर 4 बजे काठमांडू में उतरने वाली उड़ान संख्या 6श्च-1155 शाम साढ़े 7 बजे लैंड कर सकी। इसी तरह दिल्ली से ही दोपहर 1230 बजे लैंड करने वाली इंडिगो की दूसरी विमान के ढाई घंटे की देरी से लैंड की सूचना दी गई है। शुक्रवार को ही मुंबई से आने वाली इंडिगो की उड़ान संख्या 6श्च 1915 के लैंड का समय 1330 है, उसके भी करीब दो

घंटे विलंब से लैंड करने वाली है। दिल्ली-काठमांडू-दिल्ली की तीन और मुंबई-काठमांडू की एक उड़ान सहित प्रतिदिन आठ दोतरफा उड़ानें संचालित करने वाली इंडिगो के काठमांडू कार्यालय ने जानकारी दी है कि उड़ानों पर कुछ असर पड़ेगा, लेकिन भारत की तरह नेपाल में अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द करने की स्थिति नहीं बनेगी।भारत में कड़े क्रू-रोस्टर नियम लागू होने से उत्पन्न तनाव और एयरबस के आपातकालीन सॉफ्टवेयर अपडेट के कारण शुरू हुई उड़ान अव्यवस्था का असर नेपाल में भी सीधा देखा गया है। नेपाल में इंडिगो के जीएसए प्रतिनिधि भोला विक्रम थापा के अनुसार एयरबस के सॉफ्टवेयर अपडेट के कारण नेपाल आने वाली इंडिगो उड़ानों में देरी तो हुई है, लेकिन भारत की तरह उड़ान रद्द करने की स्थिति नहीं है। उन्होंने बताया कि कुछ ही दिनों में इंडिगो की उड़ानें फिर सामान्य हो जाएंगी। भारत के हवाई अड्डों जैसा बड़ा असर नेपाल में नहीं होगा। यह केवल सॉफ्टवेयर अपडेट के कारण हुई देरी है, उड़ानें रद्द नहीं होंगी।इंडिगो भारत की सबसे बड़ी और लोकप्रिय एयरलाइन है। 400 से अधिक विमानों के साथ यह एयरलाइन रोजाना 2,200 से ज्यादा उड़ानें संचालित करती है और कम से कम 40 अंतरराष्ट्रीय सहित कुल 130 गंतव्यों तक उड़ान भरती है।

अमेरिकी हाउस पैनल 10 दिसंबर को भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी की समीक्षा करेगा

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिकी कांग्रेस की एक प्रमुख कमेटी अगले सप्ताह 10 दिसंबर को एक सार्वजनिक बैठक करने जा रही है, जिसमें भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी की दिशा पर चर्चा होगी। इस बैठक में दोनों देशों के बीच बदलते रक्षा, आर्थिक और कूटनीतिक संबंधों पर खास ध्यान दिया जाएगा। हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी की साउथ और सेंट्रल एशिया पर सब-कमेटी के एक आधिकारिक नोटिस के अनुसार, इस बैठक का विषय 'अमेरिका-भारत स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप: एक स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा' रखा गया है। मिशिगन से सांसद बिल ह्यूजेंगा की अध्यक्षता वाली सब-कमेटी उन प्रमुख विश्लेषकों की बातें सुनेगी जो हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत की बढ़ती भूमिका पर नजर रखते हैं। इन विशेषज्ञों में हेरिटेज फाउंडेशन में एशियन स्टडीज सेंटर के डायरेक्टर जेफ स्मिथ, ओआरएफ अमेरिका के कार्यकारी निदेशक ध्रुव जयशंकर और यूनाइटेड स्टेट्स के जर्मन मार्शल फंड में इंडो-पैसिफिक प्रोग्राम के सीनियर फेलो समीर लालवानी शामिल हैं। जेफ स्मिथ, ध्रुव जयशंकर और समीर लालवानी अमेरिकी राजधानी में रहने वाले जाने-माने भारतीय विशेषज्ञ हैं। इस बैठक में भारत के रक्षा आधुनिकीकरण, अमेरिका के साथ बढ़ती सैन्य साझेदारी, तकनीकी सहयोग, क्षेत्रीय कूटनीति और इंडो-पैसिफिक में नियम-आधारित व्यवस्था को मजबूत करने जैसे मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है। यह बैठक ऐसे समय हो रही है जब भारत और अमेरिका मिलकर अहम तकनीकों, समुद्री सुरक्षा और सप्लाई-चेन को मजबूत बनाने पर कई कदम उठा रहे हैं।

भारतीय रिजर्व बैंक ने पुराने नियमों में संशोधन किया, अब नेपाल ले जा सकेंगे 200 और 500 के भारतीय नोट

एजेंसी

काठमांडू। भारत के केंद्रीय बैंक ने नेपाल में बड़े मूल्य के भारतीय नोटों के उपयोग पर लगी रोक हटाते हुए अधिक लचीली व्यवस्था लागू की है। भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने नेपाली रुपया और भारतीय रुपया के प्रचलन से संबंधित पुराने नियमों में संशोधन किया है। विदेशी मुद्रा प्रबंधन (मुद्रा निर्यात एवं आयात) संशोधन विनियमावली 2025 जारी करते हुए रिज़र्व बैंक ने व्यवस्था की है कि भारत के बाहर नेपाल और भूटान में भारतीय मुद्रा को (100 रूपये से अधिक मूल्य वाले नोटों को छोड़कर) ले जाया और लाया जा सकेगा। संशोधित प्रावधान के अनुसार भारत से नेपाल या भूटान की यात्रा करने

वाले यात्री अब 25 हजार भारतीय रुपये ले जा सकेंगे। इसी तरह नेपाल और भूटान से भारत आने वाले लोग भी (100 रूपये से अधिक मूल्य वाले नोटों को छोड़कर) भारतीय मुद्रा ला सकेंगे। नेपाल या भूटान से भारत आने वाले यात्रियों को 100 से अधिक मूल्य के बड़े नोट 25 हजार भारतीय रुपये तक लाने की अनुमति दी गई है। नेपाल और भूटान की मुद्रा भी भारत के बाहर नेपाल या भूटान में ले जाई जा सकेगी और वहीं से भारत भी लाई जा सकेगी। हालांकि, यह सुविधा पाकिस्तान और बांग्लादेश के नागरिकों को प्रदान नहीं की गई है। इससे पहले नेपाल में बड़े मूल्य के भारतीय नोटों के कारोबार पर प्रतिबंध था। नेपाल राष्ट्र बैंक की ओर से समान व्यवस्था किए जाने के बाद नया प्रावधान लागू होगा, जिससे भारत और नेपाल के बीच आने-जाने वाले पर्यटकों और श्रमिकों को लाभ मिलेगा।

अमेरिका ने 2026 के जी-20 से समिट से दक्षिण अफ्रीका को किया बाहर, पोलैंड को न्योता

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिका अगले साल मियामी में आयोजित होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में दक्षिण अफ्रीका को आमंत्रित नहीं करेगा। अमेरिका ने इस हफ्ते के पहले दिन जी-20 की अध्यक्षता संभाली है। इसके बाद अमेरिका ने अगली बैठक से दक्षिण अफ्रीका को बाहर रखने का फैसला किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एएनसी (अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस) के नेतृत्व वाली सरकार पर तोड़फोड़, संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रति दुश्मनी और एक ऐसे एजेंडे का आरोप लगाया जो फोरम के आर्थिक मिशन को कमजोर करता है। योजना की रूपरेखा पेश करते हुए विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा कि जी-20 अपने मूल आर्थिक विकास के मुद्दों पर वापस लौटेगा। रूबियो ने कहा कि अमेरिका 'जी-20' में सिर्फ दोस्तों, पड़ोसियों और साझेदारों को आमंत्रित करेगा। इसमें पोलैंड को भी शामिल किया जाएगा, जिसे उन्होंने दुनिया की 20 सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक बताया। उन्होंने कहा कि पोलैंड की भागीदारी सुधारों को अपनाने और भविष्य पर ध्यान देने वाले देश की सफलता को दर्शाती है। इसके बिल्कुल विपरीत उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के नेतृत्व की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि मंडेला युग के बाद वहां की सरकार ने सामंजस्य की जगह पुनर्वितरणकारी नीति अपनाई, जिसने निवेश को हतोत्साहित किया और देश के सबसे प्रतिभाशाली नागरिक विदेश चले गए।

उन्होंने कहा कि जातीय कोटा ने निजी क्षेत्र को पंगु बना दिया है, जबकि भ्रष्टाचार ने राज्य को दिवालिया कर दिया है। इस कारण दक्षिण अफ्रीका दुनिया की 20 सबसे बड़ी औद्योगिक अर्थव्यवस्थाओं के समूह से पूरी तरह बाहर है। उन्होंने कहा कि इस साल जी-20 की साउथ अफ्रीका की अध्यक्षता ने नफरत, बंटवारे और कट्टरपंथी एजेंडा को बढ़ावा देकर जी-20 की प्रतिष्ठा को धूमिल किया। इसमें जलवायु परिवर्तन, विविधता और समावेशन व सहायता पर निर्भरता जैसे मुद्दों पर जोर दिया गया। उन्होंने प्रिटोरिया पर अमेरिका की आपत्तियों को नजरअंदाज करने, वाशिंगटन और अन्य देशों के इनपुट को ब्लॉक करने और इन बातचीत पर काम कर रहे अमेरिकी अधिकारियों की जानकारी लीक करने का आरोप लगाया।

रूस-यूक्रेन युद्ध पर समझौते का दावा : राष्ट्रपति ट्रंप बोले– एक और युद्ध खत्म कराने की तरफ बढ़ रहे हैं

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि वे रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध को समाप्त कराने के लिए एक महत्वपूर्ण समझौते की दिशा में बढ़ रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका अब पहले से अधिक मज़बूत स्थिति में है और दुनिया में शांति स्थापित करने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने दावा किया, 'हमने आठ युद्ध सुलझाए हैं और अब एक और युद्ध खत्म करवाने के लिए समझौते की ओर बढ़ रहे हैं। उम्मीद है कि रूस और यूक्रेन के बीच भी युद्ध समाप्त करने का रास्ता जल्द निकलेगा।' हालाँकि, भारत दौरे पर पहुँचे रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इन दावों को खारिज किया है। पुतिन ने साफ कहा कि फिलहाल रूस और यूक्रेन के बीच किसी समझौते की संभावना नहीं है। दोनों देशों के बीच युद्ध को लगभग चार साल होने को हैं और अभी तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकल पाया है। उधर, अमेरिकी शांति योजना पर बातचीत कर रहे ट्रंप के वार्ताकारों का मानना है कि पुतिन युद्ध समाप्त करने की इच्छुक स्थिति में हैं, हालांकि रूस की आधिकारिक प्रतिक्रिया इससे अलग है। ट्रंप के इस दावे के बाद यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि क्या दोनों देशों के बीच शांति वार्ता की कोई वास्तविक प्रगति होती है या नहीं।

अमेरिका ने वर्क परमिट की अवधि कम की, हजारों भारतीय पेशवरों पर पड़ेगा असर

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिका के इमिग्रेशन सिस्टम में एक बड़ा बदलाव करते हुए यूएस सिटीजनशिप एंड इमीग्रेशन सर्विसेज (यूएससीआईएस) ने यह घोषणा की है कि अब एम्प्लॉयमेंट ऑथराइजेशन डॉक्यूमेंट्स यानी ईएडी की अधिकतम वैधता अवधि घटा दी जाएगी। इस फैसले का असर लाखों भारतीय पेशेवरों और उनके परिवारों पर पड़ेगा। एजेंसी का कहना है कि यह बदलाव सुरक्षा जांच को मजबूत करने और संभावित जोखिमों का पता लगाने के लिए जरूरी है। यूएससीआईएस ने कहा कि नई नीति से अमेरिका में काम करने की अनुमति मांगने वाले लोगों की बार-बार जांच हो सकेगी, जिससे धोखाधड़ी रोकी जा सके और ऐसे व्यक्तियों की पहचान की जा सके जिनके इरादे हानिकारक हों, ताकि उन्हें देश से हटाने की प्रक्रिया शुरू की जा सके। डायरेक्टर जोसेफ एडलो ने इस फैसले को पब्लिक सेफ्टी की चिंताओं से जोड़ा। उन्होंने कहा कि रोजगार-अनुमति अवधि कम करने से यह सुनिश्चित किया

जा सकेगा कि जो लोग अमेरिका में काम करना चाहते हैं, वे सार्वजनिक सुरक्षा के लिए खतरा न बनें और देश-विरोधी विचारधाराओं को न बढ़ाएं। उन्होंने हाल ही की एक घटना का जिक्र करते हुए कहा कि वॉशिंगटन में नेशनल गार्ड के सैनिकों पर हमला करने वाला व्यक्ति पिछले प्रशासन द्वारा देश में आने दिया गया था। इस घटना के बाद यह और जरूरी हो गया है कि विदेशी नागरिकों की बार-बार जांच हो। ये बदलाव सीधे तौर पर कई कैटेगरी पर असर डालते हैं, जिनका भारतीय नागरिक बड़ी संख्या में उपयोग करते हैं, जैसे कि रोजगार-आधारित ग्रीन कार्ड के आवेदक और वे एच-1बी कर्मचारी जिनकी प्रक्रिया चल रही है। अब नई नीति के अनुसार शरणार्थियों, आश्रय मांगने वालों, हटाने की प्रक्रिया से राहत पाने वालों और ग्रीन कार्ड आवेदन (आईएनए 245) करने वालों को दिए जाने वाले ईएडी पहले पांच साल के लिए मान्य होते थे, लेकिन अब ये केवल 18 महीने के लिए मान्य होंगे।

पॉलिसी अलर्ट में कहा गया है कि यह नियम 5 दिसंबर, 2025 को या उसके बाद लंबित या दायर किए गए सभी आवेदनों पर लागू होता है।

पहले से ही वर्षों से ग्रीन कार्ड की लंबी प्रतीक्षा झेल रहे भारतीय आवेदकों के लिए यह बदलाव नई चिंता पैदा कर सकता है। बहुत से भारतीय लंबे समय तक नौकरी जारी रखने के लिए लंबे समय वाले ईएडी और एडवांस पैरोल दस्तावेजों पर निर्भर रहते हैं। भारतीय प्रवासी समुदाय अमेरिका में रोजगार-आधारित वीजा के सबसे बड़े लाभार्थी हैं। वे इस बदलाव से सबसे अधिक प्रभावित होंगे।

page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 12/6/2025 12:06 AM Page 2

काली सरसों के बीज की खेती

काली सरसों की खेती से किसान काफी अच्छा पैसा कमा सकते हैं। काली सरसों की मांग पीली सरसों से ज्यादा होती है। इसके तेल की मांग भी अधिक रहती है। इसे देखते हुए काली सरसों की खेती किसानों के लिए लाभ का सौदा है। बात करें काली सरसों के बाजार भाव की तो वर्तमान देश की प्रमुख मंडियों में काली सरसों का रेट 5500 रुपए से लेकर 7 हजार रुपए के बीच चल रहा है। जबकि सरकार ने सरसों का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2023-24 के लिए 5450 तय किया है जो पिछले वित्तीय वर्ष 2021-22 से 400 रुपए अधिक है। इस तरह इस बार जिन किसानों ने अपने खेत में सरसों बाई है या पछेती बुवाई कर रहे हैं, उन्हें इस बार सरसों का सरकारी रेट भी पिछले साल से अच्छा मिलेगा। वहीं खुले बाजार में भी सरसों के भाव अच्छे रहने की संभावना नजर आ रही है। इस तरह सरसों की खेती करने वाले किसान इस बार भी अच्छे लाभ की उम्मीद कर सकते हैं।

काली सरसों की खेती से क्या है लाभ

जानें, काली सरसों की खेती का सही तरीका और इससे होने वाले लाभ

भारत में मूंगफली के बाद सरसों ही ऐसी तिलहनी फसल है जिसकी खेती सबसे ज्यादा की जाती है।

कई किसान इसकी खेती करके अच्छा लाभ प्राप्त कर रहे हैं। सरसों की खेती की खास बता ये हैं कि इसमें गेहूं की तुलना में कम पानी की जरूरत होती है। इससे सरसों की खेती उन इलाकों के किसानों के लिए काफी महत्व रखती है, जहां पानी की कमी है। यही कारण है कि हरियाणा और राजस्थान के किसान अधिकतर सरसों की खेती करना ज्यादा पसंद करते हैं। सरसों की उपयोगिता को देखते हुए इसकी बाजार मांग हमेशा बनी रहती है।

इसमें काली सरसों की खेती किसानों के लिए काफी लाभकारी साबित हो रही है। किसान काली सरसों के बीजों की खेती से मोटी कमाई कर रहे हैं। बाजार में काली सरसों की मांग भी अच्छी-खासी रहती है। इसकी खेती करके किसान लाखों रुपए की कमाई कर सकते हैं। आज हम ट्रैक्टर जंक्शन की इस पोस्ट में आपको काली सरसों की खेती/काली सरसों के बीजों की खेती की जानकारी दे रहे हैं।

▶▶काली सरसों में क्या होते हैं गुण

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार शोध में पाया गया है कि काले सरसों के बीज में हाइपोग्लाइसेमिक और एंटीडायबिटिक गुण पाए जाते हैं, जो रक्त में मौजूद ग्लूकोज के स्तर को कम करने में मदद कर सकते हैं। काले सरसों के बीज टाइप 2 डायबिटीज की समस्या में आराम पहुंचाने का काम कर सकते हैं। इस बात की पुष्टि एनसीबीआई की साइट पर उपलब्ध एक रिसर्च पेपर से होती है। वहीं काली सरसों के बीज सेलेनियम में उच्च है जो पेट की कब्ज और गैस से लड़ने में मदद करता है। इसके अलावा ये त्वचा और जोड़ों की समस्याओं के लिए भी अच्छा बताया गया है। इसे आप अपने भोजन में शामिल करके इसका लाभ ले सकते है।

▶▶काली सरसों की बुवाई का उचित समय

अधिकांशत- देश के विभिन्न राज्यों में सरसों की फसल की बुवाई अक्टूबर से दिसंबर तक के महीने में कर दी जाती है, तथा मार्च से अप्रैल का महीना फसल की कटाई का होता है। कई किसान सरसों की बुवाई कर चुके हैं और कई किसान इसकी पछेती बुवाई कर रहे हैं।

कृषि विशेषज्ञों के अनुसार सरसों की बुआई के लिए सबसे अच्छा समय 5 से 25 अक्टूबर के बीच का माना जाता है। इस समय सरसों की बुवाई करने पर अच्छा उत्पादन प्राप्त होता है, इसलिए किसानों को सरसों की बुवाई 25 अक्टूबर तक कर लेनी चाहिए। इसके बाद बुवाई करने पर कम उत्पादन प्राप्त होता है।

▶▶काली सरसों के लिए कैसे करें खेत तैयार

सरसों की खेती बारानी और सिंचित दोनों अवस्थाओं में की जा सकती है। सिंचित क्षेत्रों में इसके लिए खेत तैयार करते समय पहली जुताई ट्रैक्टर के साथ मिट्?टी पलटने वाले हल से करनी चाहिए। इसके बाद तीन से चार जुताइयां तबेदार हल से करनी चाहिए। प्रत्येक जुताई के बाद खेत में पाटा लगाना चाहिए जिससे खेत में ढेले न बनें। बुआई से पूर्व अगर भूमि में नमी की कमी हो तो खेत में पलेवा करने के बाद बुआई करें। फसल बुआई से पूर्व खेत खरपतवारों से रहित होना चाहिए। अंतिम जुताई के समय 1.5 प्रतिशत क्यूनॉलफॉस 25 किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से में मिला दें, ताकि भूमिगत कीड़ों से फसल की सुरक्षा हो सके।

▶▶कैसे करें काली सरसों के बीजों की बुवाई

काली सरसों की बुवाई के लिए बीज की मात्रा प्रति हेक्टेयर 4-5 किलो ग्राम पर्याप्त होती है। बुआई से पहले बीजों को उपचारित कर लेना चाहिए ताकि कीट रोगों से बचाव हो सकें। बीजोपचार के लिए कार्बेण्डाजिम (बॉविस्टीन) 2 ग्राम अथवा एप्रोन (एस.डी. 35) 6 ग्राम कवकनाशक दवाई प्रति किलो ग्राम बीज की दर से प्रयोग करना चाहिए। बीज को पौधे से पौधे की दूरी 10 सें.मी. रखते और कतार से कतार की दूरी 45 सेमी रखनी चाहिए। बीजों को 5 सें.मी. की गहराई तक बोना चाहिए। बारानी क्षेत्रों में बीज की गहराई मिट्टी की नमी के अनुसार रखनी चाहिए। सरसों के बीजों की बुवाई देसी हल या सीड ड्रिल की सहायता से करनी चाहिए।

▶▶काली सरसों में किस मात्रा में करें खाद व उर्वरक का प्रयोग

असिंचित क्षेत्रों में सरसों की फसल में 40-60 किलो ग्राम नत्रजन, 20-30 किलो ग्राम फास्फोरस, 20 किलो ग्राम पोटाश व 20 किलोग्राम सल्फर की जरूरत होती है। जबकि सिंचित फसल को 80-120 किलो ग्राम नत्राजन, 50-60 किलो ग्राम फास्फोरस, 20-40 किलो ग्राम पोटाश व 20-40 किलो ग्राम सल्फर का प्रयोग किया जा सकता है।

▶▶काली सरसों की खेती में कब-कब करें सिंचाई

सरसों की अच्छी फसल के लिए पहली सिंचाई 30 से 40 दिन के बीच फूल बनने की अवस्था पर ही करनी चाहिए। दूसरी सिंचाई फलियां बनते समय (60-70 दिन) में की जाती है। जहां पानी की कमी हो या खारा पानी हो वहां सिर्फ एक ही सिंचाई करना अच्छा रहता है।

▶▶काली सरसों में कैसे करें खरपवार प्रबंधन

खरपवारों के कारण सरसों की उपज में करीब 60 प्रतिशत तक कमी आ जाती है। इसलिए इसकी बुवाई के 25 से 30 दिन के बाद निराई-गुडाई करके खरपतवारों को निकाल कर खेत से बाहर फेंक देना चाहिए। खरपतवार निकलने के लिए खुरपी या हैंड हो का प्रयोग कर सकते हैँ। वहीं खरपतवारों के रसायनिक तरीके से नियंत्रण के लिए फ्लुक्लोरेलिन (45 ई.सी.) की एक लीटर सक्रिय तत्व/हेक्टेयर (2.2 लीटर दवा) की दर से 800 लीटर पानी में मिलाकर बुआई के पूर्व छिड़काव कर भूमि में अच्छी तरह से मिला देना चाहिए अथवा पेन्डीमिथेलीन (30 ई.सी) की 1 लीटर सक्रिय तत्व (3.3 लीटर दवाई को 800 लीटर पानी में मिलाकर बुआई के तुरन्त बाद (बुआई के 1-2 दिन के अन्दर) छिड़काव करना चाहिए।

▶▶काली सरसों में कैसे करें चेपा और माहू कीट नियंत्रण

सरसों की फसल में चेपा और माहू कीट का प्रकोप काफी देखा गया है। इस कीट का प्रकोप दिसंबर और जनवरी से लेकर मार्च तक बना रहता है। इस कीट के प्रकोप से सरसों की फसल को नुकसान पहुंचाता है। चेंपा कीट के प्रकोप से फसल को बचाने के लिए डाइमिथोएट (रोगोर) 30 ई सी या मोनोक्रोटोफास (न्यूवाक्रोन) 36 घुलनशील द्रव्य की 1 लीटर मात्रा को 600-800 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर में छिड़काव करना चाहिए। यदि दुबारा से कीट का प्रकोप हो तो 15 दिन के अंतराल से फिर से छिड़काव करना चाहिए। वहीं माहू कीट से फसल को बचाने के लिए कीट नाशी डाईमेथोएट 30 ई . सी .1 लीटर या मिथाइल ओ डेमेटान 25 ई. सी.1 लीटर या फेंटोथिओन 50 ई . सी .1 लीटर प्रति हेक्टेयर की दर 700-800 लीटर पानी में घोलकर छिडकाव करना चाहिए। इस बात का ध्यान रखें की कीटनाशी दवा का छिड़काव हमेशा शाम के समय ही करना चाहिए।

▶▶काली सरसों की कटाई

सरसों की फसल फरवरी-मार्च तक पक कर तैयार हो जाती है। जब सरसों की 75 प्रतिशत फलियां पीली हो जाएं तब ही फसल की कटाई करनी चाहिए। क्योंकि अधिकतर किस्मों में इस अवस्था के बाद बीज भार तथा तेल प्रतिशत में कमी हो जाती है। कटाई हमेशा सुबह के समय करनी चाहिए, क्योंकि रात के समय फसल में नमी अधिक रहती है जिससे कटाई ठीक से नहीं हो पाती है।

▶▶काली सरसों की गहाई व भंडारण

जब बीजों में औसतन 12-20 प्रतिशत आर्द्रता प्रतिशत हो तक इसकी फसल की गहाई करनी चाहिए। फसल की मड़ाई थ्रेसर से ही करनी चाहिए क्योंकि इससे बीज तथा भूसा अलग-अलग निकल जाते हैं। और काम भी जल्दी होता है। बीज निकलने के बाद उनको साफ करके बोरों में भर लेना चाहिए। सरसों का भंडारण करते समय इस बात का ध्यान रखें कि करते समय सरसों में 8-9 प्रतिशत नमी की होनी चाहिए।

▶▶काली सरसों/सरसों की खेती में काम आने वाले कृषि यंत्र

काली सरसों की खेती में कई प्रकार के कृषि यंत्रों का इस्तेमाल किया जाता है। काली सरसों/सरसों की खेती में जिन यंत्रों का प्रयोग किया जाता है, वे इस प्रकार से हैं। आप इन यंत्रों के विभिन्न ब्रांड और कीमत भी यहां देख सकते हैं।

क्या है काली सरसों/काली सरसों के बीज

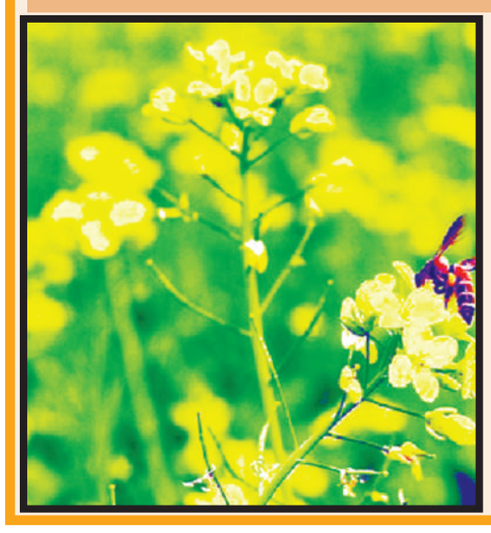

काली सरसों के बीच गोल आकार के कड़े बीज होते हैं। इनका रंग गहरा भूरा या काला होता है। ये आकार में छोटे होते हैं और सफेद सरसों की तुलना में यह काफी तीखें होते हैं। इनका प्रयोग खाने का स्वाद बढ़ाने में किया जाता है। आम तौर पर काली सरसों के बीजों का उपयोग तड़के के रूप में किया जाता है। इसके अलावा इसका प्रयोग पाउडर के रूप में भी किया जाता है। सरसों के पौधे की करीब 40 प्रजातियां पाई जाती हैं। सरसों के बीज से तेल निकाला जाता है, जिसका उपयोग भोजन बनाने, औषधि के रूप में और दवा बनाने के लिए किया जाता है। साउथ इंडियन फूड में प्रमुख रूप् से काले सरसों का प्रयोग किया जाता है।

काली सरसों की खेती के लिए कैसे होनी चाहिए मिट्?टी

काली सरसों की अच्छी उपज के लिए समतल एवं अच्छे जल निकास वाली बलुई दोमट से दोमट मिट्टी उपयुक्त रहती है। हालांकि क्षारीय भूमि पर भी उपयुक्त किस्मों का चुनाव करके भी इसकी खेती की जा सकती है। जहां की मिट्?टी क्षारीय से वहां प्रत्येक तीसरे वर्ष जिप्सम 5 टन प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करना चाहिए। जिप्सम की आवश्यकता मिट्?टी पी. एच. मान के अनुसार अलग-अलग हो सकती है।

सूरजमुखी की खेती

प्रजातियाँ

उन्नतशील प्रजातियाँ कौन कौन सी होती है, जिन्हें हमें खेत में बोना चाहिए?

इसमे मख्य रूप से दो प्रकार की प्रजातियाँ पायी जाती है एक तो सामान्य या संकुल प्रजातियाँ इसमे मार्डन और सूर्य पायी जाती है दूसरा संकर प्रजातियाँ इसमे के बी एस एच-1 और एस एच 3322 एवं फ़ एस एच-17 पाई जाती है

बुवाई का समय

बुवाई का सही समय क्या है और किस विधि से ये बोये जाते है?

जायद में सूरजमुखी की बुवाई का सर्वोत्तम समय फरवरी का दूसरा पखवारा है इस समय बुवाई करने पर मई के अंत पर जून के प्रथम सप्ताह तक फसल पक कर तैयार हो जाती है, यदि देर से बुवाई की जाती है तो पकाने पर बरसात शुरू हो जाती है और दानो का नुकसान हो जाता है, बुवाई लाइनों में हल के पीछे 4 से 5 सेंटीमीटर गहराई पर करनी चाहिए लाइन से लाइन की दूरी 45 सेंटी मीटर तथा पौध से पौध की दूरी 15 से 20 सेंटीमीटर रखनी चाहिए

देश में पिछले तीन दशक के दौरान सूरजमुखी की खेती में बहुत तेजी से गिरावट हुई है। 1992-93 में देश में 26.68 लाख हेक्टेयर में सूरजमुखी की खेती होती थी, जो 2020-21 में घटकर 2.26 लाख (लगभग 8.47 प्रतिशत) हेक्टेयर रह गई है।

भारत अन्य खाद्य तेलों की तरह सूरजमुखी के तेल के लिए आयात पर निर्भर रहता है। कृषि विभाग के आंकड़े बताते हैं कि आयात किए जा रहे कुल खाद्य तेलों में सूरजमुखी के तेल का हिस्सा लगभग 16 प्रतिशत है। भारत लगभग दो लाख टन सूरजमुखी तेल हर महीने आयात करता है। इसमें 70 फीसदी सूरजमुखी तेल यूक्रेन और 20 फीसदी रूस से आयात करता था, लेकिन रूस-यूक्रेन के बीच युद्ध छिड़ने के बाद आयात पर गंभीर असर पड़ा है।

खाद्य तेलों के आयात को कम करने के लिए तो सरकार ने पहले ही प्रयास शुरू कर दिए थे, लेकिन रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद सरकार ने प्रयास तेज कर दिए हैं।

चूंकि तिलहन की अन्य फसलों के मुकाबले देश में सूरजमुखी की फसल का उत्पादन बहुत कम है, इसलिए सरकार ने अब इस फसल का रकबा बढ़ाने की दिशा में काम शुरू किया है।

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के आंकड़े बताते हैं कि 1993-94 में 26.68 लाख हेक्टेयर में सूरजमुखी की खेती की जाती थी, लेकिन 2020-21 में यह घटकर 2.26 लाख हेक्टेयर रह गई। उत्पादन की अगर बात करें तो 1993-94 में 13.48 लाख टन सूरजमुखी का उत्पादन होता था, लेकिन 2020-21 में यह घटकर 2.28 लाख टन रह गया। हालांकि प्रति हेक्टेयर उत्पादन में वृद्धि जरूर हुई है। पहले 505 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर उत्पादन होता है, जो अब बढ़ कर लगभग दोगुना यानी 1011 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर हो गया है।

राज्यवार आंकड़ों के बारे में बताया गया कि 1993-94 में सबसे अधिक कर्नाटक में 14.69 लाख हेक्टेयर में 4.75 लाख टन उत्पादन होता था, जो घटकर अब 1.2 लाख हेक्टेयर में 1.08 लाख टन रह गया है। इसके अलावा आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र, हरियाणा, पंजाब, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश में सूरजमुखी का उत्पादन होता है, लेकिन हरियाणा को छोड़ कर सभी राज्यों में सूरजमुखी का उत्पादन कम होता जा रहा है।

महाराष्ट्र में 5.72 लाख हेक्टयर में सूरजमुखी की खेती होती थी। 2020-21 में यह घट कर केवल 26 हजार हेक्टेयर ही रह गई है। आंध्र प्रदेश में भी 3.9 लाख हेक्टेयर से घटकर 12 हजार हेक्टेयर ही रह गई है।

क्या है वजह

सूरजमुखी की खेती के घटने के कारण हैं अच्छी क्वालिटी के बीज उपलब्ध न होने और बारिश पर निर्भर रहने वाले इलाकों में सिंचाई के इंतजाम न बढ़ना दो मुख्य वजह हैं, जिनके चलते सूरजमुखी की खेती में बहुत कमी आई है। सूरजमुखी की खेती करने वाले किसानों को कम से कम दस साल के लिए सब्सिडी या इंसेंटिव देने की जरूरत है। इसके साथ-साथ न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में बढ़ोतरी और अच्छी गुणवत्ता वाले बीज किसानों को उपलब्ध कराने की जरूरत भी है।

महाराष्ट्र में सूरजमुखी लगाने वाले किसानों ने सोयाबीन लगाना शुरू कर दिया, क्योंकि उन्हें अच्छे बीज नहीं मिल रहे थे और सूरजमुखी पर वेल्यू एडिशन भी काफी कम था। परिगलन (नेक्रोसिस) बीमारी के कारण भी सूरजमुखी का उत्पादन घटा और किसानों ने खेती छोड़ दी। नेक्रोसिस बीमारी की वजह से फसल गल जाती है। सूरजमुखी का बुआई क्षेत्र बढ़ाने के लिए सोयाबीन, मूंगफल जैसी फसलों के इंटरक्रॉपिंग करनी होगी। खारी मिट्टी में सूरजमुखी की खेती करनी होगी। गेहूं-धान की वजह से बंजर हो चुकी जमीन पर सूरजमुखी की फसल उगाई जानी चाहिए। -

सूरजमुखी की खेती

सूरजमुखी की खेती खरीफ, रबी, एवं जायद तीनो ही मौसम में की जा सकती है, लेकिन खरीफ में इस पर अनेक रोगों एवं कीटो का प्रकोप होने के कारण फूल छोटे होते है, तथा दाना कम पड़ता है जायद में सूरजमुखी की अच्छी उपज प्राप्त होती है इस कारण जायद में ही इसकी खेती ज्यादातर की जाती है

जलवायु और भूमि

सूरजमुखी की खेती के लिए किस प्रकार की जलवायु और भूमि की आवश्यकता पड़ती है?

सूरजमुखी की खेती खरीफ, रबी, जायद, तीनो मौसम में की जा सकती है फसल पकते समय शुष्क जलवायु की अति आवश्यकता पड़ती है सूरजमुखी की खेती अम्लीय एवम क्षारीय भूमि को छोड़कर सिंचित दशा वाली सभी प्रकार की भूमि में की जा सकती है, लेकिन दोमट भूमि सर्वोतम मानी जाती है

खेत की तैयारी

सूरजमुखी की फसल के लिए खेतो की तैयारी हमारे किसान भाई किस प्रकार करें?

खेत की तयारी में जायद के मौसम में प्राप्त नमी न होने पर खेत को पलेवा करके जुताई करनी चाहिए एक जुताई मिटटी पलटने वाले हल से तथा बाद में 2 से 3 जुताई देशी हल या कल्टीवेटर से करनी चाहिए मिटटी भुरभुरी कर लेना चाहिए, जिससे की नमी सुरक्षित बनी रह सके

बीज की मात्रा

सूरजमुखी की बुवाई में प्रति हेक्टयर बीज की कितनी मात्रा लगती है, और इनका शोधन किस प्रकार करे?

बीज की मात्रा अलग अलग पड़ती है, जैसे की संकुल या सामान्य प्रजातियो में 12 से 15 किलो ग्राम प्रति हैक्टर बीज लगता है और संकर प्रजातियो में 5 से 6 किलो ग्राम प्रति हैक्टर बीज लगता है यदि बीज की जमाव गुणवता 70त्न से कम हो तो बीज की मात्रा बढ़ाकर बुवाई करना चाहिए, बीज को बुवाई से पहले 2 से 2.5 ग्राम थीरम प्रति किलो ग्राम बीज को शोधित करना चाहिए बीज को बुवाई से पहले रात में 12 घंटा भिगोकर सुबह 3 से 4 घंटा छाया में सुखाकर सायं 3 बजे के बाद बुवाई करनी चाहिए जायद के मौसम में उर्वरक का प्रयोग

सूरजमुखी की फसल में उर्वरको का प्रयोग कितनी मात्रा में करनी चाहिए और कब करना चाहिए?

सामान्य उर्वरकों का प्रयोग मृदा परिक्षण के आधार पर ही करनी चाहिए फिर भी नत्रजन 80 किलोग्राम, 60 किलोग्राम फास्फोरस एवम पोटाश 40 किलो ग्राम तत्व के रूप में प्रति हेक्टेयर पर्याप्त होता है नत्रजन की आधी मात्रा एवम फास्फोरस व् पोटाश की पूरी मात्रा बुवाई के समय कुडों में प्रयोग करना चाहिए इसका विशेष ध्यान देना चाहिए शेष नत्रजन की मात्रा बुवाई के 25 या 30 दिन बाद ट्राईफ़ोसीड के रूप में देना चाहिए यदि आलू के बाद फसल ली जाती है तो 20 से 25त्न उर्वरक की मात्र कम की जा सकती है, आखिरी जुताई में खेत तैयार करते समय 250 से 300 कुंतल सड़ी गोबर की खाद या कम्पोस्ट खाद लाभदायक पाया गया है

सिंचाई का समय

सूरजमुखी की फसल में सिचाई कब और कैसे करनी चाहिए?

पहली सिचाई बुवाई के 20 से 25 दिन बाद हल्की या स्प्रिकलर से करनी चाहिए बाद में आवश्यकतानुसार 10 से 15 दिन के अन्तराल पर सिचाई करते रहना चाहिए कुल 5 या 6 सिचाइयो की आवश्यकता पड़ती है फूल निकलते समय दाना भरते समय बहुत हल्की सिचाई की आवश्यकता पड़ती है जिससे पौधे जमीन में गिरने न पाए क्योकि जब दाना पड जाता है तो सूरजमुखी के फूल के द्वारा बहुत ही पौधे पर वजन आ जाता है जिससे की गिर सकता है गहरी सिचाई करने से

निराइ एवं गुड़ाई

फसल की निराई गुड़ाई कब करनी चाहिए और उसमे खरपतवारो का नियत्रण हमारे किसान भाई किस प्रकार करें?

बुवाई के 20 से 25 दिन बाद पहली सिचाई के बाद ओट आने के बाद निराई गुड़ाई करना अति आवश्यक है, इससे खरपतवार भी नियंत्रित होते है रसायनो द्वारा खरपतवार नियत्रण हेतु पेंडामेथालिन 30 ई सी की 3.3 लीटर मात्रा 600 से 800 लीटर पानी घोलकर प्रति हैक्टर की दर से बुवाई के 2-3 दिन के अन्दर छिडकाव करने से खरपतवारो का जमाव नहीं होता है

मिट्टी चढाना

सूरजमुखी की फसल में पौधों पर कब, कैसे और कितनी मिट्टी चढानी चाहिए, ताकि उनका संतुलन बना रहे?

सूरजमुखी का फूल बहुत ही बड़ा होता है इससे पौधा गिरने का भय बना रहता है इसलिए नत्रजन की टापड्रेसिंग करने के बाद एक बार पौधों पर 10 से 15 सेंटीमीटर ऊँची मिट्टी चढाना अति आवश्यक है जिससे पौधे गिरते नहीं है